सच, सिर्फ सच **

वॉयस ऑफ लखनऊ

रविवार, 24 मई, 2026 लखनऊ, महानगर, वर्ष 21, अंक 140, पेज 12, 3.50 रुपये www.facebook.com/volepaper voiceoflucknow@gmail.com www.voiceoflucknow.com

राजस्थान में सेमीकंडक्टर क्षेत्र में अपार संभावनाएं

केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि राजस्थान में इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। } 10

मजबूत बनी हुई है निर्यात वृद्धि की रफ्तार : गोयल

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि मई के पहले तीन सप्ताह के दौरान देश के निर्यात में मजबूत वृद्धि दर्ज की गयी है। अप्रैल में जो वृद्धि दर देखने को मिली थी, वह मई में भी जारी है। } 10

भारत को विकसित बनायेंगे युवा : मोदी

पीएम मोदी ने रोजगार मेले में 51,000 से अधिक युवाओं को बांटा नियुक्ति पत्र

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत की अंतरराष्ट्रीय साझेदारियां देश के युवाओं के हित को ध्यान में रखकर सोच-समझकर और उद्देश्यपूर्ण तरीके से बनाई गई हैं। मोदी ने यह भी बताया कि दर्जनों देशों का प्रतिनिधित्व करने वाली वैश्विक कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों ने भारत के युवाओं और देश की तकनीकी प्रगति की चर्चा की है।

प्रधानमंत्री मोदी ने रोजगार मेले में 51,000 से अधिक युवाओं को केंद्र सरकार की नौकरियों के लिए नियुक्ति पत्र डिजिटल माध्यम से वितरित किए और कहा कि आने वाले वर्षों में विकसित भारत के सपने को साकार करने में युवाओं की अहम भूमिका होगी। अपनी पांच देशों की हालिया यात्रा का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा, इस दौरान मेरी दर्जनों देशों की बड़ी-बड़ी कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों के साथ विस्तार से चर्चा हुई, और हर जगह मैंने एक बात समान रूप से महसूस की है कि दुनिया, भारत के युवाओं और भारत की तकनीकी प्रगति को लेकर बहुत उत्साहित है। उन्होंने कहा कि विश्व भारत की विकास यात्रा का हिस्सा बनना चाहता है। संयुक्त अरब अमीरात, ...शेष पृष्ठ 10 पर

एक जुलाई से मनरेगा का स्थान लेगी 'वीबी-जी राम जी' योजना

❍ केन्द्र ने अधिसूचित किये मसौदा नियम ❍ अंतिम रूप देने से पहले मांगी जनता से राय

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने विकसित भारत रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025 (वीबी-जी राम-जी) के तहत मसौदा नियमों को शनिवार को अधिसूचित किया। केंद्र ने नये ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम के क्रियान्वयन के लिए संस्थागत और प्रशासनिक ढांचा निर्धारित किया, जो एक जुलाई से मनरेगा का स्थान लेगा, साथ ही इसे अंतिम रूप देने से पहले जनता से प्रतिक्रिया आमंत्रित की है।

अधिकारियों ने बताया कि अधिनियम की धारा 33 और अन्य प्रासंगिक प्रावधानों के तहत तैयार किए गए नियमों के मसौदे को अंतिम रूप देने से पहले व्यापक हितधारकों के परामर्श के लिए सार्वजनिक किया गया है। प्रस्तावित नियमों में बदलाव वाले प्रावधान, राष्ट्रीय स्तरीय संचालन समिति, केंद्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी परिषद, प्रशासनिक खर्च, शिकायत निवारण, मजदूरी और बेरोजगारी भत्ते के भुगतान तथा मानक आवंटन से अधिक हुए व्यय से जुड़े हैं, जिसमें बिना विधानमंडल वाले केंद्र शासित प्रदेशों पर होने वाले खर्च का प्रावधान भी शामिल है। ग्रामीण विकास मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि इन नियमों का उद्देश्य पूरे देश

में अधिनियम के क्रियान्वयन के लिए संस्थागत, प्रशासनिक, वित्तीय और शासन ढांचा स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि साथ ही नियमों को अंतिम रूप देने से पहले सहभागी परामर्श सुनिश्चित करना है। नियमों में बदलाव की अवधि के दौरान चल रहे कार्यों को जारी रखने, देनदारियों के निस्तारण, अभिलेखों के हस्तांतरण और श्रमिकों के अधिकारों की निरंतरता का प्रावधान है। मौजूदा ई-केवाईसी सत्यापित मनरेगा जॉब कार्ड नये ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्ड जारी होने तक अस्थायी रूप से वैध रहेंगे, साथ ही यदि चल रही परियोजनाएं श्रम मांग को पूरा करने के लिए अपर्याप्त हैं तो नये कार्य भी शुरू किए जा सकते हैं। वीबी-जी राम जी अधिनियम महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी (मनरेगा) अधिनियम को प्रतिस्थापित करने के लिए लाया गया है, जिसे सरकार द्वारा अगली पीढ़ी के ग्रामीण विकास ढांचे के तौर पर वर्णित किया गया है, जो विकसित भारत 2047 की परिकल्पना के अनुरूप है। नये कानून के तहत वार्षिक रोजगार गारंटी को 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन कर दिया गया है और ग्रामीण रोजगार को विकसित ग्राम पंचायत योजनाओं के माध्यम से बुनियादी ढांचे के निर्माण, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने और उबरने की क्षमता और ग्राम स्तरीय योजना से अधिक निकटता से जोड़ा गया है। प्रस्तावित ढांचे में नए निगरानी तंत्रों की भी परिकल्पना की गई है। एक राष्ट्रीय स्तरीय संचालन समिति क्रियान्वयन पर रणनीतिक मार्गदर्शन प्रदान करेगी, जिसमें मानक आवंटन, अभिसरण, ...शेष पृष्ठ 10 पर

विधानसभा के बाद ही होंगे पंचायत चुनाव!

❍ 26 मई को पूरा होगा ग्राम प्रधानों का कार्यकाल ❍ प्रदेश की सभी ग्राम सभा में होगी प्रशासकों की नियुक्ति

विशेष संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव 2026 टलना तय माना जा रहा है। योगी आदित्यनाथ सरकार ने पंचायत चुनाव में देरी को देखते हुए प्रदेश में पहली बार प्रशासकों की नियुक्ति का निर्णय लिया है। प्रधान चुनाव तक ये प्रशासक अपने पद पर प्रभावी रहेंगे। प्रदेश के सभी ग्राम सभा में प्रशंसकों की नियुक्ति होगी। सरकार ने 26 मई सभी ग्राम सभाओं में प्रशंसकों की नियुक्ति का निर्णय लिया है। ये प्रशासन वर्तमान प्रधान ही हो सकते हैं। दरअसल, प्रधानों का कार्यकाल 26 मई को खत्म हो जाएगा।

प्रदेश में अब तक एडीओ पंचायत को प्रशासक बनाए जाते थे। अब सरकार ने एडीओ पंचायत की जगह अलग प्रशासक की नियुक्ति का निर्णय लिया। उनके पास ग्राम सभाओं के विकास की जिम्मेदारी होगी। प्रधानों का कार्यकाल 26 मई को पूरा हो रहा है। ऐसे में प्रधानों के सभी अधिकार कार्यकाल समाप्त होते ही खत्म हो जाएंगे। हालांकि, योगी आदित्यनाथ सरकार ने प्रधानों को बड़ी सौगात देने की योजना बना रही है। प्रधानों को एक बड़ी सौगात देने की तैयारी है। प्रदेश में सभी 57,694 प्रधानों को पहली बार प्रशासक के तौर पर नियुक्त किया जा सकता है। पहले एडीओ पंचायत को प्रशासक बनाया जाता था। पंचायत चुनाव तक वे गांव के विकास की जिम्मेदारी संभालते थे। योगी आदित्यनाथ सरकार ने इस बार राष्ट्रीय पंचायत राज्य ग्राम प्रधान संघ की ओर से की गई मांग को मान लिया है। संघ ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग की गई थी कि एडीओ पंचायत की जगह ग्राम प्रधानों को ही प्रशासक के तौर पर नियुक्त किया जाए। इससे आने वाले समय में गांवों के विकास को गति मिल सकेगी। सभी योजनाएं सुचारू से जारी रह सकेगी। मांग को देखते हुए विभाग की ओर से एक प्रस्ताव सरकार को भेजा गया है। उम्मीद जताई जा रही है कि 26 मई से पहले योगी सरकार सभी प्रधानों को ही प्रशासन के तौर पर नियुक्त कर सकती है। राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तराखंड की भारतीय जनता पार्टी की सराकर ने प्रधानों को ही प्रशासक के तौर पर नियुक्त किया गया था। यूपी सरकार भी इसी फॉमूर्ले पर आगे बढ़ सकती है। पहली बार प्रदेश में भी सभी 57694 प्रधानों को प्रशासक के तौर पर नियुक्त किया जाएगा। यूपी में पंचायत चुनाव को लेकर सीटों के ओबीसी आरक्षण का निर्धारण करने के लिए ओबीसी आयोग का गठन किया गया है। ओबीसी आयोग 6 माह में सीटों का किस तरह से आरक्षण होगा, इसको लेकर अपनी रिपोर्ट सौंपेगा। ओबीसी आयोग की रिपोर्ट ...शेष पृष्ठ 10 पर

बिजली आपूर्ति लापरवाही में अधिकारी नपे

बिजली कटौती को लेकर मुख्यमंत्री आवास आज अहम बैठक

वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश में भीषण गर्मी के बीच हो रही बिजली कटौती को लेकर जनता का रोष लगातार बढ़ता जा रहा है। इसको देखते हुए अब योगी सरकार एक्शन मोड में आ गई है। योगी सरकार ने बिजली आपूर्ति में लापरवाही के कारण दो अफसरों पर बड़ी कार्रवाई की है। सरकार ने दो एग्जीक्यूटिव इंजीनियर (एक्सईएन) को सस्पेंड कर दिया गया है। साथ ही कुछ अन्य लोगों पर भी कार्रवाई की तलवार लटकी हुई है और कभी भी इन पर भी गाज गिर सकती है। वहीं, बिजली कटौती को लेकर मुख्यमंत्री आवास पर रविवार की सुबह पावर कार्पोरेशन के अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक बुलायी गयी है। योगी सरकार ने गाजियाबाद में तैनात एग्जीक्यूटिव इंजीनियर राहुल को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। साथ ही उन्हें मेरठ मुख्यालय से अटैच कर दिया गया है। मेरठ में कार्यरत एग्जीक्यूटिव इंजीनियर योगेश कुमार को भी सस्पेंड कर दिया गया है। दोनों अधिकारियों पर विभागीय काम में लापरवाही का आरोप लगा है। शनिवार को हुई इस कार्रवाई को पावर कॉरपोरेशन में जवाबदेही और अनुशासन सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। भीषण गर्मी में बिजली संकट अब बड़ा ...शेष पृष्ठ 10 पर

श्रमिकों का सम्मान और सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता : योगी

विशेष संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रमिक कल्याण, कौशल विकास और रोजगार सृजन को और व्यापक तथा परिणाममुखी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। उन्होंने बाल श्रमिक विद्या योजना को प्रदेश के सभी 75 जनपदों में विस्तारित करने, सेवामित्र व्यवस्था को और प्रभावी बनाने, निर्माण श्रमिकों के लिए बड़े शहरों में आधुनिक श्रमिक सुविधा केंद्र विकसित करने तथा रोजगार मिशन को वैश्विक अवसरों से जोड़ने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा है कि श्रमिक केवल उत्पादन प्रक्रिया का हिस्सा नहीं, बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था और प्रगति की सबसे बड़ी शक्ति हैं। सरकार की प्राथमिकता है कि श्रमिकों, युवाओं और कमजोर वर्गों को सम्मानजनक जीवन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुरक्षित कार्य वातावरण और बेहतर रोजगार अवसर उपलब्ध हों। शनिवार को श्रम एवं सेवायोजन विभाग की ...शेष पृष्ठ 10 पर

संक्षेप

इला. हाईकोर्ट की सख्ती के बाद ललित तिवारी आज लेंगे पार्षद पद की शपथ

लखनऊ। हाईकोर्ट के कड़े रुख के बाद आखिरकार ललित किशोर तिवारी को नगर निगम में पार्षद पद की शपथ दिलाए जाने का रास्ता साफ हो गया है। नगर निगम प्रशासन की ओर से उन्हें शपथ ग्रहण के लिए आमंत्रित किया गया है। जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह 9 बजे नगर निगम मुख्यालय में उन्हें पार्षद पद की शपथ दिलाई जाएगी। मामले में हाईकोर्ट ने पहले ही नाराजगी जाहिर की थी। कोर्ट ने आदेश के बावजूद ललित तिवारी को शपथ न दिलाए जाने को गंभीरता से लेते हुए इसे अवमानना की श्रेणी में माना था।

चीन : कोयला खदान में विस्फोट, 90 की मौत

राहत व बचाव दल ने 200 से अधिक लोगों को बचाया

एजेंसी

बीजिंग। उत्तरी चीन की एक कोयला खदान में गैस विस्फोट होने से 90 खनिकों की मौत हो गई। बीजिंग के आधिकारिक मीडिया ने शनिवार को यह जानकारी दी। मीडिया ने साथ ही अपनी खबर में बताया कि अब तक 201 खनिकों को बचाया गया है।

गैस विस्फोट शुक्रवार शाम लिउशेन्यु कोयला खदान में हुआ। विस्फोट के बाद से बचाव अभियान जारी है। सरकारी समाचार पत्र चाइना डेली की खबर के अनुसार, उत्तरी चीन के शानशी प्रांत के क्विनयुआन काउंटी में कोयला खदान में विस्फोट होने से मारे गए लोगों की संख्या बढ़कर 90 हो गई है। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने व्यापक पैमाने पर बचाव अभियान

चलाए जाने और घायलों का उपचार सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने हादसे के बाद की स्थिति से उचित तरीके से निपटने, इसके कारणों की गहन जांच करने और कानून के अनुसार जवाबदेही तय करने के भी निर्देश दिए। चिनफिंग ने कहा कि इस हादसे से देशभर के प्राधिकारियों को सबक लेना चाहिए, कार्यस्थल पर सुरक्षा को लेकर सतर्क रहना चाहिए और संभावित जोखिमों की पहचान कर उन्हें दूर ...शेष पृष्ठ 10 पर

फिर बढ़े पेट्रोल, डीजल और सीएनजी के दाम

नयी दिल्ली। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 10 दिनों से भी कम समय में शनिवार को तीसरी बार बढ़ोतरी की गई। पेट्रोल की कीमत में 87 पैसे लीटर जबकि डीजल के दाम में 91 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई है।

ताजा बढ़ोतरी के बाद 10 दिनों के भीतर पेट्रोल एवं डीजल के दाम देशभर में लगभग पांच रुपये प्रति लीटर तक बढ़ चुके हैं। इसके साथ ही वाहन ईंधन के तौर पर इस्तेमाल होने वाले सीएनजी की कीमत में भी एक रुपये प्रति किलोग्राम की वृद्धि की गई है। हाल के दिनों में तीसरी बार हुई बढ़ोतरी के बाद सीएनजी के दाम कुल चार रुपये प्रति किलोग्राम तक बढ़ चुके हैं। पश्चिम एशिया संकट के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के साथ सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियां ईंधन ...शेष पृष्ठ 10 पर

हथियारों का सबसे बड़ा निर्यातक बनेगा भारत

राजनाथ सिंह शिरडी में आयुध निर्माण इकाई का किया उद्घाटन

एजेंसी

शिरडी (महाराष्ट्र)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि कोई भी शक्ति भारत को अगले 25-30 वर्षों में हथियारों का सबसे बड़ा निर्यातक बनने से नहीं रोक सकती। पहले भारत को हथियारों का आयातक समझा जाता था।

शिरडी में आयुध निर्माण इकाई का उद्घाटन करने के बाद सिंह ने कहा कि जो राष्ट्र अपने हथियार स्वयं बनाता है, वह अपना भविष्य स्वयं लिखता है। उन्होंने कहा कि कुछ साल पहले रक्षा विनिर्माण में निजी कंपनियों की भूमिका नगण्य थी, जो अब 25-30 प्रतिशत है, जबकि सरकार ने इसे और बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा निजी क्षेत्र की भागीदारी रक्षा क्षेत्र

में केवल नट-बोल्ट के आपूर्तिकर्ता की ही नहीं है, बल्कि वह अत्याधुनिक हथियार प्रणालियों का निर्माता भी है। सिंह ने कहा कि भारत को हथियारों का आयातक माना जाता था, लेकिन अब कोई भी शक्ति इसे 25-30 वर्षों में सबसे बड़ा निर्यातक बनने से नहीं रोक सकती। उन्होंने कहा कि जब सरकार की दूरदृष्टि और निजी क्षेत्र का नवाचार एक साथ मिलते हैं, तभी देश नई ऊंचाइयों पर पहुंचता है। उन्होंने कहा भारत को गोला ...शेष पृष्ठ 10 पर

आज का मौसम

अधिकतम	:	42.00 डिसे.
न्यूनतम	:	34.00 डिसे.

भीतर पढ़ें

❍ उत्तर प्रदेश में मजबूत होगी चेतावनी प्रणाली (पृष्ठ-02)
❍ जून माह में नहीं करायी जायें सेमेस्टर परीक्षाएं (पृष्ठ-02)
❍ सीतारमण से मिले सीएम हिमंत बिस्वा सरमा (पृष्ठ-10)
❍ कोर्ट ने आजम खान की सजा बढ़ाकर की 10 वर्ष (पृष्ठ-10)
❍ 50 औद्योगिक पार्क के लिए राज्यों से मांगे आवेदन (पृष्ठ-10)

विशेष खबर

यूपी सरकार व नेल्को लिमिटेड के बीच समझौता, कक्षा 9 से 12 तक छात्रों को एआई, रोबोटिक्स व 3डी प्रिंटिंग का प्रशिक्षण

600 विद्यालयों में स्थापित होंगीं हाईटेक ड्रीम लैब

विशेष संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने स्कूली शिक्षा को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप ढालने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल की है। इसी क्रम में समग्र शिक्षा (माध्यमिक), माध्यमिक शिक्षा विभाग की ओर से शनिवार को माध्यमिक शिक्षा निदेशालय, लखनऊ में नेल्को लिमिटेड (टाटा एंटरप्राइज) एवं अग्रणी औद्योगिक समूह के साथ 600 राजकीय माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अत्याधुनिक ड्रीम लैब्स (डिजाइन, रोबोटिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग) की स्थापना हेतु एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर अपर मुख्य सचिव बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा, महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी की उपस्थिति में किए गए।

अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने कहा कि यह समझौता केवल एक परियोजना नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश के युवाओं के भविष्य में निवेश है। उन्होंने कहा कि तेजी से बदलती औद्योगिक आवश्यकताओं को देखते हुए राज्य के विद्यार्थियों को इंडस्ट्री 4.0 आधारित कौशलों से लैस करना समय की मांग है। ड्रीम लैब्स इस दिशा में एक सशक्त माध्यम बनेंगे, जहाँ विद्यार्थी पारंपरिक शिक्षा के साथ-साथ व्यावहारिक एवं रोजगारपरक कौशल भी अर्जित करेंगे। महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी ने अपने संबोधन में कहा कि यह पहल व्यावसायिक शिक्षा को नई दिशा देने वाली है। उन्होंने हब एवं स्पोक मॉडल के प्रभावी संचालन, मशीनरी स्थापना, प्रशिक्षकों की गुणवत्ता, विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति तथा परिणाम आधारित निगरानी पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि शुरूआत जितनी मजबूत होती है, उतना ही आवश्यक है कि हम उसे सफल परिणति तक पहुंचाएं, विशेषकर आकांक्षी जनपदों में इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया गया। इस परियोजना के अंतर्गत प्रदेश के सभी 75 जनपदों में कुल 600 विद्यालयों (150 हब एवं 450 स्पोक विद्यालय) को शामिल किया गया है। प्रथम चरण में 18 हब एवं 54 स्पोक विद्यालय (कुल 72), द्वितीय चरण में ...शेष पृष्ठ 10 पर

डॉक्टर की लापरवाही पर आईटीबीपी अधिकारियों ने की कार्रवाई की मांग

❍ लापरवाही के चलते काटना पड़ा जवान की मां का हाथ

जिला संवाददाता

कानपुर। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के अधिकारियों ने शनिवार को कानपुर के पुलिस आयुक्त से मुलाकात कर कथित चिकित्सकीय लापरवाही के मामले में कार्रवाई की मांग की। आरोप है कि इलाज में लापरवाही के कारण आईटीबीपी जवान की मां का हाथ काटना पड़ा। यह विवाद उस समय सामने आया जब महाराजपुर स्थित 32वीं बटालियन में तैनात आईटीबीपी जवान विकास सिंह ने कृष्णा सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के चिकित्सकों पर उनकी 56 वर्षीय मां निर्मला देवी के उपचार में लापरवाही का आरोप लगाया। विकास सिंह के अनुसार, उनकी मां को सांस लेने में तकलीफ होने पर 13 मई को कृष्णा अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट से असंतोष जताने के बाद शनिवार सुबह आईटीबीपी के कई जवान वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कमिश्नरी पहुंचे। इसके बाद अफवाह फैल गई कि सशस्त्र आईटीबीपी जवानों ने पुलिस आयुक्त कार्यालय का घेराव कर लिया है। हालांकि, पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल ने इन खबरों का खंडन किया। उन्होंने... शेष पृष्ठ 10 पर

C M Y K

लंबित राजस्व वादों में देरी पर जवाबदेह होंगे : सीएम

कमजोर प्रदर्शन करने वाले जिलों की जवाबदेही तय की जाये, 22 लाख से घटकर 10 लाख हुए लंबित वाद

विशेष संवाददाता (vol)

- धारा-80 के लंबित वाद 85 हजार से घटकर 38 हजार, राजस्व मामलों में तेजी पर जोर

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए हैं कि राजस्व मामलों के त्वरित, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण को शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि भूमि और राजस्व से जुड़े विवाद आमजन के जीवन, किसान हितों और सामाजिक सौहार्द से सीधे जुड़े होते हैं, इसलिए इन मामलों में अनावश्यक विलंब किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगा। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्धारित समय-सीमा के बाद भी लंबित रहने वाले मामलों में संबंधित अधिकारियों और कार्मिकों की जवाबदेही तय करते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

शनिवार को राजस्व न्यायालयों में लंबित वादों के निस्तारण की प्रगति की उच्चस्तरीय समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि तकनीक आधारित व्यवस्था, जवाबदेही और समयबद्ध कार्यप्रणाली के माध्यम से राजस्व न्यायालयों की कार्यक्षमता को और अधिक प्रभावी बनाया जाए, ताकि आम नागरिक को शीघ्र न्याय मिल सके। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से निर्देश दिए कि निर्धारित समय-सीमा से अधिक अवधि से लंबित वादों का अभियान चलाकर प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा कि तहसील और जनपद स्तर पर नियमित समीक्षा हो तथा कमजोर प्रदर्शन करने वाले जिलों की जवाबदेही तय की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्व न्यायालयों की कार्यप्रणाली केवल आंकड़ों तक सीमित न रहे, बल्कि आमजन को वास्तविक राहत मिलनी चाहिए।

बैठक में बताया गया कि आरसीसीएमएस पोर्टल के माध्यम से धारा-80 के अंतर्गत लंबित वादों में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। 1 जनवरी 2026 को कुल 85,158 वाद लंबित थे, जिनमें से 77,578 का निस्तारण किया गया था। वहीं 22 मई 2026 तक कुल लंबित वादों की संख्या घटकर 38,166 रह गई, जिनमें 29,543 वादों का निस्तारण किया गया। तीन माह से अधिक समय से लंबित मामलों की संख्या में भी लगातार कमी आई है। धारा-80 के मामलों में बस्ती, चित्रकूट, अयोध्या, बागपत और कन्नौज ने बेहतर प्रदर्शन किया, जबकि मेरठ, वाराणसी, अमेठी, गौतमबुद्धनगर और हापुड़ का प्रदर्शन अपेक्षाकृत कमजोर पाया गया।

बैठक में यह भी अवगत कराया गया कि धारा-34 के अंतर्गत लंबित वादों की संख्या में उल्लेखनीय कमी आई है। 1 जनवरी 2026 को कुल 22,44,466 वाद लंबित थे, जो 22 मई 2026 तक घटकर 10,59,139 रह गए। इस अवधि में 5,40,945 वादों का निस्तारण किया गया।

समीक्षा में बरेली, रामपुर, मुरादाबाद, अलीगढ़ और बदायूं का प्रदर्शन बेहतर पाया गया, जबकि गोरखपुर, संतकबीरनगर, प्रतापगढ़, बलिया और देवरिया अपेक्षित प्रगति नहीं कर सके। मुख्यमंत्री ने इन जिलों में विशेष अभियान चलाकर लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। धारा-33 के अंतर्गत निर्विवादित वरासत मामलों की समीक्षा में बताया गया कि वर्ष 2025 में कुल 16,89,732 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 16,43,104 का निस्तारण किया गया। वहीं 22 मई 2026 तक प्राप्त 7,15,872 आवेदनों में से 6,52,512 का निस्तारण किया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि वरासत से जुड़े मामलों में नागरिकों को अनावश्यक चक्कर न लगाने पड़ें तथा सभी प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में धारा-24 के मामलों की समीक्षा के दौरान बताया गया कि 1 जनवरी 2026 को 1,82,710 वाद लंबित थे, जो 22 मई 2026 तक घटकर 92,915 रह गए। समीक्षा में वाराणसी, कुशीनगर, मैनपुरी, बलरामपुर और हमीरपुर का प्रदर्शन बेहतर पाया गया, जबकि गौतमबुद्धनगर, लखनऊ, प्रतापगढ़, अमेठी और मुजफ्फरनगर अपेक्षित प्रगति नहीं कर सके। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जिन जिलों में प्रगति संतोषजनक नहीं है, वहां वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। धारा-116 के अंतर्गत लंबित मामलों की समीक्षा में बताया गया कि जनवरी 2026 में 1,69,693 वाद लंबित थे, जो 22 मई 2026 तक घटकर 1,14,479 रह गए। इस श्रेणी में वाराणसी, एटा, आजमगढ़, लखीमपुर खीरी और महाराजगंज का प्रदर्शन बेहतर रहा, जबकि प्रतापगढ़, मुजफ्फरनगर, कानपुर नगर, गोंडा और बलिया का प्रदर्शन कमजोर पाया गया।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि राजस्व न्यायालयों में वर्षों से लंबित पुराने मामलों की अलग सूची तैयार कर उनके निस्तारण के लिए विशेष रणनीति बनाई जाए। बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित सभी मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में लंबित वादों का एक समय सीमा तय करके निस्तारण कराने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्व प्रशासन की कार्यशैली ऐसी होनी चाहिए, जिससे जनता का विश्वास और अधिक मजबूत हो तथा लोगों को न्याय के लिए अनावश्यक प्रतीक्षा न करनी पड़े।

जून माह में नहीं करायी जायें सेमेस्टर परीक्षाएं

विशेष संवाददाता (vol)

- उप्र कांग्रेस कमेटी शिक्षक प्रकोष्ठ के चेयरमैन ने सीएम योगी और राज्यपाल को पत्र लिखकर उठायी मांग

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी शिक्षक प्रकोष्ठ के चेयरमैन डॉ. अमित कुमार राय ने शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल को पत्र लिखकर मांग की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा प्रदेश के विश्वविद्यालयों में सेमेस्टर परीक्षाएं 15 मई तक संपन्न कराने के निर्देश पूर्व में जारी किए जा चुके हैं, किंतु दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि अनेक विश्वविद्यालयों द्वारा इस निर्देश का पालन नहीं किया जा रहा है। वर्तमान समय में प्रदेश भीषण गर्मी की चपेट में है तथा कई जनपदों में तापमान 48 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है। ऐसे विषम मौसम में जून माह के दौरान विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में सेमेस्टर परीक्षाएं आयोजित कराना छात्र एवं शिक्षक हितों के साथ अन्याय है।

डॉ. अमित कुमार राय ने मांग की है कि छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए फाइनल सेमेस्टर को छोड़कर अन्य सभी सेमेस्टर की शेष परीक्षाएं जून माह में आयोजित न करायी जाएं तथा इस संबंध में विश्वविद्यालयों को तत्काल आवश्यक निर्देश जारी किए जाएं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के अनेक महाविद्यालयों में पंखे एवं अन्य बुनियादी सुविधाएं भी सुचारू रूप से संचालित नहीं हो रही हैं। ऐसी स्थिति में भीषण गर्मी के बीच परीक्षा कराना छात्रों एवं शिक्षकों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न कर सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि ग्रीष्मावकाश के दौरान परीक्षाएं आयोजित करना किसी भी दृष्टि से न्यायसंगत नहीं है।

डॉ. अमित कुमार राय ने प्रदेश सरकार से मांग की है कि छात्रों एवं शिक्षकों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए तत्काल संवेदनशील निर्णय लिया जाए।

उत्तर प्रदेश में मजबूत होगी चेतावनी प्रणाली

मुख्यमंत्री योगी ने दिए त्वरित और जनकेंद्रित मौसम अलर्ट के निर्देश

विशेष संवाददाता (vol)

- 13 मई के आंधी-तूफान की समीक्षा, कई जिलों में जारी हुआ था रेड अलर्ट
- यूपी में 450 वेदर स्टेशन और 2000 रेन गेज से हो रही मौसम की निगरानी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में मौसम संबंधी पूर्व चेतावनी प्रणाली को और अधिक सटीक, त्वरित तथा जनकेंद्रित बनाने के निर्देश दिए हैं। शनिवार को राहत एवं आपदा प्रबंधन विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं के दौरान समय पर दी गई सही सूचना अनेक लोगों का जीवन बचा सकती है। इसलिए मौसम पूर्वानुमान और चेतावनी तंत्र को केवल तकनीकी व्यवस्था तक सीमित न रखते हुए अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी रूप से पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने गांवों और संवेदनशील क्षेत्रों में ह्यलास्ट माइल कनेक्टिविटीह्व मजबूत करने, आईवीआरएस, पंचायत स्तर के लाउडस्पीकर, स्थानीय एफएम रेडियो, मोबाइल अलर्ट तथा सोशल मीडिया का व्यापक उपयोग करने के निर्देश दिए।

बैठक में 13 मई 2026 को आए भीषण आंधी-तूफान की समीक्षा प्रस्तुत की गई। बताया गया कि आईएमडी के मल्टी-हैजार्ड अर्ली वार्निंग सिस्टम (एमएचईडब्ल्यूएस) द्वारा इस घटना की सात दिन पहले से निगरानी की जा रही थी। प्रारंभ में येलो वार्निंग जारी की गई, जिसे बाद में ऑरेंज वार्निंग तथा कई जिलों में रेड अलर्ट में अपग्रेड किया गया। चेतावनियों में तेज आंधी, बिजली गिरने, ओलावृष्टि और 60 किलोमीटर प्रति घंटा से अधिक रफ्तार वाली हवाओं की आशंका जताई गई थी। कई स्थानों पर हवा की गति 80 से 130 किलोमीटर प्रति घंटा तक दर्ज की गई। बैठक में बताया गया कि भदोही, प्रयागराज, फतेहपुर, लखनऊ, मिजार्पुर, रायबरेली, कानपुर नगर और उन्नाव सहित अनेक जिलों के लिए 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटा तक की हवा चलने संबंधी नाउकास्ट अलर्ट जारी किए गए थे। ह्लसचेतह्व प्लेटफॉर्म के माध्यम से कलर-कोडेड अलर्ट जिला प्रशासन, डीडीएमए, आपदा मित्रों और संबंधित विभागों तक पहुंचाए गए। प्रभावित क्षेत्रों में सक्रिय मोबाइल फोनों पर एसएमएस आधारित चेतावनियां भी भेजी गईं। पूरी घटना के दौरान लगातार एसएमएस अलर्ट जारी किए गए। स्थानीय टीवी चैनलों, एफएम रेडियो, व्हाट्सएप समूहों, ग्राम प्रधानों, लेखपालों तथा आशा और आंगनबाड़ी कार्यकताओं के माध्यम से भी व्यापक स्तर पर सूचना प्रसारित की गई। मुख्यमंत्री ने मौसम संबंधी पूर्व सूचना मिलने के बाद संबंधित जिलाधिकारियों द्वारा की गई कार्रवाई का विस्तृत ब्यौरा लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि चेतावनी जारी करने के साथ-साथ लोगों में सुरक्षित व्यवहार को लेकर जागरूकता बढ़ाना भी जरूरी है। उन्होंने स्कूलों, पंचायतों और ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। साथ ही पेड़ों, बिजली के खंभों, होर्डिंग्स और कमजोर अस्थायी संरचनाओं की संवेदनशीलता का स्थानीय स्तर पर आकलन कर एसओपी तैयार करने को कहा।

बैठक में बताया गया कि आईएमडी की ओर से डॉप्लर वेदर रडार, ऑटोमैटिक वेदर स्टेशन (एडब्ल्यूएस), ऑटोमैटिक रेन गेज स्टेशन (एआरजी), लाइटनिंग सेंसर, सैटेलाइट इमेज तथा न्यूमेरिकल वेदर प्रिडिक्शन मॉडल्स के माध्यम से प्रदेश में मौसम की लगातार निगरानी की जा रही है। मीडियम रेंज फोरकास्ट (4-5 दिन), शॉर्ट रेंज फोरकास्ट (2-3 दिन) तथा नाउकास्ट (3 घंटे तक) स्तर पर थंडरस्टॉर्म और लाइटनिंग गतिविधियों का पूर्वानुमान जारी किया जाता है। प्रदेश में 450 ऑटोमैटिक वेदर स्टेशन तथा 2000 ऑटोमैटिक रेन गेज स्थापित किए जा चुके हैं। अलीगढ़, झांसी, लखनऊ, वाराणसी और आजमगढ़ में डॉप्लर वेदर रडार स्थापित किए जा रहे हैं, जबकि बरेली, देवरिया और प्रयागराज में अतिरिक्त रडार लगाने की प्रक्रिया जारी है।

उप्र मदरसा बोर्ड का रिजल्ट घोषित, 88.26% छात्र-छात्राएं उत्तीर्ण

मदरसा बोर्ड परीक्षा में 55,788 छात्र-छात्राएं सफल, छात्राओं का प्रदर्शन सबसे बेहतर

विशेष संवाददाता (vol)

- सेकेंडरी में 41 हजार से ज्यादा परीक्षार्थी पास, सीनियर सेकेंडरी में भी बेटियों का दबदबा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मदरसा शिक्षा को आधुनिक, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण बनाने की दिशा में योगी सरकार लगातार प्रभावी कदम उठा रही है। इसी क्रम में शनिवार को उप्र मदरसा शिक्षा परिषद, लखनऊ द्वारा संचालित मुंशी/मौलवी (सेकेंडरी) तथा आलिम (सीनियर सेकेंडरी) बोर्ड परीक्षा वर्ष-2026 का परिणाम घोषित किया गया। इस वर्ष मदरसा बोर्ड परीक्षा का कुल परिणाम 88.26 प्रतिशत रहा। कुल 55,788 छात्र-छात्राएं सफल घोषित किए गए। खास बात यह रही कि छात्राओं का प्रदर्शन छात्रों से बेहतर रहा। कुल 29,229 छात्राएं 94.30 प्रतिशत सफलता दर के साथ पास हुईं, जबकि 26,559 छात्र 85.13 प्रतिशत दर के साथ सफल हुए।

सेकेंडरी यानी मुंशी-मौलवी परीक्षा में कुल 62,232 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। इनमें से 47,036 छात्र-छात्राओं ने परीक्षा दी, जिनमें 41,426 परीक्षार्थी सफल रहे। इस परीक्षा का कुल परिणाम 88.07 प्रतिशत रहा। सेकेंडरी में भी छात्राओं का प्रदर्शन शानदार रहा है। 21,407 छात्राएं 91.46 प्रतिशत सफलता दर के साथ पास हुईं, जबकि 20,019 छात्र 84.72 प्रतिशत अंक के साथ सफल घोषित किए गए।

वहीं, सीनियर सेकेंडरी यानी आलिम परीक्षा में कुल 18,701 छात्र-छात्राएं पंजीकृत थे। इनमें से 16,175 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। इनमें 14,362 छात्र-छात्राएं सफल हुए। इस स्तर पर कुल सफलता प्रतिशत 88.79 रहा। सीनियर सेकेंडरी में 7822 छात्राओं ने परीक्षा पास की, उनका रिजल्ट 90.88 प्रतिशत रहा। जबकि 6540 छात्रों ने परीक्षा उत्तीर्ण की। इस तरह 86.42 प्रतिशत छात्र पास हुए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में आयोजित इस परीक्षा को नकलविहीन और तकनीकी निगरानी के बीच सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया है। अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने परिणाम घोषित करते हुए कहा कि हमारी सरकार की मूल नीति सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास के साथ सबका प्रयास है। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय के छात्र-छात्राओं के सशक्तीकरण की आधार नीति को यथार्थ धरातल पर लाने का काम योगी सरकार लगातार कर रही है।

छात्र-छात्राएं अपना रिजल्ट मदरसा परिषद की आधिकारिक वेबसाइट https:// madarsaboard.upsdc.gov.in पर देख सकते हैं। मदरसा बोर्ड परीक्षा वर्ष 2026 में कुल 80,933 छात्र-छात्राएं पंजीकृत थे। इनमें से 63,211 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए थे।

परीक्षा प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाने के लिए सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे, जिनकी निगरानी सीधे मदरसा बोर्ड मुख्यालय से की गई। योगी सरकार के सख्त इंतजामों के चलते परीक्षा शांतिपूर्ण और नकलविहीन वातावरण में संपन्न हुई।

भाजपा पीडीए का आरक्षण खा गयी

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार ने पीडीए आरक्षण में घोटाला किया है। भाजपा पीडीए का आरक्षण खा गयी। 69 हजार शिक्षक भर्ती में पिछड़े वर्गों को 27 फीसदी आरक्षण के बजाय सिर्फ 3.80 फीसदी आरक्षण मिला। एससी वर्ग को 21 फीसदी आरक्षण की जगह 16.2 फीसदी आरक्षण मिला। भाजपा सरकार ने पिछड़े, दलितों के आरक्षण की लूट की है। भाजपा निजीकरण करके आरक्षण को समाप्त करने की साजिश कर रही है। युवा पीढ़ी के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है।

पार्टी के प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में विभिन्न जिलों से आये कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि सुविधा, सम्मान, आरक्षण और सामाजिक न्याय का राज समाजवादी पार्टी की सरकार में ही सम्भव है। उन्होंने कहा कि सपा की स्थापना का लक्ष्य ही तमाम तरह की विषमता को मिटाना है। भाजपा की आर्थिक नीतियों से विषमता बढ़ी थी। भाजपा ने अमीरी-गरीबी की खाई को बढ़ाकर आर्थिकी केंद्रीकृत किया। यह भ्रष्टाचार का तरीका है। भारत की आर्थिक ताकत कुछ हाथों में संग्रहित की जा रही है। महंगाई से आम जन तबाह है। देश के करोड़ों बेरोजगारों को कोई पूछने वाला नहीं है। भाजपा सरकार जनता के लिए नहीं बड़े उद्योगपति और पूंजीपतियों के हित में काम करती है।

भाजपा ने चंद पूंजीपतियों के लिए किसानों की किस्मत गिरवी रख दी है। भाजपा गरीबों, किसानों के लिए काम नहीं करती है बल्कि भाजपा गरीबों और किसानों की दुश्मन है। उन्होंने कहा कि 2027 के चुनाव में जीत सुनिश्चित करने के लिए पार्टी के सभी नेताओं की सामूहिक जिम्मेदारी है। सपा के कार्यकर्ता और बूथ प्रहरी सतर्क रहें। भाजपा अभी भी मतदाता सूची में हेराफेरी की साजिश कर सकती है। भाजपा राजनीति को गैंग बनाकर काम कर रही है। चौतरफा लूट मचा रखी है। लूट की पराकाष्ठा है। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं की भाषा व्यवहार ऐसा हो जिससे किसी को शिकायत का मौका न मिल सके।

सरकारी स्कूलों में पढ़ाई के साथ लिखी जा रही पोषण और उज्ज्वल भविष्य की नयी इबारत

सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पीएम पोषण योजना से बदल रही उत्तर प्रदेश की तस्वीर

विशेष संवाददाता (vol)

- 1.42 लाख राजकीय, परिषदीय, सहायता प्राप्त व उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों को मिल रहा गर्म, ताजा और पौष्टिक भोजन
- 1.46 करोड़ बच्चों तक पहुंच रही पोषण की शक्ति, शिक्षा और सामाजिक समरसता का मजबूत आधार बनी योजना

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में अब पढ़ाई के साथ-साथ पोषण, संस्कार और उज्ज्वल भविष्य की नई कहानी लिखी जा रही है। प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना (पीएम पोषण योजना) आज प्रदेश के करोड़ों बच्चों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम बन चुकी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यह योजना केवल 'मिड-डे मील' तक सीमित नहीं रही, बल्कि 'पोषण से राष्ट्र निर्माण' का व्यापक अभियान बन गई है।

प्रदेश के लगभग 1.42 लाख राजकीय, परिषदीय एवं सहायता प्राप्त प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत 1.46 करोड़ से अधिक बच्चों को प्रतिदिन गर्म, ताजा और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। यह व्यवस्था बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य, मानसिक विकास और नियमित विद्यालय उपस्थिति को सुनिश्चित कर रही है।

विद्यालयों में बढ़ी उपस्थिति, मजबूत हुआ भरोसा : पीएम पोषण योजना का सकारात्मक प्रभाव विद्यालयों में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। योजना के प्रभाव से नामांकन और उपस्थिति में निरंतर सुधार हुआ है। ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए यह योजना बच्चों की शिक्षा को निरंतर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

सामाजिक समरसता और समानता का संदेश : विद्यालयों में एक साथ बैठकर भोजन करने की व्यवस्था सामाजिक समरसता और समानता का भी सशक्त संदेश दे रही है। विभिन्न वर्गों और समुदायों के बच्चे एक साथ भोजन कर 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावना को मजबूत कर रहे हैं।

3.53 लाख रसोइयां बनीं पोषण प्रहरी : प्रदेश में पीएम पोषण योजना के सफल संचालन में 3.53 लाख से अधिक रसोइयों की महत्वपूर्ण भूमिका है। ये रसोइयां प्रतिदिन स्वच्छ, गुणवत्तापूर्ण और पौष्टिक भोजन तैयार कर बच्चों के स्वास्थ्य की मजबूत आधारशिला रख रही हैं।

रसोइयों के सम्मान और सामाजिक सुरक्षा को प्राथमिकता : योगी सरकार ने रसोइयों के सम्मान और सामाजिक सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित मानदेय के अतिरिक्त 1000 रुपये अतिरिक्त मानदेय उपलब्ध कराया है। साथ ही, परिधान मद में 500 रुपये प्रति रसोइया की सहायता भी दी जा रही है। इसके अतिरिक्त, प्रदेश की 93 प्रतिशत से अधिक रसोइयों को आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना से जोड़ा जा चुका है, जिससे उन्हें और उनके परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा का लाभ मिल रहा है।

गुणवत्ता और स्वच्छता पर विशेष जोर : प्रदेश सरकार द्वारा पीएम पोषण योजना में गुणवत्ता और स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। भोजन की नियमित मॉनिटरिंग के साथ-साथ रसोइयों को प्रशिक्षण भी प्रदान किया जा रहा है। स्वच्छ भोजन निर्माण, पोषण संतुलन और खाद्य सुरक्षा मानकों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है।

रसोई से मंच तक पहुंची प्रतिभा : योगी प्रदेश सरकार रसोइयों को भोजन तैयार करने वाली कार्यकर्ता से आगे बढ़कर 'पोषण प्रहरी' के रूप में पहचान दे रही है। इसी उद्देश्य से विभिन्न जनपदों में ह्यरसोइया पाक-कला प्रतियोगिताओंह्ण का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें प्रथम पुरस्कार 3500 रुपये, द्वितीय पुरस्कार 2500 रुपये एवं तृतीय पुरस्कार 1500 रुपये के अलावा प्रतिभाग करने वाली सभी रसोइयों को सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। वाराणसी में आयोजित पाक-कला प्रतियोगिता में रसोइयों ने स्वाद, स्वच्छता और पौष्टिकता के उत्कृष्ट समन्वय का प्रदर्शन किया। विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित कर सरकार ने यह संदेश दिया कि बच्चों के भविष्य को संवारने वालों का सम्मान सर्वोपरि है।

पोषण से विकसित उत्तर प्रदेश का मजबूत संकल्प : पीएम पोषण योजना आज उत्तर प्रदेश में शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक परिवर्तन का प्रभावी मॉडल बन चुकी है। यह योजना बच्चों को बेहतर पोषण, नियमित शिक्षा और सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश के प्रत्येक बच्चे तक बेहतर पोषण, प्रत्येक विद्यालय तक गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं और प्रत्येक परिवार तक शिक्षा व्यवस्था के प्रति विश्वास को मजबूत किया जाए। इसी उद्देश्य के अंतर्गत विद्यालयों में पोषण, गुणवत्ता और आधुनिक संसाधनों को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है। आज विद्यालयों की थालियों में परोसा जा रहा भोजन केवल अन्न नहीं, बल्कि विकसित भारत और विकसित उत्तर प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य का मजबूत संकल्प बन चुका है।

पिछले साल के मुकाबले कम सड़क हादसे, मृतकों की संख्या घटी

इस अवधि में सड़क दुर्घटनाओं में 21 और मृत्यु में 22 प्रतिशत की कमी की गई दर्ज

विशेष संवाददाता (vol)

> परिवहन विभाग सड़क सुरक्षा को लेकर आम नागरिकों को निरंतर जागरूक कर रहा है। सड़क दुर्घटनाओं को न्यूनतम करने की दिशा में संबंधित विभागों के साथ ठोस कदम भी उठाए जा रहे हैं। आम नागरिकों से भी निवेदन है कि हेलमेट, सीट बेल्ट व यातायात के नियमों का पालन करें। सड़क सुरक्षा, स्कूली वाहनों के फिटनेस आदि को लेकर जल्द ही फिर से अभियान प्रारंभ किया जाएगा।

लखनऊ। सड़क सुरक्षा को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बेहद संजीदा हैं। हादसों को न्यूनतम करने की दिशा में वे समय-समय पर संबंधित विभागों की समीक्षा, सकारात्मक प्रयास, जागरूकता आदि पर जोर देते हैं। लिहाजा, सड़क सुरक्षा को लेकर योगी सरकार के प्रयास रंग ला रहे हैं। ई-डीएआर पोर्टल के मुताबिक, वर्ष 2025 की जनवरी से अप्रैल की समयावधि की अपेक्षा जनवरी 2026 से अप्रैल 2026 के बीच दुर्घटनाओं और इससे होने वाली मृत्यु में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। इस अवधि में पिछले वर्ष की तुलना में 3669 (21 प्रतिशत) दुर्घटनाएं कम हुई हैं, जबकि मृतकों की संख्या में भी 2212 (22 प्रतिशत) की कमी दर्शाई गई है। सीएम के निर्देश के उपरांत सड़क सुरक्षा जागरूकता के लिए लगभग 2000 स्थानों पर होर्डिंग लगाई गई और प्रचार-प्रसार के जरिए परिवहन विभाग आमजन को निरंतर जागरूक भी कर रहा है।

सीएम योगी के निर्देश पर परिवहन निगम के चालकों की निरंतर स्वास्थ्य/नेत्र जांच की जा रही है। हर छमाही चेकअप किया जा रहा है। अप्रैल 2026 तक 18,975 वाहन चालकों का स्वास्थ्य परीक्षा किया जा चुका है। शेष 2560 चालकों की जांच भी चल रही है। सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत यूपीएसआरटीसी की बसों पर रेट्रो रिफ्लेक्टर टेप लगाया जा चुका है। ब्रेथ एनालाइजर परीक्षण अनिवार्य किया गया है। वहीं 300 किमी. से अधिक यात्रा वाली बसों में दो चालक की ड्यूटी भी अनिवार्य की गई है। सड़क सुरक्षा को लेकर परिवहन विभाग/निगम काफी संजीदगी से प्रयासों को धरातल पर उतार रहा है। सड़क दुर्घटनाओं में जनहानि को न्यूतनम करने के उद्देश्य से केंद्रीय सड़क, परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश के 20 जनपदों के 242 क्रिटिकल थानों को जीरो फैटेलिटी योजना के लिए चिह्नित किया गया था। यातायात निदेशालय के मुताबिक इस योजना के क्रियान्वयन के उपरांत 4 महीने में 566 व्यक्तियों की जान बचाई जा चुकी है। उत्तर प्रदेश के सभी 75 जनपदों के 487 क्रिटिकल पुलिस थानों पर यह योजना लागू की गई है। इन 487 क्रिटिकल थानों में 573 क्रिटिकल कॉरिडोर टीम गठित की गई है। हर टीम में एक उपनिरीक्षक व 4 मुख्य आरक्षी/ आरक्षी (2865 पुलिसकर्मी) नियुक्त हैं, जो जीरो फैटेलिटी को सुनिश्चित करने के लिए कार्य कर रहे हैं।

पहली जनवरी 2026 से 15 मई 2026 के बीच सभी 18 मंडलों मे होल्डिंग एरिया भी चिह्नित व नोटिफाइड किए गए। मंडलों में 656 होल्डिंग एरिया चिह्नित किए गए, इसमें से 630 को नोटिफाइड भी किया गया। आगरा मंडल में सर्वाधिक 121, बरेली में 103, मुरादाबाद में 75, आजमगढ़ में 62 होल्डिंग एरिया चिह्नित/नोटिफाइड किए गए हैं।

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में निवेश से बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र किसानों, उद्यमियों एवं युवाओं के लिए अपार संभावनाओं वाला क्षेत्र है। यह सेक्टर न केवल किसानों की आय बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगा, बल्कि बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन का माध्यम भी बनेगा। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

उप मुख्यमंत्री ने उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के अंतर्गत उपलब्ध सुविधाओं, अनुदानों एवं प्रोत्साहनों के संबंध में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाए, ताकि अधिक से अधिक उद्यमी इस क्षेत्र में निवेश के लिए आगे आएं। उन्होंने कहा कि उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा देकर किसानों के उत्पादों को बेहतर मूल्य दिलाना सरकार की प्राथमिकता है।

इसी क्रम में अपर मुख्य सचिव, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग बीएल मीणा की अध्यक्षता में शुक्रवार को खाद्य प्रसंस्करण निदेशालय में उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के अंतर्गत गठित अप्रेजल समिति की बैठक ऑनलाइन माध्यम से आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न निवेशकों ने अपने प्रस्तावों का प्रस्तुतीकरण किया तथा विभागीय अधिकारियों एवं तकनीकी विशेषज्ञों ने प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा की।

बैठक में अवगत कराया गया कि ऑनलाइन पोर्टल पर प्राप्त 06 नवीन प्रस्तावों को अप्रेजल समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। परीक्षण के बाद एक प्रस्ताव को अपूर्ण पाए जाने के कारण निरस्त कर दिया गया, जबकि 05 प्रस्तावों को आवश्यक शर्तों के साथ राज्य स्तरीय एम्पावर्ड कमेटी (एसएलईसी) के समक्ष प्रस्तुत किए जाने की संस्तुति की गई।

समिति द्वारा जिन परियोजनाओं को संस्तुति किया गया, उनमें कानपुर देहात में काबोर्नेट वाइन निर्माण इकाई, मुजफ्फरनगर में ऑर्गेनिक जैगरी क्यूब्स एवं ब्राउन/व्हाइट शुगर इकाई, एटा में चिकोरी प्रसंस्करण इकाई, बाराबंकी में फ्रोजन फूड्स एवं वेजिटेबल प्रसंस्करण इकाई और हाथरस में कुट्टू एवं सौंफ प्रसंस्करण इकाई की स्थापना से संबंधित प्रस्ताव शामिल हैं।

बैठक में यह भी निर्देशित किया गया कि संबंधित इकाइयां स्थानीय कृषकों से प्राथमिकता के आधार पर कच्चे माल की खरीद सुनिश्चित करें। साथ ही, निवेशकों को फायर सेफ्टी, प्रदूषण नियंत्रण एवं अन्य आवश्यक तकनीकी अनापत्तियां सक्षम प्राधिकारी से प्राप्त करनी होंगी। अपर मुख्य सचिव बीएल मीणा ने कहा कि प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना से कृषि आधारित उद्योगों को गति मिलेगी, किसानों की आय में वृद्धि होगी तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। बैठक में विभागीय अधिकारियों एवं तकनीकी विशेषज्ञों ने प्रतिभाग किया।

110 करोड़ से बनेगी 13 मंजिला बिल्डिंग

कैलाशकुंज कॉम्पलेक्स को री-डेवलपमेंट का मॉडल बनायेगा एलडीए

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण अपने 04 दशक पुराने कैलाशकुंज व्यावसायिक कॉम्पलेक्स को री-डेवलपमेंट का मॉडल बनाएगा। पुराने भवन को तोड़कर वहां 13 मंजिला आलीशान बिल्डिंग बनायी जाएगी। जिसमें नीचे व्यावसायिक दुकानें और ऊपर प्रीमियम फ्लैट्स होंगे। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने अधिकारियों के साथ बैठक करके री-डेवलपमेंट के प्रस्ताव को अंतिम रूप देने के निर्देश दिये हैं।

लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि अयोध्या राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित कैलाशकुंज कॉम्पलेक्स 40 साल पुराना है।6046 वर्गमीटर क्षेत्रफल के भूखण्ड पर निर्मित इस कॉम्पलेक्स में लगभग 280 दुकानें हैं। हाल ही में कॉम्पलेक्स का सर्वे कराया गया, जिसमें पाया गया कि बिल्डिंग जगह-जगह से जर्जर हो गयी है और

- **नीचे व्यावसायिक दुकानें, ऊपर प्रीमियम फ्लैट्स होंगे**

अधिकांश दुकानें बंद पड़ी हैं। वहीं, कुछ दुकानों, कॉमन एरिया व पार्किंग स्पेस में अनाधिकृत कब्जा है। उपाध्यक्ष ने बताया कि यह कॉम्पलेक्स काफी प्राइम लोकेशन पर स्थित है। इसके बावजूद अव्यवस्थाओं के कारण यह उपयोगी साबित नहीं हो पा रहा है।इसे ध्यान में रखते हुए बिल्डिंग के री-डेवलपमेंट का प्रस्ताव तैयार कराया गया है। उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि पूर्व प्रस्ताव के तहत यह कार्य पी0पी0पी0 मोड पर कराया जाना था। लेकिन, अब प्राधिकरण स्वयं पुराने कॉम्पलेक्स के स्थान पर नयी और आधुनिक सुविधाओं से लैस बिल्डिंग बनाकर री-डेवलपमेंट का मॉडल सेट करेगा। लगभग 110 करोड़ रुपए की लागत से 45 मीटर ऊंची 13 मंजिला बिल्डिंग बनायी जाएगी। जिसके भूतल, प्रथम तल एवं द्वितीय तल पर दुकानें व ऑफिस स्पेस रहेगा। वहीं, बाकी के तलों पर 03 बीएचके फ्लैट निर्मित किये जाएंगे।

पुराने आवंटियों को मिलेगा सवा गुना क्षेत्र : उपाध्यक्ष ने बताया कि कैलाशकुंज कॉम्पलेक्स के आवंटियों से वार्ता करके री-डेवलपमेंट के लिए सहमति जुटायी जा रही है। उन्होंने बताया कि नयी बिल्डिंग बनने पर पुराने आवंटियों को सवा गुना एरिया मिलेगा। जिस आवंटी की 100 वर्गफिट की दुकान होगी, उसे नयी बिल्डिंग में 125 वर्गफिट क्षेत्रफल की दुकान दी जाएगी।

अलीगंज और गोमती नगर में भी री-डेवलपमेंट : अलीगंज के सेक्टर-जी स्थित व्यावसायिक कॉम्पलेक्स के री-डेवलपमेंट का भी प्रस्ताव तैयार कराया जा रहा है।11,000 वर्गमीटर क्षेत्रफल में निर्मित इस पुराने कॉम्पलेक्स में लगभग 100 दुकानें बनी हैं। री-डेवलपमेंट के तहत यहां 14 मंजिला बिल्डिंग बनायी जाएगी, जिसमें 250 दुकानें और 03 बीएचके श्रेणी के 72 फ्लैट बनाये जाएंगे। इसी तरह गोमती नगर स्थित उजाला कॉम्पलेक्स के री-डेवलपमेंट की भी योजना बनायी जा रही है।

बच्चों की सुरक्षा में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : कमिश्नर

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में महिला कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित राजकीय एवं स्वैच्छिक संस्थाओं की मण्डलीय समीक्षा बैठक आयुक्त सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में महिला कल्याण विभाग के अधिकारियों, जिला प्रोबेशन अधिकारियों तथा विभिन्न संस्थाओं के संस्थाध्यक्षों ने भाग लिया।

बैठक के दौरान मण्डलायुक्त ने संस्थाओं में आवासित बच्चों की सुरक्षा, देखरेख, शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, मनोरंजन एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की गहन समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रत्येक संस्था में बच्चों के लिए सुरक्षित, संवेदनशील और सकारात्मक वातावरण सुनिश्चित किया जाए, जिससे उनके सर्वांगीण विकास में सहायता मिल सके।

मण्डलायुक्त ने किशोर न्याय अधिनियम एवं शासन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुपालन की संस्थावार समीक्षा करते हुए कहा कि किसी भी संस्था में मानकों की अनदेखी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि किसी प्रकार की कठिनाई अथवा संसाधनों की आवश्यकता हो तो उसे तत्काल विभागीय स्तर पर संज्ञान में लाया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि संस्थाओं में रह रहे बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के साथ-साथ उन्हें व्यावसायिक एवं कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों से भी जोड़ा जाए, ताकि वे भविष्य में आत्मनिर्भर बन सकें। इसके अलावा बच्चों के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया। बैठक में मण्डलायुक्त ने प्रत्येक बच्चे की मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग और व्यक्तिगत प्रोफाइलिंग कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों की रुचि, क्षमता एवं मानसिक स्थिति के अनुरूप उन्हें शैक्षिक, तकनीकी और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ा जाए।

संस्थाओं में उपलब्ध सुविधाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए थर्ड पार्टी निरीक्षण कराने के भी निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र एजेंसियों के माध्यम से समय-समय पर निरीक्षण कराया जाए, जिससे व्यवस्थाओं का निष्पक्ष मूल्यांकन हो सके। मण्डलायुक्त ने बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं और विभिन्न क्लबों की सहभागिता सुनिश्चित करने पर बल दिया। साथ ही बच्चों के मानसिक एवं सामाजिक विकास के लिए एक्सपोजर विजिट, शैक्षिक भ्रमण, सांस्कृतिक कार्यक्रम और खेलकूद गतिविधियां आयोजित कराने के निर्देश भी दिए।

उन्होंने कहा कि संस्थाओं में आवासित प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित, सम्मानजनक और पारिवारिक वातावरण उपलब्ध कराना शासन एवं समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है तथा इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

विद्यार्थी ज्ञान मंथन प्रतियोगिताओं में सेंट जोसेफ की सीतापुर रोड शाखा ने मारी बाजी

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। सेंट जोसेफ समूह की सभी शाखाओं के विद्यार्थियों के लिए ज्ञान मंथन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। स्व. ज्ञान चन्द्र अग्रवाल की स्मृति में आयोजित किये जाने वाले दो दिवसीय ज्ञान मंथन का आयोजन सेंट जोसेफ विद्यालय समूह की रूचिखण्ड शाखा में हुआ, जिसमें सभी शाखाओं के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

विद्यार्थी ज्ञान मंथन में विद्यार्थियों के लिए विभिन्न साहित्यिक प्रतियोंगिताओं हिन्दी काव्य पाठ, अंग्रजी काव्य पाठ, जस्ट ए मिनट, डिबेट, पिक्चर कंपोजीशन, आर्ट एंड क्राफ्ट, क्विज, स्पिन द वर्डस, ड्रामा आदि के आयोजन किये गये। ज्ञान मंथन की प्रतियोगितायें प्राइमरी, जूनियर तथा सीनियर वर्गों के विद्यार्थियों के लिए आयोजित की गयी। इसका आयोजन आगामी 25 तथा 26 मई को रूचि खण्ड शाखा में किया गया, जिसमें सभी गुरूजन रस्साकसी, कैरम, शतरंज जैसी अन्य खेलकूद प्रतियोगिताओं में भी अपना दम-खम दिखायेगें।

विद्यार्थी ज्ञान मंथन की प्रतियोगिताओं में पहले दिन से ही सीतापुर रोड शाखा के विद्यार्थियों अपना दबदबा बनाये रखा और अंत तक इस बढ़त को कायम रखा। इस अवसर पर सेंट जोसेफ समूह के प्रबन्ध निदेशक अनिल अग्रवाल ने बताया कि ज्ञान मंथन का उद्देश्य बच्चों व क्षिक्षको में स्वस्थ्य प्रतिस्पर्धात्मक भावना का विकास

करना है। इसमें विद्यालय समूह की सभी शाखाओं के प्रत्येक सदस्य को अपनी अभिरूचि के अनुसार किसी न किसी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करना अनिवार्य होता है। जिन प्रतियोगिताओं के लिए वे अपने विद्यार्थियों को तैयार करते हैं, उन्ही प्रतियोगिताओं में उनको भी अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करना होता है।

सेंट जोसेफ विद्यालय समूह की संस्थापक अध्यक्ष डा. पुष्पलता अग्रवाल ने ज्ञान मंथन में शामिल सभी प्रतिभागियों को अपना आशीर्वाद प्रदान करते हुए ज्ञान मंथन प्रतियोगिताओं के सफल संयोजन पर नवनियुक्त संयुक्त निदेशक सृजन अग्रवाल को शुभकामनायें प्रदान की।

जनगणना ड्यूटी से अनुपस्थित कर्मचारियों पर कार्रवाई

लखनऊ। जनगणना 2027 के मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों और अधिकारियों के खिलाफ नगर निगम प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। प्रशिक्षण प्राप्त करने और आवश्यक सामग्री मिलने के बावजूद बड़ी संख्या में कर्मचारी जनगणना कार्य में शामिल नहीं हो रहे हैं, जिससे समयबद्ध तरीके से जनगणना कराने में बाधा उत्पन्न हो रही है।

नगर निगम के विभिन्न जोनों में कुल 540 कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की संस्तुति की गई है। इन कर्मचारियों पर जनगणना जैसे महत्वपूर्ण कार्य में लापरवाही और अनुपस्थित रहने का आरोप है। इसमें बेसिक शिक्षा विभाग, पीडब्ल्यूडी, सिंचाई विभाग, बाल विकास पुष्टाहार विभाग, पंचायत विभाग, सीएमओ कार्यालय समेत अन्य विभागों के कर्मचारी शामिल हैं। नगर निगम की ओर से ऐसे कर्मचारियों की सूची संबंधित थानों को भेजते हुए वैधानिक कार्रवाई और एफआईआर दर्ज करने का अनुरोध किया गया है।

जोन-1 में 69 कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की संस्तुति : नगर निगम जोन-1 की ओर से जारी पत्र में बताया गया कि जनगणना 2027 के लिए विभिन्न विभागों के कर्मचारियों की ड्यूटी प्रगणक और पर्यवेक्षक के रूप में लगाई गई थी। सभी कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने के साथ किट और स्टेशनरी भी उपलब्ध करा दी गई थी, लेकिन 69 कर्मचारी कार्य में शामिल नहीं हुए। इसके बाद ऐसे कर्मचारियों की सूची थाना हजरतगंज को भेजते हुए एफआईआर दर्ज करवाने के लिए तहरीर दी गई है।

जोन-7 में स्टेशनरी लेने तक नहीं पहुंचे कर्मचारी : जोन-7 इंदिरानगर कार्यालय की ओर से जारी पत्र में कहा गया कि 62 कर्मचारी स्टेशनरी और नियुक्ति सामग्री लेने तक नहीं पहुंचे। कई कर्मचारियों के मोबाइल फोन बंद मिले या नंबर गलत पाए गए। अधिकारियों ने इसे सरकारी कार्यों के प्रति गंभीर लापरवाही बताया है। ऐसे कर्मचारियों की सूची थाना गाजीपुर को भेजते हुए एफआईआर दर्ज करवाने के लिए तहरीर दी गई है।

जोन-3 और जोन-6 में एफआईआर की तैयारी : नगर निगम के जोन-3 और जोन-6 में भी बड़ी संख्या में कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए। जोन-3 में 244 कर्मचारियों के खिलाफ थाना अलीगंज में तथा जोन-6 में 165 कर्मचारियों के खिलाफ थाना ठाकुरगंज में सूची सहित कार्रवाई के लिए तहरीर भेजा गया है। संबंधित थानों से जनगणना अधिनियम 1948 की धारा-11 के तहत थाना अलीगंज व थाना ठाकुरगंज में एफआईआर दर्ज करने के लिए तहरीर दी गई है।

जनगणना अधिनियम में सजा का प्रावधान : अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जनगणना अधिनियम 1948 की धारा 4, 5 और 11 के तहत नियुक्त कर्मचारी लोक सेवक माने जाते हैं और जनगणना कार्य में सहयोग करना उनका कानूनी दायित्व है। यदि कोई कर्मचारी इस कार्य से इंकार करता है या लापरवाही बरतता है तो उसके खिलाफ एक हजार रुपये तक जुमार्ना और दोष सिद्ध होने पर तीन वर्ष तक की सजा का प्रावधान है। नगर निगम प्रशासन ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि अनुपस्थित कर्मचारियों को तत्काल जनगणना कार्य में शामिल कराया जाए।

चार सिजेरियन डिलीवरी में सफलता

लखनऊ। आलमबाग के चन्दरनगर स्थित 50 शैया संयुक्त चिकित्सालय में चिकित्सा सेवाओं का विस्तार हो रहा है। डाक्टरों की टीम ने 24 घंटे में चार सफल सिजेरियन प्रसव कराए। सभी जच्चा-बच्चा स्वस्थ हैं। डाक्टरों ने बताया कि दिन में तीन और देर रात एक जटिल ऑपरेशन कर प्रसव कराया। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा. आनंद त्रिपाठी ने बताया कि अस्पताल में हुए इन सफल ऑपरेशनों ने सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं पर लोगों का भरोसा और मजबूत किया है। आपरेशन के दौरान स्त्री रोग विशेषज्ञों, एनेस्थीसिया टीम और नर्सिंग स्टाफ ने पूरी सतर्कता और समर्पण के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाई। डा. आनंद के अनुसार अस्पताल में स्त्री रोग, बाल रोग, सर्जरी, ईएनटी, नेत्र, हड्डी एवं दंत रोग सहित विभिन्न विभागों की नियमित सेवाएं उपलब्ध हैं।

ठाकुरगंज अस्पताल में आईसीयू की शुरुआत जल्द

लखनऊ। ठाकुरगंज संयुक्त अस्पताल में गंभीर मरीजों को रेफर करने के बजाए इलाज मिलेगा। छह बेड का अत्याधुनिक आईसीयू तैयारी चल रही है। निर्माण अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है। अस्पताल प्रशासन की कोशिश है कि अगले माह जून में आईसीयू को क्रियाशील कर दिया जाए। अस्पताल की क्षमता करीब दो सौ बेड की है और इमरजेंसी में प्रतिदिन 25 से 30 मरीज भर्ती होते हैं, इनमें चार से पांच मरीज बेहद गंभीर हालत में पहुंचते हैं। ऐसे मरीजों को आईयूसी में भर्ती करने की जरूरत होती है लेकिन इस सुविधा के अभाव में मरीजों को रेफर किया जाता है। इसकी वजह से मरीजों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा. एसपी सिंह के अनुसार अस्पताल में राजधानी के अलावा आसपास के जिलों से भी मरीज इलाज कराने आते हैं।

बीएससी नर्सिंग की तरफ रुझान बढ़ा

लखनऊ। अटल बिहारी वाजपेई चिकित्सा विश्वविद्यालय की तरफ से आयोजित कॉमन नर्सिंग एंट्रेंस टेस्ट (सीनेट) 2026 में युवाओं का रुझान बढ़ा है। उत्तर प्रदेश में बीएससी नर्सिंग की करीब 14 हजार सीटों के लिए 148268 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। यानी एक सीट पर करीब 11 उम्मीदवारों ने दावेदारी की है। इनमें सरकारी और निजी दोनों कॉलेजों की सीटें शामिल हैं। सीनेट 2026 के आंकड़ों ने पिछले वर्षों के रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। वर्ष 2025 में जहां कुल 130929 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। वहीं इस बार यह संख्या बढ़कर 148268 पहुंच गई है। एक साल में कुल आवेदनों में 13.24 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति डा. अमित देवगन ने बताया कि छह जून को नर्सिंग कॉलेजों में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा सीनेट होगी। इसकी तैयारी संस्थान ने लगभग पूरी कर ली है। अभ्यर्थियों में सबसे अधिक उत्साह चार वर्षीय बीएससी नर्सिंग कोर्स को लेकर देखने को मिला है। कोविड महामारी के बाद हेल्थकेयर सेक्टर की अहमियत तेजी से बढ़ी है।

केजीएमयू में मरीजों को लिखी जा रही बाहर की दवाएं

लखनऊ। किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के कॉर्डियो थोरैसिक वैस्कुलर सर्जरी (सीटीवीएस) विभाग में मरीजों को बाजार की महंगी दवाएं लिखी जा रही हैं। गोरखपुर निवासी महिला मरीज को दिल की गंभीर बीमारी होने पर सीटीवीएस विभाग में भर्ती कराया गया। जांच के बाद ऑपरेशन की सलाह दी। आरोप हैं कि डाक्टर ने मरीज को करीब साढ़े आठ हजार रुपये की दवाएं बाहर से मंगाई। इसी तरह कई अन्य मरीजों को भी पर्चियां थमाकर बाजार से महंगी दवाएं मंगाई जा रही हैं। परिजनों ने बताया कि परिसर में सस्ती दवा के स्टोर हैं। इसके बावजूद निजी मेडिकल स्टोर दवा के लिए भेजा जा रहा है। केजीएमयू के प्रवक्ता डा. केके सिंह ने बताया कि मामले की जानकारी मिलने पर जांच कराई जाएगी। यदि नियमों के विपरीत बाहर की दवाएं लिखी गई हैं तो कार्रवाई की जाएगी।

नर्सों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण: डा. सोनिया नित्यानंद

लखनऊउ। अस्पताल में नर्सों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। मरीज की निगरानी कैसे करनी है। संक्रमण से बचाव में कौन सी सावधानियों का पालन करना है। इसकी सबसे बेहतर समझ नर्सिंग स्टाफ को होती है। यह जानकारी किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) कुलपति डा. सोनिया नित्यानंद ने शनिवार को केजीएमयू में सेफ केयर, सेफ केयर गिवर थीम पर आयोजित कन्टीन्यू नर्सिंग एजुकेशन (सीएनई) कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दी। द लाइफ सेवर नर्सिंग क्लब की तरफ से कार्यक्रम हुआ। केजीएमयू के चिकित्सा अधीक्षक डा. सुरेश कुमार ने कहा कि संक्रमण रोकना केवल डाक्टरों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि इसमें नर्सिंग स्टाफ की भूमिका सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण होती है। डीन पैरामेडिकल डॉ. केके सिंह ने कहा कि सुरक्षित स्वास्थ्य सेवाएं तभी संभव हैं, जब मरीजों के साथ-साथ स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा को भी प्राथमिकता दी जाए।

चार्टर्ड अकाउंटेंट्स कॉन्वोकेशन में सीए सम्मानित

लखनऊ। भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान की सेंट्रल इंडिया रीजनल काउंसिल की लखनऊ शाखा की ओर से शुक्रवार को ह्लकॉन्वोकेशनझ्रमई 2026ह्व का आयोजन किया गया। इस दौरान नव-योग्य चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सीए ज्ञान चंद्र मिश्रा, सीए अंकुर गोयल, सीए अश्वनी जायसवाल तथा सीए आशीष गुप्ता सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान वक्ताओं ने नव-योग्य चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को बधाई देते हुए कहा कि चार्टर्ड अकाउंटेंसी केवल एक पेशा नहीं, बल्कि नैतिकता, अनुशासन, विश्वास और जिम्मेदारी का प्रतीक है। उन्होंने युवा पेशेवरों से तकनीकी दक्षता बढ़ाने, निरंतर सीखते रहने और पेशेवर उत्कृष्टता बनाए रखने का आह्वान किया। वक्ताओं ने कहा कि सीए पेशा प्रतिभा, मेहनत और समर्पण के आधार पर आगे बढ़ने का समान अवसर देता है तथा देश की आर्थिक प्रगति और वित्तीय पारदर्शिता में अहम भूमिका निभाता है। लखनऊ शाखा के पदाधिकारियों ने कहा कि पहली बार शहर को कॉन्वोकेशन की मेजबानी का अवसर मिलना पूरे क्षेत्र के लिए गौरव की बात है। इसे शाखा की बढ़ती सक्रियता और संस्थागत मजबूती का प्रतीक बताया गया। समारोह में नव-योग्य चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए और उन्हें पेशे की गरिमा, नैतिक मूल्यों एवं पेशेवर आचरण बनाए रखने की शपथ दिलाई गई।

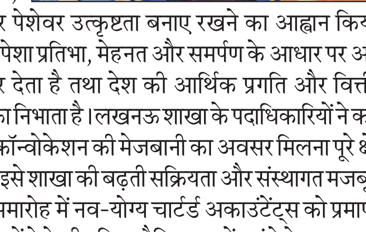

चुनावी तैयारी देखने उत्तरकाशी पहुंचे मुख्य निर्वाचन आयुक्त

प्रमुख संवाददाता

उत्तरकाशी। भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने अपने उत्तराखंड दौरे के दौरान सीमांत उत्तरकाशी में निर्वाचन संबंधी व्यवस्थाओं की समीक्षा की। दो दिवसीय कार्यक्रम के तहत उन्होंने भारत-चीन सीमा से लगे हर्षिल एवं गंगोत्री क्षेत्र का भ्रमण कर मतदान केंद्रों की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और निर्वाचन कार्यों में जुटे अधिकारियों व बूथ लेवल अधिकारियों से फीडबैक लिया।

हर्षिल में निरीक्षण के दौरान उन्होंने मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान, घर-घर सत्यापन प्रक्रिया तथा बीएलओ ऐप के माध्यम से संचालित कार्यों की जानकारी प्राप्त की। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि दूरस्थ और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों वाले क्षेत्रों में निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराना आयोग की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने निर्वाचन प्रक्रिया में लगे अधिकारियों और कर्मचारियों की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि उनकी

- **हर्षिल में मतदान व्यवस्थाओं का लिया जायजा, गंगोत्री धाम में मां गंगा के दर्शन कर की विशेष पूजा**

मेहनत लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत आधार प्रदान कर रही है।

उन्होंने बताया कि निर्वाचन आयोग मतदाता सूची को अधिक सटीक और पारदर्शी बनाने के लिए मृत, स्थानांतरित, अनुपस्थित और डुप्लीकेट मतदाताओं की पहचान कर सूची को अद्यतन करने का कार्य कर रहा है।

साथ ही नए पात्र नागरिकों को भी मतदाता सूची से जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। दौरे के दौरान मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने गंगोत्री क्षेत्र के विशेष मतदान केंद्र का भी दौरा किया, जहां साधु-संत और संन्यासी मतदाता के रूप में पंजीकृत हैं। उन्होंने संत समुदाय से मुलाकात कर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में उनकी भागीदारी की सराहना की और कहा कि यह भारत की विविधतापूर्ण लोकतांत्रिक परंपरा का अनूठा उदाहरण है।

हर्षिल में आयोजित समीक्षा बैठक में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान की प्रगति, तकनीकी व्यवस्थाओं और क्षेत्रीय चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक के दौरान राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बीवीआरसी पुरुषोत्तम ने निर्वाचन तैयारियों से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। इस अवसर पर प्रशासन, पुलिस और निर्वाचन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। अपने प्रवास के दौरान मुख्य निर्वाचन आयुक्त परिवार सहित गंगोत्री धाम पहुंचे, जहां उन्होंने मां गंगा की विधिवत पूजा-अर्चना कर देश में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। उत्तरकाशी आगमन पर झाला हेलीपैड में उनका स्वागत किया गया।

542 मेधावियों को डॉ. एसपी सिंह ने किया सम्मानित

लखनऊ। लखनऊ पब्लिक स्कूल्स एंड कॉलेजेज के तत्वावधान में शनिवार को श्री रामलाल मेमोरियल प्रेक्षागृह, गोमती नगर में मेधा सम्मान समारोह 2026 का आयोजन किया, जिसमें आईसीएसई, आईएससी, सीबीएसई एवं यूपी बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 542 मेधावी छात्र-छात्राओं एवं उनके अभिभावकों को संस्थापक चेयरमैन डॉ. एसपी सिंह (सांसद) द्वारा सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त आईएएस, पीसीएस व अन्य बड़े पदों पर आसीन 22 पूर्व छात्रों एवं उनके अभिभावकों को स्मृति चिन्ह और शॉल भेंट कर सम्मानित किया।

ए-ब्लॉक, राजाजीपुरम शाखा के आईसीएसई (कक्षा 10) के शिवम अवस्थी 99.8% अंकों के साथ देश में द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर 1.50 लाख रुपये का चेक, प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह, सहारा स्टेट्स शाखा के शवीर प्रकाश श्रीवास्तव को 99% अंक प्राप्त करने पर 50,000 रुपये का चेक, प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह, आईएससी (कक्षा 12) में ए-ब्लॉक, राजाजीपुरम शाखा की समृद्धि द्विवेदी (99.25%), इकरा आलम (99.25%) व जूही चौधरी (99%) को 50,000-50,000 रुपये के चेक, प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए।

एलपीएस सीतापुर के सीबीएसई (कक्षा 12) के श्रेयांश सिंह (99%) को जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर 50,000 रुपये का चेक, प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। बी ब्लॉक, राजाजीपुरम शाखा के यूपी बोर्ड (कक्षा 12) की आर्ची सिंह (93%) अंकों के साथ लखनऊ में द्वितीय स्थान, भैरवी मौर्या (92.4%) अंकों के साथ तृतीय स्थान तथा समीक्षा राजपूत (91%) अंकों के साथ पांचवां स्थान प्राप्त करने पर प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। इस अवसर पर पूर्व एमएलसी कांति सिंह, संस्था के प्रबंध निदेशक सुशील कुमार, महाप्रबंधक हर्षित सिंह, निदेशक नेहा सिंह, उप-निदेशक अनीता चौधरी, मीना टांगडी सहित समस्त शाखाओं के प्रधानाचार्य, शिक्षकगण, बड़ी संख्या में मीडिया प्रतिनिधि तथा अभिभावकगण उपस्थित रहे। अपने उद्बोधन में डॉ. एसपी सिंह ने कहा, लखनऊ पब्लिक स्कूल का ध्येय केवल शिक्षा प्रदान करना नहीं, अपितु राष्ट्र निर्माण के लिए प्रतिभाओं का सृजन करना है। हमारे विद्यार्थी आज वैश्विक स्तर पर संस्था का नाम रोशन कर रहे हैं, जो हम सभी के लिए अत्यंत गौरव का विषय है।

भीषण गर्मी से ओपीडी में सन बर्न के मरीजों की संख्या बढ़ी

बलरामपुर, सिविल, बीआरडी अस्पताल की ओपीडी का हाल

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। राजधानी में शनिवार को भी भीषण गर्मी का दौर जारी है। तेज धूप के साथ सुबह 10 बजे से ही लू चलने लगी। इसके चलते सरकारी अस्पतालों की ओपीडी में त्वचा संबंधी मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

वहीं अधिक पसीना निकलने के कारण भी त्वचा को नुकसान पहुंच रहा है। बलरामपुर अस्पताल की त्वचा रोग ओपीडी में प्रतिदिन दो सौ से अधिक रोगी पहुंच रहे हैं। डॉक्टर मरीजों को एहतियात बरतने की सलाह दे रहे हैं। त्वचा रोग विशेषज्ञ डा. एमएच उस्मानी ने बताया कि ओपीडी में आने वाले मरीजों में अधिकांश मरीज सनबर्न की शिकायत लेकर पहुंच रहे हैं। मेडिकल भाषा में इसे पोलिमॉर्फिक लाइट इरेक्शन (पीएलई) कहते हैं। गर्मी के कारण शरीर की त्वचा सूख रही है। सबसे अधिक परेशानी

गर्मी में बचाव के उपाय

- घर से निकलने से पहले सनस्क्रीन चेहरे, बांह, पैर, कान, गर्दन पीठ पर लगाएं।
- धूप में निकलने से पहले चेहरे को अच्छी तरह से ढंक लें।
- धूप का चश्मा और छज्जे वाली टोपी पहनें।
- पूरी बाजू के कपड़े पहनें।
- तरल पदार्थ का सेवन करें ताकि त्वचा की नमी बरकरार रहे।
- मौसमी फल और सब्जियां खाएं।

बच्चों और बुजुर्गों के साथ है। मरीजों को उपचार के साथ ही धूप से बचाव की सलाह दी जा रही है। उन्होंने बताया कि लोग सनबर्न से बचाव के लिए सनस्क्रीन क्रीम का इस्तेमाल तो करते हैं लेकिन इसके इस्तेमाल का सही तरीका पता न होने से दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। सनस्क्रीन क्रीम को बाहर निकलने से करीब 15 मिनट पहले लगाना चाहिए। इसका असर भी महज 4 से 5 घंटे तक रहता है। इसके बाद क्रीम को पूरी तरह से धुलकर दोबारा से लगाना चाहिए। इसके अलावा घर से निकलते समय छाता का उपयोग करें, महिलाएं दुपट्टा और युवा अंगोछा व कैप का इस्तेमाल करें ताकि धूप की किरणें एक दम त्वचा पर न पड़ें। इसी प्रकार सिविल अस्पताल की त्वचा रोग भी ओपीडी में सनबर्न और स्किन इंफेक्शन के मरीज बढ़ रहे हैं। तेज धूप का सीधा असर चेहरे, गर्दन और शरीर के नाजुक हिस्सों पर ज्यादा पड़ रहा है। ऐसे में धूप में निकलने से लोगों को सनबर्न और टैनिंग की समस्या हो रही है। अस्पताल के निदेशक डा. जीपी गुप्ता के अनुसार सबसे ज्यादा परेशान काम-काजी महिलाएं और पूरे दिन धूप में समय बीताने वाले लोग हैं। इससे बचने के लिए, जहां तक हो सके धूप के सीधे संपर्क में आने से बचें। महानगर स्थित भाऊराव देवरस अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डा. मनीष शुक्ला ने बताया कि बच्चों को सीधे धूप में लेकर न निकलें। ओपीडी में सर्न बर्न के मरीजों में कई बच्चे भी शामिल थे।

सनबर्न से नुकसान : सनबर्न होने से त्वचा रूखी नजर आने लगती है। त्वचा की सारी चमक फीकी पड़ जाती है। साथ ही स्किन में मौजूद नेचुरल ऑयल की कमी होने से स्किन डिहाइड्रेट हो जाता है। सूरज की हानिकारक अल्ट्रावायलेट किरणें स्किन को बहुत ज्यादा नुकसान पहुंचाती हैं। स्किन लाल नजर आने लगती है। इससे स्किन कैंसर का जोखिम भी बढ़ सकता है।

धूप में शरीर पर ध्यान दें : धूप से चेहरे की रंगत धीरे-धीरे बदलने लग जाती है और चेहरे पर थोड़ा सा भी बदलाव काफी गंदा दिखता है। ऐसे में खुद को सनबर्न या टैनिंग से बचाने के लिए ध्यान देने की जरूरत है।

डॉ. किरन लता डंगवाल बनीं एसपीओसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय आधिकारिक तौर पर आईआईटी मद्रास द्वारा स्वयं-एनपीटेल का लोकल चैप्टर बन गया है। इस पहल के माध्यम से छात्रों और शिक्षकों को स्वयं-एनपीटेल प्लेटफॉर्म के जरिए गुणवत्तापूर्ण ऑनलाइन कोर्स, सर्टिफिकेशन प्रोग्राम, एफडीपी और कौशल-आधारित सीखने के अवसर उपलब्ध होंगे। शिक्षा विभाग की डॉ. किरन लता डंगवाल को लखनऊ विश्वविद्यालय के स्वयं-एनपीटेल लोकल चैप्टर के लिए 'सिंगल पॉइंट ऑफ कॉन्टैक्ट' (एसपीओसी) नियुक्त किया गया है। एनपीटेल और विश्वविद्यालय के बीच सुचारू समन्वय और प्रभावी संचार सुनिश्चित करेंगी। लखनऊ विश्वविद्यालय, प्रौद्योगिकी-सक्षम शिक्षण पहलों के माध्यम से उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

सीएमएस समर कैम्प का रंगारंग समापन

लखनऊ। सीएमएस के कानपुर रोड कैम्पस के तत्वावधान में आयोजित समर कैम्प का समापन शनिवार को विद्यालय परिसर में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर प्रतिभागी छात्रों ने रंगारंग शिक्षात्मक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से न सिर्फ सीएमएस की अनूठी ब्राडर एण्ड बोल्डर शिक्षा पद्धति का जोरदार प्रदर्शन किया अपितु समर कैम्प के दौरान सीखी गई गायन, वादन, नृत्य, चित्रकला, ताइक्वाण्डो, योगा, सेल्फ-डिफेन्स, तैराकी, आर्ट एण्ड क्राफ्ट, वेस्टर्न म्यूजिक, ऐरोबिक्स, पेन्टिंग, कैलीग्राफी आदि विभिन्न विधाओं में अपनी बहुमुखी प्रतिभा के प्रदर्शन से अभिभावकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर छात्रों ने पेन्टिंग, चित्रकारी व आर्ट एण्ड क्राफ्ट के माध्यम से भारत की विविध संस्कृति का मनोहारी प्रदर्शन किया, तो वहीं दूसरी ओर भारतीय शास्त्रीय संगीत की सुमधुर प्रस्तुति से लखनऊ की गंगा-जमुनी तहजीब को शानदार ढंग से प्रदर्शित किया। विभिन्न वाद्ययंत्रों में छात्रों की तकनीकी कुशलता देखने लायक रही जबकि गायन प्रस्तुति में सुर-लय-ताल का अभूतपूर्व संगम देखने को मिला। समारोह में छात्रों ने साहित्व व संस्कृति का अनूठा संगम प्रदर्शित कर अभिभावकों का अभिभूत कर दिया और अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा, कलात्मक हुनर व रचनात्मक सोच से सभी को दांतो तले उंगलियां दबाने पर मजबूर कर दिया।

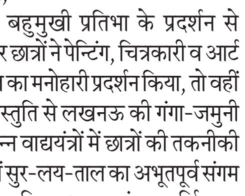

महत्वपूर्ण नंबर
वूमेन पावर लाइन 1090
पुलिस 100
2629999
पुलिस स्टेशन गंज 2622556

फायर स्टेशन
हजरतगंज- कंट्रोल रूम
9454418642
गोमती नगर-9454418657

एम्बुलेंस
मेडिकल सेवा- 102, 108

सड़क हादसों में महिला समेत तीन की मौत

काकोरी में महिला को बेकाबू कार,आगरा एक्सप्रेस वे पर ट्रैवलर ने अधेड़, माल थानाक्षेत्र में डाला ने ऑटो में मारी टक्कर

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। काकोरी में शनिवार तड़के वॉक पर दो सहेलियों संग निकली महिला को बेकाबू कार ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि महिला उछलकर 15 फुट दूर सड़क किनारे झाड़ियों में जाकर गिरीं। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में एक सहेली मामूली रूप से चोटिल हुई। इसी थाना क्षेत्र में आगरा एक्सप्रेस-वे टोल प्लाजा के पास बेकाबू ट्रैवलर की टक्कर से चाय विक्रेता की मौत हो गयी। पुलिस ने गाड़ी को कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी है। वहीं, दुबग्गा में बेकाबू डाला की टक्कर से ऑटो सवार युवक की मौत हो गयी, जबकि तीन लोग घायल हो गए।

काकोरी के गोला कुआं स्थित रोशन लॉन के पास रहने वाली साधना मौर्या (38) रोजाना की तरह शनिवार तड़के करीब साढ़े चार बजे सहेलियों गिरीशा मौर्या व गीता मौर्या के साथ वॉक पर निकली थीं। तीनों महिलाएं सड़क किनारे आगे-पीछे चल रही थीं। कुसमौरा मोड़ के पास पीछे से आयी सफेद कार ने गिरीशा के हाथ से लड़ते हुए साधना को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि साधना करीब 15 फीट दूर सड़क किनारे झाड़ियों में जा गिरीं। हादसे के बाद चालक कार लेकर भाग निकला।

सहेलियों ने मदद के लिए शोर मचाया तो आसपास के लोग दौड़े। जानकारी मिलते ही परिजन मौके। आनन-फानन में साधना को परिजन ने ऐरा अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिवार में पति आनंद उर्फ टिंकू मौर्या, बेटा लव और बेटी लवसिका हैं। इंस्पेक्टर सतीश चंद्र राठौर ने बताया कि मृतका के ससुर देवी दयाल की तहरीर पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

इसी थाना क्षेत्र के गहलवारा निवासी मोल्हे (40) आगरा एक्सप्रेस टोल प्लाजा के करीब आरआरआर होटल के पास चाय की दुकान लगाते थे। शनिवार सुबह वे हाथ में केतली लेकर चाय देने जा रहे थे। इसी दौरान बेकाबू ट्रैवलर ने मोल्हे को टक्कर मार दी। हादसे में उनकी मौत हो गयी। चीखपुकार के बीच चालक गाड़ी छोड़कर भाग निकला। इंस्पेक्टर सतीश चंद्र राठौर ने बताया कि हादसे के दौरान ट्रैवलर पर सवारियां थी। जो दूसरे वाहन से चली गयी। चालक की तलाश की जा रही है।

वहीं, माल के नवीपनाह गांव निवासी मोहम्मद कलीम (36) प्राइवेट नौकरी करता था। शनिवार सुबह ऑटो से जा रहा था। दुबग्गा स्थित छंदोईया चौराहा पेट्रोल पंप के पास बेकाबू डाला ने ऑटो में टक्कर मार दी। जिससे ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में ऑटो सवार कलीम, चालक जब्बार व दो अन्य लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची दुबग्गा पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए ट्रामा सेंटर भेजा। वहां उपचार के दौरान कलीम की मौत हो गयी। मृतक के परिवार में पत्नी सूफिया, बेटा जैन व बेटी अल्शिफा है। दुबग्गा इंस्पेक्टर श्रीकांत राय ने बताया कि पिता लड्डन ने अज्ञात पिकअप चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करायी है।

सड़क पर मिला शव, हत्या की आशंका: आशियाना क्षेत्र में वृद्ध का शव सड़क पर मिलने से सनसनी फैल गयी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। परिजन उनकी हत्या की आशंका जता रहे हैं। आशियाना थाना क्षेत्र के बंगला बाजार स्थित भदरुख क्षेत्र में एक व्यक्ति की हत्या कर शव फेंके जाने की सूचना प्राप्त होते ही थाना प्रभारी आशियाना पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। मौके पर एक व्यक्ति मृत अवस्था में पड़ा हुआ मिला। परिजनों से जानकारी करने पर मृतक की पहचान ओमप्रकाश (60) पुत्र स्व. गुरूप्रसाद निवासी भदरुख थाना आशियाना के रूप में हुई। प्रथम दृष्टया निरीक्षण में मृतक का पेट फूला हुआ प्रतीत हो रहा था और उसके मुंह से झाग निकल रहा था। घटना की सूचना पाकर सहायक पुलिस आयुक्त कैंट अभय कुमार मल्ल ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। मौके पर फॉरेंसिक टीम को मौके पर बुलाकर वैज्ञानिक साक्ष्य संकलन एवं घटनास्थल का गहन निरीक्षण कराया। शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

धर्म परिवर्तन कर जबरन निकाह मामले का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ। युवती को बंधक बनाकर दुष्कर्म करने, जबरन धर्म परिवर्तन और निकाह करने के मुख्य आरोपी अकरम अली उर्फ अनुकरम को इटौंजा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पीड़िता की मां की ओर से चार आरोपियों के खिलाफ एससीएसटी और अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

इटौंजा थाना प्रभारी सोबरन सिंह ने बताया कि बीकेटी निवासी पीड़िता की मां की ओर से किरन रावत, इश्तियाक, अकरम अली उर्फ अनुकरम अली, अज्ञात मौलाना के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। बीकेटी निवासी महिला का आरोप है कि उसकी बेटी को सीतापुर निवासी किरन अपने साथ ले गई थी। तहरीर के मुताबिक 26 मार्च को युवती को इलाज के बहाने सीतापुर रोड स्थित एक लॉन में ले जाया गया। वहां पर आरोपी इश्तियाक, अकरम अली उर्फ अनुकरम अली ने उसके साथ दुष्कर्म किया।

तीन ने फांसी का फंदा लगाकर की आत्महत्या

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। जानकीपुरम इलाके में शुक्रवार रात सब्जी विक्रेता ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मां खाने के लिए बुलाने गयी तो बेटे का शव कमरे में लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। छानबीन में पता चला कि बहन के घर आने की बात पर मां ने बेटे को डांट दिया था। इस बात से क्षुब्ध होकर उसने खुदकुशी कर ली।

मड़ियांव गांव निवासी मजदूर तिखनलाल का बड़ा बेटा शुभम (22) सब्जी का ठेला लगाता था। परिवार में मां आशादेवी, छोटा भाई अर्जुन और दो बहनें हैं। बहनोई सरोज ने बताया कि शुभम शुक्रवार को बहन के घर जाने की बात कह रहा था। इसपर मां आशादेवी ने उसे बहन के घर जाने से मना कर दिया था। इस बात से वह नाराज होकर कमरे में चला गया। रात में मां खाना खाने के लिए शुभम को बुलाने कमरे में गई तो वह पंखे में गमछे के सहारे फंदे से लटका मिला।

फिजियोथेरेपी छात्र ने दी जान : ठाकुरगंज थानाक्षेत्र के कैंपवेल रोड निवासी अफसार अली ठेकेदार हैं। परिवार में पत्नी रेशमा परवीन, दो बेटे हैं। बड़ा बेटा सूफियान घर के पास बेकरी चलता है। छोटा बेटा इब्राहिम (19) ऐरा मेडिकल कॉलेज से फिजियोथेरेपी का द्वितीय वर्ष का छात्र था। बड़े भाई सूफियान ने बताया कि शुक्रवार रात परिवारवालों ने खाना खाया और कमरे में सोने चले गया।

शनिवार सुबह जब इब्राहिम कमरे से बाहर नहीं आया तो मां उसे बुलाने गई। रेशमा ने कमरे के बाहर से बेटे को कई आवाजें दी, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। रेशमा ने खिड़की से देखा तो इब्राहिम पंखे से गमछे के सहारे लटका दिखा। परिजनों ने आनन-फानन में उसको फंदे से नीचे उतार कर अस्पताल ले गये जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

भारतीय केसरिया वाहिनी ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का मनाया जन्मदिन

लखनऊ। भारतीय केसरिया वाहिनी ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितीन नवीन का जन्मदिन राष्ट्रीय युवा स्वाभिमान दिवस के रूप में मनाया। कार्यक्रम में जेके सिन्हा पूर्व चीफ स्टेंडिंग कौंसिल ने केक काटकर उनके दीघार्यु की कामना की। इस मौके पर वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज कृष्ण ने कहा कि नितीन नबीन पूरे देश में युवाओं के प्रेरणाश्रोत है और आज इस महत्वपूर्ण अवसर पर पूरे देश देश में राष्ट्रीय युवा स्वाभिमान दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। इस मौके पर वाहिनी के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव हृदय कुमार स्वप्निल ने कहा कि उनके नेतृत्व में पूरे देश में भाजपा के प्रति युवाओं में बढ़ता रुझान उनकी स्पष्ट व त्वरित कार्यशैली का ज्वलंत उदाहरण है। जन्मदिन के अवसर पर में संजीव गुप्ता, राजेश कुमार जेना, प्रेम सिन्हा, अनिल सिंह व प्रदेश सचिव हिमांशु मिश्रा , अमित अग्रवाल , जे पी पांडे , संजय उपाध्याय, डॉ अनिल दीक्षित , अनिल गौतम ने अपने विचार व्यक्त किये।

यूपी में दो अपर पुलिस अधीक्षकों के तबादले

लखनऊ। यूपी में शनिवार को दो अपर पुलिस अधीक्षकों के तबादले हुए। राजेश कुमार सिंह कौशांबी से एडीजी जोन कार्यालय मेरठ बनाये गए, जबकि अमिता सिंह यूपी 112 से अपर पुलिस अधीक्षक जनपद कौशांबी बनाई गयीं।

कम्पोजिट शॉप से 60 पेटी शराब चोरी

लखनऊ। बीकेटी थाना क्षेत्र के चंद्रिका देवी रोड पर कंपोजिट अंग्रेजी शराब की दुकान में शुक्रवार देर रात बदमाशों ने धावा बोला। बदमाश दुकान के पीछे लगी ग्रिल तोड़कर अंदर घुसे और करीब 60 पेटी शराब चोरी कर ली। वारदात के दौरान बदमाशों ने दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों को क्षतिग्रस्त कर डीवीआर भी उखाड़ ले गए। शनिवार सुबह डॉयल-112 पर सूचना मिलते ही बीकेटी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने फॉरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल पर छानबीन की। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। भवानीपुर के पास मनीष कुमार जायसवाल के नाम से कंपोजिट अंग्रेजी शराब की दुकान पंजीकृत है।

रंजिश में युवक पर जानलेवा हमला

लखनऊ । दुबग्गा थाना क्षेत्र के शेखपुरवा निवासी मोहम्मद उमर ने पुलिस को बताया कि 20 मई की रात वह उन्नाव से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान उनके मोबाइल पर अयाज नामक युवक का फोन आया, जिसने उन्हें जोगर्स पार्क चौराहे पर जरूरी बात करने के बहाने बुलाया। रात करीब 10 बजे जब उमर बताए गए स्थान पर पहुंचे, तो वहां अयाज के साथ हैदर, सुफियान और दो-तीन अन्य अज्ञात युवकों ने डंडों और लोहे की रॉड से उन पर हमला कर दिया। इस मारपीट में उमर का बायां हाथ टूट गया। पीड़ित ने यह भी बताया कि हमलावरों ने उन्हें दुबग्गा छोड़ने की धमकी दी और जान से मारने की बात कहकर मौके से फरार हो गए।

शॉर्ट सर्किट से घर में लगी आग

लखनऊ । मड़ियांव थाना क्षेत्र के फैजुल्लागंज स्थित कन्हैया लाल के मकान में शॉर्ट सर्किट के कारण भीषण आग लग गई। यह घटना डूडोली रोड पर समता विद्यालय के पास फैजुल्लागंज सेकेंड में हुई। बताया जा रहा है कि आग मकान के ग्राउंड फ्लोर पर लगी थी। स्थानीय लोगों के अनुसार, घर के सामने लगे बिजली के तारों में शॉर्ट सर्किट होने से आग भड़की। इस अग्निकांड में घर का सामान जलकर खाक हो गया। हालांकि, किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पासपोर्ट में पति का नाम त्रुटिवश ताजुद्दीन (TAJUD DEEN) अंकित हो गया है, जबकि पति के आधार कार्ड संख्या 456621664801 के अनुसार उनका सही एवं पूर्ण नाम ताजुद्दीन (TAJUDDIN) है। भविष्य में मेरे पति का सही नाम ताजुद्दीन (TAJUDDIN) अंकित/संशोधित किया जाय। कमरून निशा पति ताजुद्दीन निवासी- मुंशीगंज रोड, महमूदपुर अमेठी, उत्तर प्रदेश, पिनकोड-227405

दो के खातों से उड़ाये 2.80 लाख

लखनऊ। साइबर जालसाजों ने दो युवकों के खातों से 2.80 लाख रुपये उड़ा लिए। कहीं जालसाज ने मोबाइल हैक कर ठगी की तो कहीं क्लोन बनाया। साइबर ठगी के यह मामले बाजारखाला और आशियाना के हैं। पुलिस दोनों मामलों को दर्ज कर साइबर क्राइम सेल की मदद से जांच कर रही है। ऐशबाग के मोतीझील कॉलोनी निवासी अमरेश सिंह चौहान का खाता ट्यूबी एप डाउनलोड करने के दौरान जालसाज ने दो बार में 1.80 लाख रुपये पार कर दिए।

लापता की तलाश सूचना

लापता युवक की तलाश

सूचित हो कि मेरा पुत्र दिनांक 4 मई 2026 को लखनऊ से उन्नाव आ रहा था। अजगैन पहुंचने पर मेरे पुत्र का फोन ऑफ हो गया। मेरे पुत्र मोहम्मद उजैर का हुलिया रंग गोरा, गोल चेहरा, मध्यम शरीर, नीले रंग की जींस पीला शर्ट पहने है। परिजनों द्वारा काफी खोजबीन के बाद भी अब तक कोई जानकारी नहीं मिल सकी है। यदि किसी व्यक्ति को इनके बारे में कोई भी जानकारी प्राप्त हो तो कृपया तुरंत मो 9151658166 पर संपर्क करें। नसरीन पत्नी मो. जुबैर निवासी 169/3 ए बी नगर उन्नाव।

एचआईवी संक्रमित महिला की मौत, जांच शुरू

- मरीज को निजी अस्पताल से पहले केजीएमयू लेकर गये थे परिजन

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। त्रिवेणी नगर स्थित एक निजी अस्पताल में एचआईवी संक्रमित महिला की मौत हुई। परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया है। स्वास्थ्य विभाग ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। अस्पताल प्रशासन से इलाज से जुड़े दस्तावेज मांगे गए हैं। इस संबंध में जांच कमेटी ने हास्पिटल प्रशासन से महिला के इलाज से जुड़े दस्तावेज तलब किए गए हैं। साथ ही एचआईवी संक्रमित के इलाज के प्रोटोकॉल की जांच भी शुरू कर दी है।

सीतापुर की रहने वाली 50 वर्षीय एचआईवी संक्रमित महिला को परिजन पहले केजीएमयू लेकर पहुंचे थे, जहां वहां मरीज को भर्ती नहीं किया। परिजन दलालों के झांसे में आ गए। मरीज को त्रिवेणीनगर के निजी अस्पताल में भर्ती करा दिया।

आरोप हैं कि अस्पताल प्रशासन ने बीमारी ठीक करने का भरोसा देकर लाखों रुपये लिए। परिजनों ने कई बार महिला को हायर सेंटर रेफर करने की गुहार लगाई थी लेकिन अस्पताल प्रशासन टालमटोल किया। डिप्टी सीएमओ डा. एपी सिंह के अनुसार एचआईवी मरीजों के इलाज के लिए अलग प्रोटोकॉल निर्धारित है। ऐसे मरीजों के लिए बेड रिजर्व रखने के साथ बायोमेडिकल वेस्ट निस्तारण की विशेष व्यवस्था भी अनिवार्य होती है। उन्होंने कहा कि इलाज में लापरवाही की पुष्टि होने पर कार्रवाई की जाएगी।

बिजली की मांग तीस हजार मेगावाट के पार

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अधिकतम बिजली मांग 30,475 मेगावाट तक पहुंच चुकी है। वहीं प्रदेश के अधिकांश जनपदों में भीषण बिजली संकट से हाहाकार मचा हुआ है। पूर्व वर्षों में भी प्रदेश में इससे अधिक बिजली मांग पूरी की जा चुकी है। इससे स्पष्ट होता है कि वर्तमान संकट के पीछे कहीं न कहीं गंभीर प्रशासनिक एवं प्रबंधन संबंधी खामियां हैं।

उपभोक्ता परिषद के अनुसार वर्ष 2025-26 में बिजली कंपनियों एवं पावर कॉरपोरेशन ने अधिकतम 31,486 मेगावाट की मांग पूरी की थी। वहीं वर्ष 2024-25 में 30,618 मेगावाट, वर्ष 2023-24 में 28,284 मेगावाट तथा वर्ष 2022-23 में 26,589 मेगावाट की अधिकतम मांग पूरी की गई थी। इसका अर्थ यह है कि प्रदेश में वर्तमान से अधिक बिजली मांग पहले भी पूरी हो चुकी है, फिर भी इस प्रकार का संकट नहीं उत्पन्न हुआ था।

उन्होंने कहा कि किसी भी सब-स्टेशन पर न्यूनतम 3 से लेकर 7-8 तक फीडर होते हैं।

भीषण गर्मी के दौरान यदि एक साथ दो या तीन फीडरों पर ब्रेकडाउन हो जाए, तो एक अकेली गैंग सभी स्थानों पर एक साथ पहुंचकर मरम्मत कार्य नहीं कर सकती। परिणामस्वरूप बिजली उपलब्ध होने के बावजूद उपभोक्ताओं तक कई-कई घंटे बिजली नहीं पहुंच पा रही है।

रात में लोड बढ़ने वाले इलाकों में होगी बिजली चोरी की जांच

लखनऊ। अब जिन फिडरों पर लोड ज्यादा मिलेगा वहा पर बिजली चोरी पकड़ी जायेगी। इससे जो सभी बिजली का उपयोग कर रहे है उन्हे समय से बिजली मिलेगी। इसके लिए पावर कार्पोरेशन के चेयरमैन आशीष गोयल ने शनिवार को समीक्षा बैठक के दौरान अभियंताओं को निर्देश दिए। डा. गोयल ने कहा कि संवेदनशील स्टेशनों पर अधिकारियों की तैनाती बढ़ाए। रिले की सेटिंग ठीक कराएं। इसमें टेस्ट डिवीजन के कार्मिक अभियान के रूप में लगें। ट्रांसमिशन के साथ बेहतर ताल मेल रखें। निदेशक वितरण इसकी समीक्षा करें। उन्होंने शनिवार को नोएडा, लखनऊ, गाजियाबाद, बुलंदशहर, बिजनौर, मेरठ, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, मुरादाबाद, रामपुर, मथुरा, फिरोजाबाद, झांसी, बरेली, उन्नाव, बनारस, अयोध्या, गोरखपुर, देवरिया तथा कानपुर (केस्को) के मुख्य अभियंताओं से बिजली आपूर्ति के बारे में जानकारी ली। निर्धारित शेड्यूल के मुताबिक बिजली आपूर्ति की जाए। उन्होंने लाइनों, उपकेंद्रों व ट्रांसफॉर्मरों की नियमित जांच के भी निर्देश दिए हैं। डा. गोयल ने कहा कि 1912 पर आने वाली शिकायतों की हर दिन समीक्षा हो। गर्मी और लू के मौसम में सामान्य शटडाउन न लिए जाएं। अधिकारी अपने-अपने कार्य क्षेत्र में मौजूद रहें।

वकील की शिकायत पर बिना अधिकार दर्ज किया केस

- डीएम व एडीएम पर 20-20 हजार का जुर्माना

विधि संवाददाता

लखनऊ। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर कार्रवाई करने पर जिलाधिकारी लखनऊ और एडीएम (न्यायिक) पर 20-20 हजार रुपये का व्यक्तिगत जुमार्ना लगाया है। कोर्ट ने कहा कि दोनों अधिकारियों ने बिना वैधानिक अधिकार के कार्यवाही कर याची को अनावश्यक परेशान किया।

न्यायमूर्ति पंकज भाटिया ने यह आदेश निवास कॉलोनाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड की ओर से दाखिल याचिका पर पारित किया। कोर्ट ने एडीएम (न्यायिक) द्वारा 10 मार्च 2026 को पारित उस आदेश को निरस्त कर दिया, जिसमें कंपनी को विवादित भूमि बेचने और निर्माण कार्य करने से रोक दिया गया था।

याचिका में कहा गया था कि एक अधिवक्ता आर पी सिंह , जिसका विवादित भूमि से कोई संबंध नहीं था, ने पहले कंपनी को कानूनी नोटिस भेजा और बाद में जिलाधिकारी के समक्ष शिकायत दाखिल कर दी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि भूमि का हस्तांतरण अवैध तरीके से हुआ है और उस पर निर्माण कार्य किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने शिकायत को सीधे दर्ज कर एडीएम (न्यायिक) को भेज दिया, जिन्होंने बिना प्रथमदृष्टया संतोष दर्ज किए अंतरिम आदेश पारित कर दिया।

कोर्ट ने कहा कि यूपी राजस्व संहिता की धारा 104 और 105 के तहत कार्यवाही केवल उपजिलाधिकारी (एसडीएम) द्वारा ही शुरू की जा सकती है। नियम 103 के अनुसार पहले लेखपाल की रिपोर्ट और फिर एसडीएम द्वारा पक्षकारों को नोटिस देकर सुनवाई आवश्यक है। लेकिन इस मामले में पूरी प्रक्रिया का उल्लंघन किया गया।

पीठ ने टिप्पणी की कि संबंधित अधिवक्ता ने अपने विधिक ज्ञान का दुरुपयोग करते हुए याची को डराने और ब्लैकमेल करने का प्रयास किया। कोर्ट ने कहा कि जिलाधिकारी ने बिना अधिकार क्षेत्र के मामला दर्ज किया जबकि एडीएम (न्यायिक) ने बिना विधिक संतोष और बिना आवेदन-मन के आदेश पारित कर दिया।

कोर्ट ने पूरी कार्यवाही और एडीएम (न्यायिक) का आदेश रद्द करते हुए निर्देश दिया कि जिलाधिकारी और एडीएम (न्यायिक) दोनों छह सप्ताह के भीतर अपने व्यक्तिगत खातों से 20-20 हजार रुपये की लागत अदा करें। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह राशि सरकारी कोष से नहीं दी जाएगी।

आत्महत्या के 20 दिन बाद पत्नी सलाखों के पीछे

लखनऊ। नगराम थाना क्षेत्र के अमेठिनपुरवा गांव में युवक द्वारा आत्महत्या किए जाने के चर्चित मामले में आखिरकार पुलिस ने नामजद आरोपी पत्नी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। आरोपी घटना के बाद से फरार चल रही थी और लगातार अपने ठिकाने बदलकर गिरफ्तारी से बचने का प्रयास कर रही थी। पुलिस अब मामले में नामजद अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

ज्ञात हो कि पुलिस की यह कार्रवाई पत्रकारों के बढ़ते दबाव और निगोहां प्रेस क्लब द्वारा दिए गए अल्टीमेटम के बाद तेज हुई। तीन दिन पूर्व निगोहां प्रेस क्लब के पदाधिकारियों और दर्जनों पत्रकारों ने एसीपी मोहनलालगंज को संबोधित ज्ञापन नगराम थाना प्रभारी विवेक कुमार चौधरी को सौंपकर शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की थी। पत्रकारों ने चेतावनी दी थी कि यदि तीन दिनों के भीतर आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो एसीपी कार्यालय के सामने धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

निलंबित जेई और निकाले गये संविदाकर्मी के भरोसे चलेगी बिजली

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। 'अब पछताये होत क्या जब चिडिया चुंग गयी खेत' इसका मातलब होता है कि समय निकल जाने के बाद पछताने से कोई लाभ नही होता है। जिन कर्मचारियों को निलंबित कर चेयरमैन के आदेश पर दूसरे डिस्काम भेजने का निर्देश था फिलहाल उसपर मौखिक रुप से रोक लगा दिया गया है। जिन अवर अभियंताओं को निलंबित कर दिया गया था और जिन संविदाकर्मियों को हटा दिया गया था उन्हे फिर से कार्य पर लगाने का निर्देश जारी कर दिया गया है।

इस आदेश से उन अभियंताओं को लाभ मिला है जो निलबित होकर मध्यांचल मुख्यालय से अटैच चल रहे थे। उन्हे भी कार्य पर लगा दिया गया है। मुख्य अभियंता ने सभी कर्मचारियों को निर्देश दिया है किसी भी हाल में उपभोक्ता को बिजली मिलना चाहिए। शनिवार को नादरगंज के औरंगाबाद खालसा और जागीर में सुबह कटी बिजली तो हंगामा होने लगा जिससे तत्काल बिजली दूसरे फीडर से चालू किया गया। फैजुल्लागंज के कई फीडरो पर तीन दिन से बिजली सप्लाई बंद होने से क्षेत्रिय जनता में आक्रोश बढ़ता ही जा रहा है।

उपकेन्द्र पर भारी तनाव को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस फोर्स को लगाना पड़ा। चिनहट के शिवपुरी में 100 केवीए का ट्रांसफार्मर फूंकने से कई घरो में अंधेरा हो गया लेकिन यहा नया ट्रांसफार्मर लगाकर दो घंण्टे बाद बिजली सप्लाई चालू किया गया। चिनहट के लौलाई में तार गर्म होकर एलटी लाईन पर गिर गया जिससे घण्टो बाद सही किया गया।

अंतर्राज्यीय गिरोह का भंडाफोड़, सास-दामाद सहित तीन गिरफ्तार

विशेष संवाददाता

लखनऊ। ई-रिक्शा व ऑटो में महिलाओं को निशाना बनाकर टप्पेबाजी करने वाले गोरखपुर के अंतरजनपदीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने गिरोह की सरगना सास व उसके दामाद समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से दो चेन, एक मंगलसूत्र, 12 हजार रुपये और वारदात में प्रयुक्त बोलेरो गाड़ी बरामद की है। पुलिस ने तीन घटनाओं का खुलासा किया है।

एडीसीपी साउथ रल्लापल्ली वसंथ कुमार ने बताया कि 20 मई को कृष्णा मिश्रा निवासी गौरी सरोजनीनगर से अवध चौराहे पर ऑटो में बैठी महिलाओं ने चेन पार कर दी थी। वहीं, उन्नाव के इंद्रानगर निवासी रामकुमारी ने 19 मई की रात लालाबाग से बाराविरवा चौराहा पहुंचीं। वहां से शांति नगर जाने के लिए ऑटो में बैठीं। आरोप है कि रास्ते में कुछ महिलाएं ऑटो में चढ़ी और बार-बार पैर कुचलने व धक्का-मुक्की करने लगी। कृष्णानगर मेट्रो स्टेशन के पास महिलाएं उतर गईं। शांति नगर पहुंचने पर उन्हें पता चला कि उनका मंगलसूत्र गायब है। वहीं, चिनहट के निजामपुर मल्हौर निवासी बबली भारती 24 अप्रैल को ज्वाला देवी मंदिर दर्शन के लिए निकली थीं। कृष्णानगर मेट्रो से ऑटो में बैठने के बाद कुछ महिलाएं उनके साथ बैठीं और सफर के दौरान बार-बार पैर कुचलने व धक्का देने लगीं। मंदिर के पास उतरने पर उन्हें अपनी चेन चोरी होने की जानकारी हुई।

लगातार वारदातें होने के चलते पुलिस की चार टीमें गठित की गयी। साथ ही एक टीम सादे कपड़ों में चौराहों व बाजार पर लगायी गयी। तीनों घटनाओं के मामलों में करीब 150 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले गए। फुटेज के आधार पर इंस्पेक्टर पीके सिंह व उनकी टीम ने शनिवार को डूडा कॉलोनी आशाराम बापू मार्ग से तीन आरोपियों को दबोच लिया।

पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम गीता देवी निवासी बंदुआरी उरवा गोरखपुर, बिंदु उर्फ चिंकी निवासी डवरपार भस्मा मौजा देवरिया बेलीपार गोरखपुर व उनका दामाद नरसिंह निवासी उनवल संग्रामपुर टेकवार खजनी गोरखपुर बताया।

एसीपी कृष्णानगर रजनीश वर्मा ने बताया कि गिरोह की सरगना बिंदु है। आरोपी अपने गिरोह के अन्य साथियों के साथ विभिन्न महानगरों के होटल में कमरा किराए पर लेकर या झुग्गी बनाकर रहते हैं। भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों व चौराहों पर अपना टारगेट तय करते हैं। आरोपी बिना नंबर प्लेट की बोलेरो से चलते हैं। एसीपी ने बताया कि गिरोह की महिलाएं बच्चों के साथ चौराहों पर खड़े होकर रेकी करती हैं। जैसे ही कोई सवारी ई-रिक्शा या ऑटो पर बैठती हैं तो सभी उसमें बैठने का प्रयास करते हैं। धक्का-मुक्की व पैर दबाने के दौरान जेवर व पर्स पार कर देते हैं। सरगना बिंदु के खिलाफ कानपुर नगर और कुशीनगर में भी मामले दर्ज हैं।

लविवि में वृहद रोजगार मेला

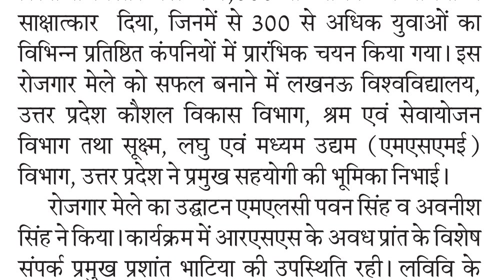

लखनऊ। जैन समाज की अंतर्राष्ट्रीय संस्था जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) के लखनऊ चैप्टर द्वारा लखनऊ विश्वविद्यालय में रोजगार मेले का आयोजन शनिवार को किया गया। देशभर में 200 से अधिक स्थानों पर आयोजित होने वाले जीतो के राष्ट्रव्यापी रोजगार अभियान के तहत लखनऊ में लगे इस मेले को युवाओं का अभूतपूर्व रिस्पॉन्स मिला। मेले में 1,000 से अधिक अभ्यर्थियों ने साक्षात्कार दिया, जिनमें से 300 से अधिक युवाओं का विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों में प्रारंभिक चयन किया गया। इस रोजगार मेले को सफल बनाने में लखनऊ विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश कौशल विकास विभाग, श्रम एवं सेवायोजन विभाग तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) विभाग, उत्तर प्रदेश ने प्रमुख सहयोगी की भूमिका निभाई।

रोजगार मेले का उद्घाटन एमएलसी पवन सिंह व अवनीश सिंह ने किया। कार्यक्रम में आरएसएस के अवध प्रांत के विशेष संपर्क प्रमुख प्रशांत भाटिया की उपस्थिति रही। लविवि के कुलपति प्रो. जेपी सैनी के निर्देशन में विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा जीतो को पूरा सहयोग प्रदान किया गया।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना
NER-LJN-2026-147, 148

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक/इंजीनियरिंग/पूर्वोत्तर रेलवे/ लखनऊ द्वारा निम्नालिखित कार्यो हेतु आनलाईन खुली ई-निविदायें आमंत्रित की जाती है जिसका विवरण नीचे निम्नवत् है-

क्र.सं.1. ई-निविदा संख्याः NER-LJN-2026-147, कार्य का नामः पूउरे-लजं डिवीजनः बढ़नी में नए क्रू लॉबी के निर्माण का कार्य। अनुमानित लागत ₹ 18649604.35, अग्रिम धनः ₹ 373000.00, समापन अवधिः 09 माह।

क्र.सं.2. ई-निविदा संख्याः NER-LJN-2026-148, कार्य का नामः पूउरे-लजं डिवीजनः वमंइं/मुख्यालय/लखनऊ के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत पीएससी स्लीपरों पर घिसे-पिटे एमसीआई इंसर्ट्स का पुनर्निर्माण। अनुमानित लागत ₹ 4837500.00 अग्रिम धनः ₹ 96800.00 समापन अवधिः 09 माह।

1. उपरोक्त ई-निविदा संख्याः NER-LJN-2026-147 & NER-LJN-2026-148 के लिये ई-निविदा दिनांक 03.07.2026 को 15.00 बजे तक अपलोड की जा सकती है तथा उसी दिन समय 15.00 बजे के बाद ई-निविदा खोली जायेंगी। 2. उपरोक्त ई-निविदा से संबंधित सभी सूचना, निम्नतम अर्हता, नियम एवं शर्तों का पूर्ण विवरण पूर्वोत्तर रेलवे के वेबसाइट **www.ireps.gov.in.** पर उपलब्ध है। निविदाकार ई-निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई-निविदा सूचना से संबंधित वेबसाइट पर उपलब्ध शुद्धि पत्र (यदि, कोई हो तो) को भी संज्ञान में लेना सुनिश्चित करें।

मंडल रेल प्रबंधक/इंजीनियरिंग,
मुजाधि/डब्लू-120 **लखनऊ**

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापित यात्रा न करें।

ज्येष्ठ माह के तीसरे शनिवार को शहर में जगह-जगह लगे भंडारे

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। ज्येष्ठ माह के तीसरे शनिवार पर भी राजधानी के हनुमान मंदिरों में भक्तों की भीड़ दिखायी दी। सुबह से लगी कतारें देर शाम तक लगी रहीं। इस मौके पर शहर में कई जगह भंडारे भी लगाये गये। अलीगंज के नए पुराने हनुमान मंदिर और हनुमान सेतु मंदिरों घंटों श्रद्धालु लाइन में लगे रहे। हालांकि नए हनुमान मंदिर में दोपहर बाद श्रद्धालुओं की भीड़ नजर आई और देर रात तक लगी रही। हनुमान सेतु मंदिर का मुख्य द्वार पर कतारें लगी रहीं। डंडइया स्थित गुलाचीन पंचमुखी हनुमान मंदिर, चौक स्थित छांछीकुंआं मंदिर, हजरतगंज केदक्षिणेश्वर हनुमान मंदिर, सीतापुर रोड स्थित हाथी वाले बाबा मंदिर के अलावा कल्याण गिरि मंदिर, इंदिरानगर सी-ब्लाक हनुमान मंदिर, सिद्धेश्वर महादेव मंदिर, स्वप्नेश्वर महादेव मंदिर, बीरबल साहनी मार्ग स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर, बारा बिरवा स्थित हनुमान मंदिर, मौनी बाबा मंदिर, आशियाना के छुआरेवाले हनुमान मंदिर, महानगर हनुमान मंदिर, शिव दुर्गा हुनमान मंदिर समेत तमाम मंदिरों में श्रृंगार के बाद दिन भर केसरीनंदन के दर्शनों को भक्त जुटे रहे।

लखनऊ विश्वविद्यालय मार्ग स्थित हनुमान सेतु मंदिर में सुबह बजरंगबली की भव्य आरती हुई। जय श्री राम और पवनसुत हनुमान के जयकारों से मंदिर परिसर गूंज उठा। वहीं अलीगंज स्थित पुराना और नया हनुमान मंदिर में बजरंगबली का भव्य श्रृंगार हुआ। हनुमान जी को सूजी का हलवा, पूड़ी और कद्दू की सब्जी, लड्डू और गुलाबजामुन का भोग लगाया गया। साथ ही बीरबल साहनी मार्ग स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर में बजरंगबली को मेवे का भोग लगाकर आरती उतारी गई। वहीं मेडिकईल कॉलेज स्थित छाछी कुआं मंदिर, अमीनाबाद हनुमान मंदिर, हजरतगंज स्थित दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर, चौक स्थित कोतवालेश्वर मंदिर में भी बड़ी संख्या में भक्तों ने पहुंच कर बजरंगबली के दर्शन किए।

जगह-जगह लगे भंडारे: ज्येष्ठ माह के तीसरे शनिवार पर जगह-जगह भंडारों का आयोजन किया गया। इसी क्रम में दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर पर भंडारे का आयोजन किया गया। भक्तों ने पूड़ी सब्जी, राजमा, छोला-चावल, आम का पना, गुणधनिया, बूंदी व शर्बत का वितरण किया। पक्कापुल स्थित दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर के सामने कढ़ी-चावल, बूंदी और 51 किग्रा हलवे का वितरण किया गया। परिवर्तन चौक पर लगाए गए भंडारे पर पूड़ी, सब्जी व चावल का का वितरण किया गया। बड़े बड़े पंडालों में भक्ति गीत बजते हुए शनिवार को भी प्रसाद बांटा गया। शनिवार के दिन शहर भर में जगह जगह पर भंडारे का आयोजन हुआ। गलियों से लेकर चौराहों तक भंडारों में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। शहर के ज्यादातर हिस्सों में भंडारे व प्याऊ लगाये गये। कई व्यंजनों को प्रसाद के रूप में बांटा गया जिसमें पूड़ी सब्जी सबसे प्रमुख रही। राजधानी में लाखों लोगों ने प्रसाद का ग्रहण किया। हजरतगंज, गोमती नगर, अलीगंज, पुराना लखनऊ, चारबाग हुसैनगंज व शहर के प्रमुख इलाकों समेत हर जगह पर भक्तों ने भंडारे का आयोजन किया। वहीं कपूरथला चौराहे के पास पूर्वाह्न 11 बजे से पूड़ी सब्जी का वितरण शुरू हुआ तो कृष्णानगर में पूड़ी सब्जी के साथ ही बूंदी का वितरण सुबह 10 बजे से शुरू हो गया।

सफाई कर्मचारियों को किया गया सम्मानित

लखनऊ। ममता चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित बडे.मंगल के अवसर पर विशाल भण्डारें में सफाई में सहयोग करने वाले सभी कर्मचारियों को ममता चैरिटेबल ट्रस्ट के चीफ ट्रस्टी एवं क्षेत्रीय उपाध्यक्ष भाजपा अवध क्षेत्र राजीव मिश्रा द्वारा भण्डारें में सफाई में सहयोग करने वाले लोहिया नगर वार्ड (विकासनगर) के बीट इंचार्ज सहित, समस्त सफाई कर्मचारियों को अंगवस्त्र पहनाकर स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। सम्मानित करते हुए राजीव मिश्रा ने कहा कि ममता चैरिटेबल ट्रस्ट अपने नर सेवा नारायण सेवा के वक्तब्य पर हमेशा कार्य करती रही है और आगे भी करती रहेगी, सफाई कर्मचारियों के सहयोग के बिना यह भण्डारा सफल नही हो पाता। सफाई कर्मचारियों के सम्मान समारोह में लोहिया नगर वार्ड के सभासद राकेश मिश्रा, पंकज उपाध्याय, आशुतोष मिश्रा एवं ममता चैरिटेबल ट्रस्ट के सदस्य उपस्थित रहे।

पांच सौ महिलाओं ने किया राम की पैड़ी में स्नान और सुंदरकांड का पाठ

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। सनातन ध्वज वाहिका सपना गोयल द्वारा उत्तर प्रदेश ही नहीं वरन राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक रूप से सुंदरकांड महा अभियान, भारत वर्ष की बने पहचान का संचालन किया जा रहा है। इसी कड़ी में अयोध्या जी के श्री राम मंदिर परिसर में 14वां सुंदरकांड महा अनुष्ठान शनिवार 23 मई को सनातन जागृति एवं राष्ट्रीय चेतना के उद्देश्य से आयोजित किया गया। इसमें लखनऊ से पांच सौ से अधिक मातृशक्तियों ने सपना गोयल की अगुआई में न केवल हर की पैड़ी में स्नान का पुण्यार्जन किया बल्कि श्री राम मंदिर परिसर में मंदिरों में दर्शन लाभ भी अर्जित किया।

दोपहर में भव्य, दिव्य और सरस सुंदरकांड का सामूहिक पाठ मंदिर परिसर में स्थित अंगद टीले पर किया गया। सपना गोयल ने देशवासियों को पांच समस्याओं से सावधान रहने का संदेश भी दिया। सपना गोयल के अनुसार यह समस्याएं हैं - जनसंख्या विस्फोट, घुसपैठ, दूषित मानसिकता, विदेशी सामान और धर्म परिवर्तन। सपना गोयल का एक मात्र लक्ष्य है कि संतों और ऋषियों की पावन भूमि, भारत एक बार पुनः विश्व गुरु के रूप में प्रतिष्ठित हो। भारत उत्थान के इस महा उद्देश्य की पूर्ति के लिए ईश्वरीय स्वप्नाशीष सेवा समिति की ओर से प्रतिदिन सुंदरकांड पाठ के साथ प्रत्येक सप्ताह मंगलवार और शनिवार को नजदीकी मंदिरों में सामूहिक सुंदरकांड का आयोजन, करवाया जा रहा है। बिना किसी सरकारी या निजी सहयोग के 10 मार्च 2024 को महिला दिवस के उपलक्ष्य में सपना गोयल की अगुआई में पांच हजार से अधिक महिलाओं ने लखनऊ के झूलेलाल घाट पर सामूहिक सुंदरकांड का भव्य अनुष्ठान किया था। इस क्रम में 23 जून 2024 को पावन तीर्थ नैमिषारण्य में भव्य सामूहिक सुंदरकांड महायज्ञ का आयोजन करवाया गया था। उसमें पांच हजार महिलाओं को इस अनुष्ठान में शामिल करवाया गया था। सपना गोयल की अगुआई में बिना किसी सरकारी मदद के रात-दिन की यात्रा करके उत्तर प्रदेश के 25 से अधिक जिलों में बड़े स्तर पर सुंदरकांड महायज्ञ सम्पन्न करवाए जा चुके हैं। इस महा तीर्थाटन अभियान के अंतर्गत उत्तराखंड कोटद्वार के प्राचीन सिद्धबली मंदिर, काशी विश्वनाथ मंदिर, हर की पौड़ी हरिद्वार, रुड़की महादेव मंदिर, चित्रकूट के पावन तीर्थ परिसर रामघाट, प्रयागराज के लेटे हुए हनुमान मंदिर एवं कानपुर के आनंदेश्वर महादेव मंदिर के गंगाजी घाट परिसर में भी भव्य सुंदरकाण्ड का पाठ सफलतापूर्वक आयोजित किया जा चुका है। मथुरा स्थित भगवान कृष्ण जन्मस्थली मंदिर परिसर में भी डेढ़ हजार से अधिक मातृशक्तियों ने सामूहिक सुन्दरकांड का पाठ किया था। बीते साल 11 सितम्बर से अयोध्या तीर्थ में प्रभु राम जी के जन्मभूमि परिसर में भी, मासिक सुंदरकांड पाठ का सिलसिला शुरू हो गया है। इस क्रम में उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 11 हजार महिलाओं का सामूहिक सुंदरकांड का पाठ प्रस्तावित है। सपना गोयल के अनुसार सुंदरकांड महा अभियान उत्तर प्रदेश के 42 जिलों और देश के 10 राज्यों तक पहुंच चुका है।

'विशाल पौशाला एवं भंडारा शिविर' का उद्घाटन: हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री मनकामेश्वर मठ मंदिर, लखनऊ के सौजन्य से और पूज्य महंत दिव्या गिरि जी महाराज की पावन प्रेरणा व गरिमामयी उपस्थिति में जन-सेवा का एक अनूठा संकल्प लिया गया है। इस भीषण गर्मी में राहगीरों, भक्तों और आम जनता की सुविधा के लिए आईटी चौराहे पर विशाल पौशाला (शीतल जल सेवा) एवं भव्य भंडारा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस पुनीत कार्य का आधिकारिक उद्घाटन और शुभप्रारंभ आज दोपहर ठीक 2:00 बजे विधि-विधान से संपन्न होगा। इस अवसर पर पूज्य महंत दिव्या गिरि जी महाराज स्वयं उपस्थित रहकर दीप प्रज्वलन करेंगी और राहगीरों को शीतल जल, शर्बत एवं बाबा का पावन भंडारा प्रसाद वितरित कर शिविर की शुरूआत हुई।

श्री श्याम मंदिर में शनिवार को बटा वेज पुलाव: बीरबल साहनी मार्ग स्थित श्री श्याम मन्दिर पर पूरे ज्येष्ठ माह श्री श्याम कृपा भंडारे के बारहवें दिन संयोजक संजय अग्रवाल पप्पू द्वारा पांच कुंटल वेज पुलाव का वितरण किया गया जिसमें बड़ी संख्या में श्री श्याम भक्तों ने बाबा का प्रसाद ग्रहण किया। श्री श्याम परिवार महामंत्री रूपेश अग्रवाल ने बताया कि भंडारा प्रसाद प्रतिदिन सायं 5 बजे से 10 तक चलता हैं हर दिन विशेष प्रसाद का भोग वितरित किया जाता हैं।

नौतपा कल से, 9 दिन तक झुलसायेगी गर्मी

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। ज्योतिष शास्त्र में नौतपा का विशेष महत्व है। हर साल नौतपा का आरंभ ज्येष्ठ महीने में पड़ता है। नौतपा नौ दिन का समय है, जिस दौरान भीषण गर्मी पड़ती है। नौतपा का संबंध सूर्य के नक्षत्र परिवर्तन से माना जाता है। यह शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है, 'नौ' और 'तपा', जिसका अर्थ है नौ दिनों की भीषण गर्मी। इस साल 2026 में नौतपा की शुरूआत 25 मई के आसपास होने की संभावना है, जो जून के प्रथम सप्ताह तक जारी रहेगी। नौतपा के दौरान ग्रहों के राजा सूर्य 15 दिनों तक रोहिणी नक्षत्र में विराजमान रहते हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार, जब सूर्य देव रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करते हैं, तब उस अवधि के शुरूआती नौ दिनों को 'नौतपा' कहा जाता है। हिन्दू पंचांग के अनुसार, 25 मई 2026 से लेकर 2 जून 2026 तक ग्रहों के राजा सूर्य वृषभ राशि और रोहिणी नक्षत्र में विराजमान रहेंगे।

नौतपा कब होता है: नौतपा आमतौर पर ज्येष्ठ मास मई या जून के दौरान पड़ता है। ज्योतिष गणना के अनुसार, जब सूर्य चंद्रमा के नक्षत्र रोहिणी में प्रवेश करता है, तो पृथ्वी पर गर्मी का प्रभाव चरम पर पहुंच जाता है। रोहिणी नक्षत्र के स्वामी चंद्रमा है, जो शीतलता के प्रतीक हैं, लेकिन जब सूर्य इस नक्षत्र में आता है, तो वह इसकी शीतलता को सोख लेता है। नौतपा के दौरान सूर्य की किरणें डायरेक्ट पृथ्वी पर पड़ती है। इसी कारण से गर्मी का असर ज्यादा रहता है।

नौतपा के दौरान क्या करें: नौतपा के दौरान सूर्य ग्रह को प्रसन्न करने के लिए कुछ उपाय कर सकते हैं। इस अवधि में रो सूर्य को अर्घ्य दें। सूर्य मंत्रों का जाप करें। विधिवत आदित्य हृदय स्त्रोत का पाठ करें। इस समय में लाल कपड़ा, गेंहू, जल, घी, गुड़ का दान करें।

वैज्ञानिक और पौराणिक कारण से समझें: वैज्ञानिक दृष्टिकोणः इस समय सूर्य उत्तरी गोलार्ध के ठीक ऊपर होता है, जिससे किरणें सीधी पड़ती हैं। इस दौरान वायुमंडल में नमी कम हो जाती है और शुष्क हवाएं (लू) चलने लगती हैं, जिससे तापमान अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच जाता है।

पौराणिक मान्यता: माना जाता है कि सूर्य का रोहिणी नक्षत्र में आना पृथ्वी के 'यौवन' की तपस्या की तरह है। यदि इन नौ दिनों में खूब गर्मी पड़े, तो यह भविष्य में अच्छी वर्षा का संकेत माना जाता है।

प्रदर्शनी के कलाकारों को मिले पुरस्कार

लखनऊ। राज्य ललित कला अकादमी आयोजित पांच दिवसीय अभिव्यक्ति प्रदर्शिनी का समापन शनिवार को हुआ। प्रदर्शनी में शहर के लगभग 70 उभरते एवं प्रतिष्ठित कलाकारों की कलाकृतियां प्रदर्शित की गईं, जिनमें विभिन्न विषयों, सामाजिक सरोकारों, प्रकृति, संस्कृति एवं मानवीय भावनाओं को चित्रों के माध्यम से अभिव्यक्त किया गया प्रदर्शनी में युवा कलाकारों द्वारा बनाई गई पेंटिंग्स एवं कलात्मक प्रस्तुतियों ने कला प्रेमियों और दर्शकों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि पूर्व राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी मनोज सिंह थे। उन्होंने प्रदर्शनी में प्रतिभाग करने वाले कलाकारों को पुरस्कृत किया। इस मौके पर सुपरीटेंडेंट (प्रिवेंटिव), सेंट्रल ब्यूरो ऑफ नारकोटिक्स रोहित राज, पूर्व मुख्य चिकित्साधिकारी डा. एके शुक्ला समेत अन्य मौजूद रहे।

प्रतिभाशाली युवा बांसुरी वादक दीपेंद्र कुंवर का हुआ निधन

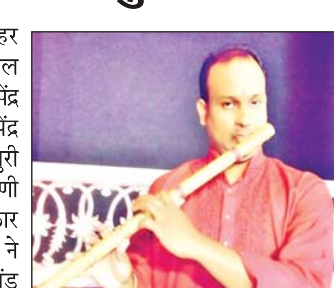

लखनऊ। आज दोपहर लखनऊ के लोहिया मेडिकल संस्थान में युवा बांसुरी वादक दीपेंद्र कुंवर ने ली अंतिम सांसें। दीपेंद्र कुंवर , जो कि प्रख्यात बांसुरी वादक और आकाशवाणी लखनऊ के स्टाफ कलाकार मोहनलाल कुंवर के सुपुत्र थे, ने आज लखनऊ के विभूति खंड गोमती नगर स्थित लोहिया मेडिकल संस्थान में अंतिम सांसें लीं। वो पिछले कई दिनों से बीमारी के चलते लोहिया संस्थान में भरती थे। दीपेंद्र कुंवर अपने पीछे प्रशंसकों की एक बड़ी तादाद छोड़ गये हैं। दुःख की इस घड़ी में उनके परिवार को यह कष्ट सहने की शक्ति मिले।

सुंदरकांड पाठ का आयोजन

लखनऊ। ज्येष्ठ माह एवं पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर उत्तराखंड महापरिषद महिला स्वयं सहायता समूह द्वारा प्रथम बार भव्य सुंदरकांड पाठ का आयोजन आज शनिवार सायं 5 बजे उत्तराखंड महापरिषद, लखनऊ में संपन्न हुआ। इस धार्मिक एवं आध्यात्मिक आयोजन का नेतृत्व स्वयं सहायता समूह की अध्यक्षा पूनम कनवाल द्वारा किया गया। उत्तराखंड महापरिषद विगत कई वर्षों से प्रत्येक माह के प्रथम शनिवार को नियमित रूप से सुंदरकांड पाठ का आयोजन करता आ रहा है, किंतु महिला स्वयं सहायता समूह द्वारा इस आयोजन का यह पहला प्रयास विशेष आकर्षण एवं श्रद्धा का केंद्र रहा। इस अवसर पर महिला स्वयं सहायता समूह की सचिव रेनू तिवारी सहित महिला शाखा की अध्यक्ष-पुष्पा वैष्णव, हेमा बिष्ट, त्रिलोचनी रावत, देवेश्वरी पवार, पुष्पा राणा, प्रेमा त्रिपाठी, सुनीता रावत, राजेश्वरी रावत, मीना अधिकारी, हरितिमा पंत, शशि जोशी, शोभा पटवाल, सीता नेगी, हेमा कांडपाल, रेनू कांडपाल, आशा बनौला एवं अनेक महिलाओं ने सामूहिक रूप से श्रद्धापूर्वक सुंदरकांड पाठ में सहभागिता निभाई। कार्यक्रम में उत्तराखंड महापरिषद के वरिष्ठ नेतृत्व अध्यक्ष श्री हरीश चन्द्र पंत, संयोजक श्री दीवान सिंह अधिकारी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मंगल सिंह रावत, सांस्कृतिक सचिव महेन्द्र सिंह गैलाकोटी, अवधेश कोठारी, भुवन पटवाल, सुरेश जोशी, नवीन चैधरी, पंकज खर्कवाल, पूरन जोशी, डॉ. ए.के. पाण्डेय सहित परिषद की युवा शाखा ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

समर कैंप में बच्चों ने किया मंदिर भ्रमण और जगन्नाथ लीला का श्रवण

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। मंदिर अध्यक्ष श्रीमान अपरिमेय श्याम प्रभु जी के निर्देशन एवं उनकी धर्मपत्नी अचिंत्य रूपिणी माता के मार्गदर्शन में अंतर्राष्ट्रीय कृष्णा भावनामृत संघ, लखनऊ द्वारा आयोजित किड्स समर कैंप के छठे दिवस का प्रारम्भ भी श्री श्री राधारमण बिहारी जी भगवान के दिव्य दर्शन से हुआ। दर्शन के पश्चात बच्चों ने पूरे मंदिर प्रांगण का भ्रमण किया तथा गौशाला का भी अवलोकन किया। बच्चों ने अत्यंत उत्साह के साथ गायों की सेवा एवं उनके महत्व के बारे में जाना। इसके बाद क्राफ्ट गतिविधि में बच्चों ने भगवान जगन्नाथ जी का सुंदर फेस क्राफ्ट तैयार किया और भगवान जगन्नाथ जी की मधुर लीलाओं का श्रवण किया। आध्यात्मिक ज्ञान के साथ-साथ बच्चों ने विभिन्न आध्यत्मिक खेलों में भी भाग लिया, जिससे उनका दिन आनंद और उत्साह से भर गया। समर कैंप के माध्यम से बच्चों को भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक मूल्यों एवं भगवान के प्रति प्रेम की शिक्षा दी जा रही है, जिससे बच्चों में अच्छे संस्कार विकसित हो रहे हैं।

जेठ माह के लोकरंगों से सजी 86वीं लोक चौपाल

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लोक संस्कृति शोध संस्थान की मासिक श्रृंखला के अंतर्गत आयोजित 86वीं लोक चौपाल का आयोजन शनिवार को गोमतीनगर के विवेक खण्ड स्थित संगीत भवन में सम्पन्न हुआ। जेठ माह और लोक मन विषय पर आयोजित इस चौपाल में लोकजीवन, ऋतु संवेदना और सांस्कृतिक परंपराओं पर आत्मीय संवाद हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ अर्चना गुप्ता द्वारा श्रीराम स्तवन की प्रस्तुति से हुआ। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की श्रृंखला में नीरा मिश्रा, मधु तिवारी आदि ने पारंपरिक लोकगीत गाये, वहीं सामूहिक रूप से हनुमानाष्टक और हनुमान चालीसा का सस्वर प्रस्तुति दी। अमेरिका में रह रहे भारतीय मूल के आशुतोष एवं अंतरा की उपस्थिति भी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। वरिष्ठ समाजसेविका डॉ. स्मिता मिश्रा एवं संगीताचार्य गायत्री डेविड की गरिमामयी उपस्थिति में लोक संस्कृति एवं सामाजिक सरोकारों पर सार्थक चर्चा हुई।

इस अवसर पर अविका, मीहिका, आद्रिका, अथर्व, अव्युक्ता, परी, वान्या, सान्वी, अमेया, सुनीता वीर, कर्णिका, गुनाश्री, शीर्षा, सुमन मिश्रा, सोनिया सिंह, शुभ्रा मिश्रा, विनीता मिश्रा, स्मिता पाण्डेय, कृतिका, दीपिका, शिखा, माधुरी, सोनी एवं नेहा प्रजापति सहित अनेक प्रतिभागियों ने अपनी सक्रिय सहभागिता दर्ज कराई। कार्यक्रम का संयोजन लोक चौपाल प्रभारी अर्चना गुप्ता द्वारा किया गया। संस्थान की सचिव डॉ. सुधा द्विवेदी ने अतिथियों, प्रतिभागियों एवं उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

नन्हे कलाकारों ने मंच पर जीवंत की कल्पना संवेदना की दुनिया

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। शहर में बाल रंगमंच और रचनात्मक अभिव्यक्ति को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाते हुए डोरेमी क्लब द्वारा आयोजित द वॉयेज – बाल रंगमंच सीजन 4 का भव्य कार्यक्रम हुआ। पंद्रह दिनों तक चले इस विशेष थिएटर वर्कशॉप एवं प्रदर्शन कार्यक्रम में बच्चों ने अभिनय, संवाद, अभिव्यक्ति और मंच कौशल का अद्भुत प्रदर्शन कर दर्शकों का दिल जीत लिया।

लखनऊ के प्रतिष्ठित ला मार्टिनियर कॉलेज में आयोजित इस कार्यशाला में 4 से 14 वर्ष तक के बच्चों ने भाग लिया। गहन प्रशिक्षण और रचनात्मक अभ्यास के बाद युवा कलाकारों ने निशातगंज स्थित कैफी आजमी एकादमी के भव्य मंच पर शानदार प्रस्तुतियां दीं, जिन्हें दर्शकों और अभिभावकों ने खूब सराहा। कार्यशाला का संकलन मनुकृति पाहवा एवं मयंक पाहवा द्वारा किया गया, जबकि कार्यक्रम को कोपल प्रोडक्शंस के सहयोग से आयोजित किया गया। इस पहल का उद्देश्य बच्चों में आत्मविश्वास, रचनात्मक सोच और अभिव्यक्ति की क्षमता को विकसित करना था। समापन समारोह की मुख्य प्रस्तुति रही ह्लद ओडिसीह्व, जो होमर के प्रसिद्ध महाकाव्य पर आधारित एक प्रभावशाली नाट्य मंचन था। सुविख्यात रंगमंच निर्देशक जया विर्ली के निर्देशन और विशाल कसाना के सहायक निर्देशन में प्रस्तुत इस नाटक ने साहस, संघर्ष और घर-वापसी की भावनाओं को बेहद प्रभावशाली ढंग से मंच पर जीवंत किया। छोटी उम्र के बच्चों द्वारा दिखाई गई भावनात्मक अभिव्यक्ति और मंचीय आत्मविश्वास ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

लघु नाटकों ने भी जीता दर्शकों का दिल: कार्यक्रम में प्रस्तुत प्लैनेट उल्टा-पुल्टा और टुमारो फॉरेस्ट नामक लघु नाटकों ने भी खूब सराहना बटोरी। अपूर्व शाह द्वारा लिखित एवं निर्देशित इन प्रस्तुतियों में अभिषेक सिंह सहायक निर्देशक रहे। प्लैनेट उल्टा-पुल्टा ने अपनी मनोरंजक और कल्पनाशील कहानी से दर्शकों को हंसने पर मजबूर किया, वहीं टुमारो फॉरेस्ट ने प्रकृति संरक्षण और सामाजिक जिम्मेदारी का संवेदनशील संदेश दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ला मार्टिनियर कॉलेज के प्रिंसिपल गैरी डॉमिनिक एवरेट उपस्थित रहे। उन्होंने बच्चों की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि रंगमंच बच्चों के व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास और रचनात्मक सोच को मजबूत करने का प्रभावी माध्यम है। डोरेमी क्लब की संस्थापक साहिबा तुलसी ने कहा, बाल रंगमंच पर आधारित इस तरह की प्रदर्शन-उन्मुख कार्यशालाओं की तैयारी में महीनों की मेहनत लगती है। जब बच्चे आत्मविश्वास के साथ मंच पर प्रस्तुति देते हैं और अभिभावकों के चेहरे पर गर्व दिखाई देता है, वही हमारे प्रयास की सबसे बड़ी सफलता होती है। उन्होंने सभी अभिभावकों, प्रशिक्षकों और सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि डोरेमी क्लब आगे भी बच्चों को रचनात्मक मंच उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा। डोरेमी क्लब बाल रंगमंच और प्रदर्शन कलाओं के माध्यम से बच्चों में रचनात्मकता, संवेदनशीलता, आत्मविश्वास और सहयोग की भावना विकसित करने के उद्देश्य से लगातार सक्रिय है।

'उत्तर प्रदेश महोत्सव' में लोक कलाकारों ने बिखेरी अनोखी छटा

लखनऊ। प्रख्यात बनारस घराने के शास्त्रीय गायक एवं पद्म पुरस्कार से सम्मानित पंडित साजन मिश्र के सुमधुर गायन और पद्मश्री से सम्मानित कलाकारों की कजरी गायकी की माटी की सुगंध से आर्ट ऑफ लिविंग इंटरनेशनल सेंटर संस्कृति, संगीत, आध्यात्मिकता और परंपरा के अनूठे रंगों में सराबोर हो उठा। यह अवसर था अंतरराष्ट्रीय केंद्र में आयोजित प्रथम 'यूपी महोत्सव' के भव्य उद्घाटन का।

उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के संयुक्त सहयोग से आयोजित यह महोत्सव संगीत, विरासत, पर्यटन और पारंपरिक उद्योगों को एक अत्यंत जीवंत और गतिशील मंच पर एक साथ ला रहा है। महोत्सव में उपस्थित जनसमूह को आध्यात्मिक यात्रा पर ले जाने वाले प्रसिद्ध भारतीय शास्त्रीय गायक पंडित साजन मिश्र ने सांस्कृतिक विविधता को वैश्विक मंच प्रदान करने के लिए गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर के दूरदर्शी दृष्टिकोण की सराहना की। उन्होंने कहा, गुरुदेव का दृष्टिकोण सदैव अत्यंत व्यापक और विराट होता है। वे किसी भी कार्य को इतने भव्य स्तर पर क्रियान्वित करते हैं कि संपूर्ण विश्व उसे अत्यंत सम्मान के साथ देखता है। महोत्सव के द्वितीय दिवस पर पंडित साजन मिश्र की स्मरणीय प्रस्तुति ने श्रोताओं को हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के अगाध सागर की सैर कराई। वाराणसी की आध्यात्मिक और संगीतमय विरासत को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने दर्शकों को भारतीय शास्त्रीय संगीत की कालजयी समृद्धि में पूरी तरह सराबोर कर दिया। 'आर्ट ऑफ लिविंग' की स्थापना के गौरवमयी 45 वर्ष में प्रवेश के पावन अवसर पर अपने विचार साझा करते हुए उन्होंने कहा, इतने लंबे समय तक किसी संस्था का स्तर निरंतर उत्कृष्ट से उत्कृष्टतर होते जाना वास्तव में गुरुदेव का चमत्कार है। उनसे जुड़े लोग पूर्ण समर्पण भाव के साथ उनके प्रति समर्पित हैं। इसी अटूट जुड़ाव का प्रतिफल है कि आज हम सफलता के 45वें वर्ष में प्रवेश कर चुके हैं। आगामी समय में यह यात्रा 50 वर्ष की होगी और तत्पश्चात अनंत काल तक अनवरत चलती रहेगी। इससे पूर्व, प्रातः काल केंद्र में आयोजित विशेष देवी पूजा के दौरान श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के ट्रस्टी के. वेंकट रमन घनपाठी ने गुरुदेव का अभिनंदन एवं सम्मान किया।

संक्षेप

गांव में घटतौली के मामले में प्रशासन का बड़ा एक्शन

मड़िहान, मीरजापुर। सन्तनगर थाना क्षेत्र के पड़रिया खुर्द गांव में घटतौली के मामले को लेकर बड़ा प्रशासनिक एक्शन सामने आया है। जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार के निर्देश पर गठित जांच टीम की जांच में शिकायत सही पाए जाने के बाद दो व्यापारियों के खिलाफ थाना सन्तनगर में एफआईआर दर्ज की गई है। कार्रवाई के बाद क्षेत्र के व्यापारियों में हड़कंप मचा हुआ है।जानकारी के अनुसार, सरसों खरीद के दौरान इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन के जरिए घटतौली किए जाने की शिकायत जिलाधिकारी कार्यालय में की गई थी। शिकायत के आधार पर जांच टीम गठित कर मामले की जांच कराई गई। जांच में इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन को रिमोट से संचालित पाया गया।

हत्या के पांच अभियुक्त दबोचे गये

जौनपुर। थाना बरसठी पुलिस द्वारा हत्या से सम्बन्धित पांच वांछित अभियुक्त व एक बाल अपचारी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुयार प्रभारी निरीक्षक बरसठी ने पुलिस टीम के थाना पर पंजीकृत से सम्बन्धित अभियुक्तगण दीपक भार्गव पुत्र व्यासमुनि निवासी ग्राम हरिद्वारी थाना बरसठी, अभिषेक गौतम पुत्र ओमप्रकाश गौतम निवासी ग्राम हरिद्वारी थाना बरसठी, अखिलेश गौतम उर्फ मंजय पुत्र फूलचन्द्र गौतम निवासी ग्राम कोहड़ा थाना मछलीशहर, अमन उर्फ रेड्डी पुत्र राजेश गौतम निवासी ग्राम हरिद्वारी थाना बरसठी व.नन्द किशोर उर्फ नन्दू पुत्र स्व0 मातादीन निवासी ग्राम हरिद्वारी थाना बरसठी तथा बाल अपचारी को मुखबिर की सूचना पर बरसठी रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार कर चालान सम्बन्धित न्यायालय भेजा।

भूमि विवाद और राजस्व मामलों को टीम बनाकर जांच करें

जौनपुर। जिलाधिकारी ने थाना समाधान दिवस के अवसर पर में जनसुनवाई कर फरियादियों की समस्याएं सुनीं और कई मामलों का मौके पर ही निस्तारण कराया। जनसुनवाई के दौरान रासमंडल निवासी राहुल राय पुत्र रमेश राय के पड़ोसी से प्लास्टर कराने को लेकर चल रहे विवाद तथा प्रियंका श्रीवास्तव पुत्री आशीष के ताला खुलवाने से संबंधित मामले की सुनवाई करते हुए जिलाधिकारी ने तत्काल समाधान कराया। जितेंद्र कुमार, पुष्पेंद्र पाल तथा तारतला निवासी अशोक कुमार जायसवाल एवं अनुराग गुप्ता के प्रार्थना पत्र संबंधित एसएचओ को हस्तांतरित करते हुए निर्देश दिया गया कि मौके पर पहुंचकर गुणवत्तापूर्ण ढंग से मामलों का निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि थाना समाधान दिवस में प्राप्त होने वाली शिकायतों का समयबद्ध एवं निष्पक्ष निस्तारण किया जाए। भूमि विवाद एवं राजस्व संबंधी मामलों में राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम मौके पर जाकर जांच करे तथा पारदर्शी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि आमजन को त्वरित न्याय मिल सके। अपर पुलिस अधीक्षक आयुष श्रीवास्तव, नगर मजिस्ट्रेट इन्द्र नन्दन सिंह, एसएचओ समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

धू-धू कर ट्रांसफार्मर जला, जनता बेहाल

जौनपुर जफराबाद नगर पंचायत में मछहट्टा के पास स्थित ट्रांसफार्मर भीषण गर्मी के कारण बीतीरात करीब 10.00 बजे धू-धू कर जलने लगा। उक्त ट्रांसफार्मर को जलता देख लोगों ने तुरन्त संविदा लाइनमैन पप्पू खान को सूचित किया। ट्रांसफार्मर जलने की सूचना मिलते ही पप्पू खान द्वारा तुरन्त उक्त मामले की सूचना अपने उच्चाधिकारियों को देते हुए विद्युत सप्लाई बन्द करायी गयी। धू-धू कर जलता ट्रांसफार्मर देख मौके पर लोगों की भारी भीड़ इकट्ठा हो गई। कोई पानी तो कोई बालू मिट्टी लेकर जलते ट्रांसफार्मर का बुझाने का जी तोड़ प्रयास करने लगा परन्तु आग बुझने का नाम ही नही ले रही थी। मौके पर पहुँचे चौकी इंचार्ज राधेश्याम सिंह ने फायर ब्रिगेड को सूचित किया। करीब एक घंटे बाद मौके पर पहुँचे फायर ब्रिगेड के कर्मी आग बुझाने में सफल रहे। दूसरी ओर इस भीषण गर्मी में विद्युत अभाव के जनता बेहाल हो उठी। विद्युत आधारित रोजी-रोजगार ठप रहे। संविदा लाइनमैन पप्पू खान ने बताया कि ट्रांसफार्मर की खूंटी तार आदि जला है, जिसे ठीक किया जा रहा है।

बिजली कटौती के विरोध में महिलाओं का प्रदर्शन

जिला संवाददाता(vol)

जौनपुर। उमस भरी गर्मी में अघोषित विद्युत कटौती से परेशान महिलाओं ने आक्रोशित हो चंदवक चैराहे व विद्युत उपकेंद्र डोभी पर विद्युत विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया।उनका कहना था कि सरकार 18 घंटे विद्युत आपूर्ति होने की घोषणा की है।लेकिन 4 से 6 घंटे ही आपूर्ती की जा रही है वह भी अघोषित कटौती के साथ।

तपती धूप में दर्जनों की संख्या में प्रदर्शन करने पहुंची महिलाओं का कहना था कि अघोषित कटौती से सारे काम बाधित हो रहे।बच्चे पढ़ नहीं पा रहे हैं।विद्युत अनापूर्तिसे पूरी रात जाग कर बिताना पड़ रहा है। थोड़ी बहुत आपूर्ति जो रही है उस दौरान कोई फाल्ट आ जाता है तो विद्युतकर्मी बिना सुविधा शुल्क लिए ठीक नहीं करते। महिलाओं ने अघोषित विद्युत कटौती के खिलाफ जे ई पंकज कुमार को ज्ञापन सौंपा। जेई पंकज कुमार का कहना था कि कटौती ऊपर से हो रही है।हम लोगों को जितना आदेश होता है, उसका पालन किया जाता है। इसके लिए उच्चाधिकारियों से बात करनी पड़ेगी। समस्या से उच्चाधिकारियों को अवगत करा दूंगा। प्रदर्शन करने वालों में अध्यापिका श्वेता सिंह, चंद्रिका यादवनिर्मला सेठ,तारा सिंह,किरण गुप्ता, गीता यादव, तेतरा देवी, उर्मिला, चांदनी, संजू सोनकर, श्वेता जायसवाल, सरिता, सुनीता, किरन लता, गुड्डी, पुष्पा सहित अन्य महिलाएं थी।

बिजली कटौती के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन

जौनपुर ।बिजली कटौती और गैस एजेंसियों पर उपभोक्ताओं को हो रही परेशानियों के विरोध में कांग्रेस कार्यकताओं ने मछलीशहर तहसील में प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार सिंह के नेतृत्व में कार्यकताओं ने उपजिलाधिकारी कार्यालय का घेराव कर जिलाधिकारी को संबोधित एक ज्ञापन उपजिलाधिकारी को सौंपा। धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि मछलीशहर के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में अघोषित बिजली कटौती से आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि चैबीस घंटे में मात्र दस घंटे बिजली आपूर्ति की जा रही है, जो जनता के साथ अन्याय है। उन्होंने गैस एजेंसियों पर उपभोक्ताओं को हो रही असुविधा और लंबी कतारों पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि लोग अपना काम छोड़कर गैस सिलेंडर लेने के लिए मजबूरन लाइन में खड़े हो रहे हैं। यह भी आरोप लगाया कि एजेंसी संचालकों की मिलीभगत से गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी हो रही है।उन्होंने कहा कि बिचैलियों और दलालों ने एजेंसी पर कब्जा जमा लिया है, लेकिन स्थानीय प्रशासन इस पर कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है।जिला सचिव जब्बार अली सलमानी ने कहा कि बिजली, पानी और गैस सिलेंडरों की समस्या सरकार की विफल नीतियों का परिणाम है।उन्होंने आरोप लगाया कि बढ़ती महंगाई से गरीब, मजदूर और मध्यम वर्ग पहले से ही परेशान हैं, और इन समस्याओं ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। अध्यक्षता ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मछलीशहर के अध्यक्ष मुहम्मद सैफ ने संचालन नगर अध्यक्ष आरिफ सलमानी ने किया। संतोष पांडेय, ब्लॉक अध्यक्ष जयप्रकाश मिश्रा, मुंगरा ब्लॉक अध्यक्ष राजकुमारी मिश्रा, मोहम्मद इब्राहिम, अफरोज अली, जगदीश श्रीवास्तव, इरशाद खान, जनार्दन दूबे, नन्हे शेख, रघुनाथ श्रीवास्तव, अनीस अली, आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विवाहिता की संदिग्ध परिस्थिति में मौत

आजमगढ़। जिले के फूलपुर तहसील क्षेत्र अंतर्गत अहरौला थाना के निजामपुर गांव में बीती रात एक 35 वर्षीय विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार महिला ने घर में रखा कीटनाशक पदार्थ सेवन कर लिया था। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया, जबकि मायके पक्ष ने पति पर शराब के नशे में मारपीट और मानसिक प्रताड़ना का गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार पवई थाना क्षेत्र के अंडिका गांव निवासी विद्यार्थी की शादी कई वर्ष पूर्व निजामपुर गांव निवासी धर्मेंद्र के साथ हुई थी।बताया जा रहा है कि शुक्रवार की शाम किसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि धर्मेंद्र शराब के नशे में घर पहुंचा और पत्नी के साथ मारपीट की। विवाद के बाद विवाहिता मानसिक रूप से आहत हो गई और उसने घर में रखा कीटनाशक पदार्थ खा लिया। कीटनाशक सेवन के कुछ देर बाद महिला की हालत अचानक बिगड़ने लगी। परिजन आनन-फानन में उसे इलाज के लिए एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन वहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।विवाहिता की मौत की खबर मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। घटना के बाद गांव में भी शोक और तनाव का माहौल बना हुआ है। मृतका अपने पीछे दो पुत्रियां और एक पुत्र छोड़ गई है।मां की असमय मौत के बाद बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है।परिजनों और ग्रामीणों के अनुसार परिवार में अक्सर विवाद की स्थिति बनी रहती थी, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।घटना की सूचना मिलते ही अहरौला पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस के साथ फोरेंसिक टीम और श्वान दल ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया और आवश्यक साक्ष्य जुटाए।पुलिस ने मौके से कुछ संदिग्ध सामग्री भी कब्जे में ली है, जिसकी जांच कराई जा रही है। इस संबंध में शनिवार दोपहर करीब एक बजे अहरौला थानाध्यक्ष मंतोष सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला कीटनाशक सेवन से मौत का प्रतीत हो रहा है।शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।रिपोर्ट आने के बाद मौत के वास्तविक कारण स्पष्ट होंगे और उसी आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

दो बाइकों की टक्कर में तीन युवकों की गई जान

जौनपुर। केराकत के चौकियां-नईबाजार मार्ग पर हुई भीषण सड़क दुर्घटना ने कई परिवारों की खुशियां छीन लीं।काशी गोमती ग्रामीण बैंक के सामने दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य युवकों ने वाराणसी ट्रामा सेंटर में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।हादसे में कई लोग गंभीर रूप से घायल भी हुए हैं।

सरौनी पश्चिम पट्टी निवासी अविनाश उर्फ मेटी पुत्र संजू अपने साथियों अमित कुमार पुत्र सुरेंद्र कुमार, पंकज कुमार पुत्र जोखू तथा ईशु कुमार पुत्र संजय कुमार के साथ एक ही बाइक से अपने घर से देवकली बाजार की ओर जा रहा था। जैसे ही उनकी बाइक चौकियां नईबाजार स्थित काशी गोमती ग्रामीण बैंक के पास पहुंची, तभी सामने से आ रही दूसरी बाइक से जोरदार भिड़ंत हो गई।दूसरी बाइक पर चांदेपुर थाना खानपुर, जनपद गाजीपुर निवासी गजराज कुमार पुत्र रामजियावान अपने पुत्र सूरज के साथ जौनपुर से गाजीपुर की ओर जा रहे थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि सभी सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची एंबुलेंस ने सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केराकत पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने हालत गंभीर देखते हुए अविनाश कुमार पुत्र मंजू, अमित कुमार पुत्र सुरेंद्र कुमार, पंकज कुमार पुत्र जोखू, ईशु कुमार पुत्र संजय कुमार तथा गजराज कुमार पुत्र रामजियावान को जिला अस्पताल रेफर कर दिया।हादसे में सूरज पुत्र गजराज की मौके पर ही मौत हो गई थी। वहीं वाराणसी ट्रामा सेंटर में इलाज के दौरान मंगलवार को अविनाश कुमार पुत्र मंजू तथा अमित कुमार पुत्र सुरेंद्र कुमार ने भी दम तोड़ दिया। बताया जाता है कि अविनाश चार भाइयों और दो बहनों में चौथे नंबर पर था।वह पुणे में रहकर प्राइवेट नौकरी करता था और 17 मई को ही घर आया था। वहीं 17 वर्षीय अमित अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र था। उसकी दो बहनें हैं। अमित घर पर रहकर शादी समारोहों में टेंट लगाने का कार्य करता था।

खड़े ट्रक में पीछे से घुसा ट्रक, चालक की मौत

मीरजापुर।जिले के लालगंज थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे पर स्थित मिसिरपुर गांव के सामने बीती रात सड़क के किनारे खड़ी ट्रक में पीछे से आ रही ट्रक अनियंत्रित होकर घुस गई, जिससे ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए उनके परिजन को सूचित कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।जानकारी के अनुसार नेशनल हाईवे पर स्थित मिसिरपुर गांव के सामने एक ट्रक खड़ी थी तभी शनिवार की भोर में ट्रक चालक शिवम विश्वकर्मा 30 पुत्र केसरी प्रसाद विश्वकर्मा निवासी भैंसोंड बलाय पहाड थाना हलिया पीछे से खडी ट्रक में घुस गया जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में करते हुए पंचनामा कराकर पोस्टमार्टम कार्रवाई के लिए भेज दिया गया।सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

हिस्ट्रीशीटर एहसान गिरफ्तार

आजमगढ़। जनपद के सरायमीर थाना क्षेत्र में सोशल मीडिया पर अवैध असलहों के साथ वीडियो वायरल करने वाले हिस्ट्रीशीटर अपराधी एहसान खान को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर एक अवैध तमंचा और दो जिंदा कारतूस भी बरामद किए हैं। आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट, गैंगस्टर एक्ट और एससी/एसटी एक्ट समेत कुल 25 मुकदमे दर्ज बताए गए हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपी एहसान खान पुत्र स्व. मतीउद्दीन निवासी छित्तेपुर थाना सरायमीर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें वह अपने पास तीन अवैध असलहे होने की बात कह रहा था।वीडियो वायरल होने के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया था।सूचना मिलने पर पुलिस ने उसे जौनपुर जिले के सरायख्वाजा थाना क्षेत्र से पूछताछ के लिए हिरासत में लिया।पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने ग्राम छित्तेपुर स्थित सलीम की बाग में बंद पड़े ट्यूबेल में अवैध असलहा छिपा रखा है।

पुलिस ने मौके से एक .315 बोर का तमंचा, एक .315 बोर का जिंदा कारतूस और एक .303 बोर का जिंदा कारतूस बरामद किया।वैध दस्तावेज न दिखा पाने पर आरोपी के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर न्यायालय भेज दिया गया। पुलिस के मुताबिक, एहसान खान पर आजमगढ़ समेत अन्य जिलों में मारपीट, हत्या के प्रयास, रंगदारी, महामारी अधिनियम उल्लंघन, आर्म्स एक्ट और एससी/एसटी एक्ट सहित कई गंभीर मामले दर्ज हैं। कार्रवाई करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक भुवनेश कुमार चैबे समेत थाना सरायमीर की पुलिस टीम शामिल रही।

प्रदेश स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता के लिए चयन

जिला संवाददाता(vol)

जौनपुर।केराकत तहसील क्षेत्र के गोबरा गांव स्थित नेताजी मुलायम सिंह यादव अखाड़े के गजराज पहलवान का 70 किलो अंडर-23 वर्ग में प्रदेश स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है।

इस चयन से अखाड़े और गांव में हर्ष का माहौल है।इस उपलब्धि पर अखाड़े में एक सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें ग्रामीणों और खेल प्रेमियों ने गजराज पहलवान की कड़ी मेहनत और लगन की सराहना की। उन्होंने कहा कि गजराज ने अपने प्रदर्शन से गांव और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। संचालन नीरज पहलवान ने किया। इस अवसर पर रामजन्म यादव, दशरथ यादव, मोहाल यादव और रामआश्रय पहलवान सहित कई गणमान्य व्यक्ति और ग्रामीण उपस्थित थे। सभी ने गजराज पहलवान को आगामी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करने के लिए शुभकामनाएं दीं।

राष्ट्र निर्माण का पवित्र माध्यम भाजपाः स्वतंत्र देव

जिला संवाददाता

जौनपुर। भारतीय जनता पार्टी के जिला स्तरीय प्रशिक्षण वर्ग का कार्यक्रम किया गया ।अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अजीत प्रजापति ने की ।मुख्य अतिथि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह उपस्थित रहे।

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि भाजपा अन्य राजनीतिक दलों की तरह केवल चुनाव जीतने की मशीन नहीं है, बल्कि यह देश के सांस्कृतिक गौरव को पुनर्स्थापित करने और राष्ट्र निर्माण का एक पवित्र माध्यम है। कहा, भाजपा में कोई व्यक्ति बड़ा नहीं होता, बल्कि हमारी विचारधारा और हमारा कार्यकर्ता सबसे बड़ा होता है।हमारे लिए दल से बड़ा देश है और यही भावना हमें अन्य दलों से अलग बनाती है। कार्यकर्ता विनम्रता और सादगी के साथ जनता के बीच जाएं और उनके सुख-दुख के साथी बनें जल शक्ति मंत्री ने केंद्र की मोदी सरकार और राज्य की योगी सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि आज हर घर नल से जल मुफ्त राशन, आयुष्मान भारत और पीएम आवास जैसी योजनाओं ने समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के जीवन को बदला है। उन्होंने कार्यकताओं से कहा कि सरकार की इन लोक-कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों से निरंतर संपर्क बनाए रखें और यह सुनिश्चित करें कि कोई भी पात्र व्यक्ति लाभ से वंचित न रहे।अपने संबोधन के अंत में उन्होंने संगठन में अनुशासन और शुचिता के महत्व पर जोर दिया। गिरीश चन्द्र यादव रमेश मिश्र बृजेश सिंह मनीष शुक्ला के पी सिंह महेश चन्द्र श्रीवास्तव , मनोरमा मौर्य गीता बिंद आदि उपस्थित रहे।

समाज में सकारात्मक ऊर्जा पहुंचा रही सेवा भारती

जौनपुर।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आनुषांगिक संगठन सेवा भारती समिति काशी प्रान्त द्वारा आयोजित, सेवा भारती एवं विभाग द्वारा संयोजित, किशोरी विकास प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ मां दुर्गा विद्यालय, सिद्धिकपुर में हवन-पूजन के साथ हुआ।यह विशेष प्रशिक्षण वर्ग बालिकाओं एवं किशोरियों के सर्वांगीण विकास, संस्कार संवर्धन, स्वावलंबन, आत्मविकास, सामाजिक जागरूकता तथा राष्ट्रभावना को सुदृढ़ करने के पावन उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है जो 29 मई को संपन्न होगा। शुभारंभ अवसर पर यज्ञ-हवन के माध्यम से प्रशिक्षण वर्ग

के सफल, अनुशासित एवं संस्कारमय संचालन हेतु मंगलकामनाएं की गईं।इस दौरान सम्पूर्ण वातावरण राष्ट्रभक्ति, सेवा एवं भारतीय संस्कृति की दिव्यता से ओतप्रोत हो गया। जिला संघचालक डॉ० सुभाष सिंह एवं विभाग अध्यक्ष डॉ० तेज सिंह, जिला अध्यक्ष अनिल गुप्ता, जिला महामंत्री देवेश गुप्ता, संरक्षक डॉ विनोद कनौजिया, संदीप विश्वकर्मा,हर्ष चौरसिया सहित अनेक सम्मानित कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित रहे। जिला संघचालक डॉ सुभाष सिंह ने कहा कि सेवा भारती जिला निरंतर समाज सेवा, संस्कार निर्माण एवं राष्ट्रहित के कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग तक सकारात्मक ऊर्जा पहुँचाने का कार्य कर रही है।उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि इस प्रशिक्षण वर्ग से किशोरियों में आत्मनिर्भरता और राष्ट्रबोध की भावना और अधिक सुदृढ़ होगी।

समाधान दिवस में पहुंचे डीएम, अधिकारियों के साथ सुनी जनता की फरियाद

मड़िहान, मीरजापुर।थाना मड़िहान में आयोजित थाना समाधान दिवस में पवन कुमार गंगवार, शिखा भारती, अनेग सिंह तथा आशीष कुमार पांडे ने पहुंचकर फरियादियों की समस्याएं सुनीं।समाधान दिवस में बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों ने भूमि विवाद, अवैध कब्जा और राजस्व संबंधी शिकायतें अधिकारियों के समक्ष रखीं।जनसमस्याओं को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम गठित कर मौके पर पहुंचकर मामलों की निष्पक्ष जांच एवं त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शिकायतों का समाधान दोनों पक्षों की उपस्थिति में संतुष्टिपूर्ण ढंग से कराया जाए, ताकि लोगों को न्याय के लिए भटकना न पड़े। अधिकारियों ने संबंधित कर्मचारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। थाना समाधान दिवस के दौरान अधिकारियों ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि हर समस्या का पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से समाधान कराया जाएगा।थाना परिसर में आयोजित समाधान दिवस के दौरान फरियादियों की भारी भीड़ उमड़ी रही और लोगों ने प्रशासनिक अधिकारियों के समक्ष अपनी समस्याएं खुलकर रखीं।प्रशासन की सक्रियता से ग्रामीणों में उम्मीद जगी कि उनकी समस्याओं का जल्द समाधान होगा।

जनपद स्तरीय अंतर विद्यालय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में एपीएस प्रथम

आजमगढ़। कोटिला चेक पोस्ट स्थित आजमगढ़ पब्लिक स्कूल के होनहार खिलाड़ियों ने द इनोवेटिव अकादमी, जेहरा पिपरी, कप्तानगंज, आजमगढ़ में आयोजित जनपद स्तरीय अंतर विद्यालय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जैश पब्लिक स्कूल, किशवपुर, अंजान शहीद को हरा प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय, अभिभावकों एवं पूरे क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। इस प्रतियोगिता में जिले भर से आये 11 विद्यालयों ने भाग लिया था जिसमें आजमगढ़ पब्लिक स्कूल प्रथम स्थान पर रहा। प्रतियोगिता में विद्यालय की टीम के जिन खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया, उनमें शेख कमरान इरफान, सुभान फखरे आलम, मिर्जा यूसुफ बेग, मोहम्मद मुसद्दिक, अब्दुल्लाह शेख, मोहम्मद अरकम, मोहम्मद फैसल, मोहम्मद वारिस, मोहम्मद यासिर, मोहम्मद मोबश्शिर, सोमामा शाहिद एवं अब्दुल्लाह शेख शामिल रहे। सभी खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल भावना, अनुशासन, समर्पण और टीमवर्क का परिचय देते हुए यह ऐतिहासिक सफलता हासिल की। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि में टीम के प्रशिक्षक विनय कुमार सिंह एवं अहमर अकील का विशेष योगदान रहा, जिनके कुशल मार्गदर्शन और कठिन परिश्रम से टीम ने यह मुकाम प्राप्त किया। विद्यालय प्रबंधक सीए मोहम्मद नोमान ने विजेता खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि यह उपलब्धि न केवल विद्यालय के लिए गर्व का विषय है, बल्कि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगी। प्रधानाचार्या श्रीमती रूपल पंड्या ने सभी को बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक एवं नैतिक विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है और भविष्य में भी विद्यालय खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास करता रहेगा।

जिला आबकारी कार्यालय की 7.60 लाख प्रतिभूति राशि हड़पने वाला गिरफ्तार

आजमगढ़।जनपद के थाना सिधारी पुलिस ने जिला आबकारी कार्यालय में जमा 7.60 लाख की प्रतिभूति राशि हड़पने के मामले में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार अभियुक्त ने सावधि जमा रसीदों की छायाप्रति और बैंक कर्मियों से मिलीभगत कर धनराशि अपने खाते में ट्रांसफर कराई थी। आरोपी को भदुली अंडरपास के पास से गिरफ्तार किया गया।पुलिस के मुताबिक प्रभारी आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-1 सदर आजमगढ़ प्रभु नारायण सिंह की तहरीर पर थाना सिधारी में मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोप था कि राजेन्द्र सिंह और उसके पुत्र संजीत सिंह निवासी ग्राम नेवादा थाना कप्तानगंज ने जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय में प्रतिभूति के रूप में जमा एफडी की धनराशि कपटपूर्ण तरीके से अपने खाते में ट्रांसफर करा ली।इस मामले में थाना सिधारी पर मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। शुक्रवार को उपनिरीक्षक मृत्युंजय सिंह पुलिस टीम के साथ क्षेत्र भ्रमण पर थे, तभी मुखबिर से सूचना मिली कि वांछित अभियुक्त भदुली अंडरपास के पास मौजूद है।सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने अभियुक्त संजीत सिंह (40) को गिरफ्तार कर लिया।पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि उसके पिता राजेन्द्र सिंह के नाम से देशी शराब की दुकान का लाइसेंस था, जो फरवरी 2026 में निरस्त हो गया था।इसके बाद उसने अपने पिता के साथ यूनियन बैंक शाखा कटघर पहुंचकर एफडी की दूसरी प्रति के आधार पर ?7.60 लाख की धनराशि अपने खाते में ट्रांसफर करा ली।गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक मृत्युंजय सिंह, हेड कांस्टेबल अनिल कुमार राय एवं कांस्टेबल रणवीर यादव शामिल रहे।

सिलेंडर फटने से लगी आग लाखों की गृहस्थी जलकर राख

मीरजापुर।जिले के हलिया थाना क्षेत्र के चक कोटार गांव में शुक्रवार की देर रात सिलेंडर फटने से भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आने से एक ही परिवार की चार गृहस्थियों का लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया।सूचना पर पहुंची दमकल टीम ने करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।जानकारी के अनुसार चक कोटार गांव निवासी कैलाश मौर्य के घर के पीछे बने किचन में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरे मकान को अपनी चपेट में ले लिया। आग की लपटें उठती देख परिवार के लोगों में अफरा-तफरी मच गई।गृहस्वामी द्वारा तत्काल फायर ब्रिगेड व पीआरबी 112 को सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने ग्रामीणों की मदद से काफी प्रयास के बाद आग बुझाई, लेकिन तब तक घर में रखा सारा सामान जल चुका था। गृहस्वामी कैलाश मौर्य ने बताया कि आग में करीब 15 बोरी सरसों, 20 बोरी गेहूं, 16 बोरी चावल, तीन बोरी अरहर दाल, एक कुंतल चना, 10 किलो हल्दी, एक कुंतल प्याज, एक कुंतल लहसुन, एक कुंतल गुड़, दो गैस सिलेंडर, 20 कुंतल सूखा चारा समेत गृहस्थी का पूरा सामान, कूकर व बर्तन आदि जलकर राख हो गए। बताया गया कि कैलाश मौर्य के चारों बेटे अलग-अलग गृहस्थी बनाकर उसी मकान में रहते थे। आग लगने से सभी की गृहस्थी पूरी तरह नष्ट हो गई। घटना की सूचना लेखपाल को दे दी गई है। वहीं ग्राम प्रधान असानी ने जिला प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कर पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

धर्म की रक्षा के लिए भगवान लेते हैं अवतार : प्रशांत कुमार मिश्रा

लालगंज, मीरजापुर। बल्हिया खुर्द गांव में चल रही श्रीमद्भागवत कथा में शनिवार को भगवान वराह अवतार, सृष्टि वर्णन और सुकागमन प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन किया गया।वृंदावन धाम के कथावाचक महाराज प्रशांत कुमार मिश्रा ने कहा कि जब-जब पृथ्वी पर अधर्म बढ़ता है तब भगवान किसी न किसी रूप में अवतार लेकर धर्म की स्थापना करते हैं।कथावाचक ने सुकदेव जी के आगमन प्रसंग का वर्णन करते हुए कहा कि संतों का जीवन समाज को सत्य और भक्ति का मार्ग दिखाने के लिए होता है।संत समाज में प्रेम, त्याग और सदाचार की भावना जागृत करते हैं। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा मनुष्य को ईश्वर से जोड़ने का माध्यम है।जिससे जीवन में शांति और सकारात्मकता आती है।सृष्टि वर्णन प्रसंग में महाराज ने कहा कि ईश्वर ने संपूर्ण संसार की रचना जीवों के कल्याण के लिए की है। मनुष्य को अपने कर्मों के अनुसार फल प्राप्त होता है।इसलिए जीवन में सदैव धर्म और सत्य के मार्ग पर चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि भागवत कथा केवल धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि समाज को जागरूक करने का माध्यम भी है।भगवान वराह अवतार की कथा सुनाते हुए महाराज ने बताया कि दैत्य हिरण्याक्ष ने पृथ्वी को पाताल लोक में पहुंचा दिया था। तब भगवान विष्णु ने वराह रूप धारण कर पृथ्वी का उद्धार किया और अधर्म का अंत किया। भगवान का यहे अवतार धर्म, सत्य और मानव कल्याण का प्रतीक माना जाता है।कथा के उपरांत भजन-कीर्तन और आरती पूजन हुआ। आयोजन समिति के हरिशंकर मिश्रा, मालती मिश्रा एवं रमाशंकर मिश्रा ने विधि-विधान से आरती की। कथा स्थल पर श्रद्धालु देर शाम तक कथा श्रवण करते रहे।

संक्षेप

अवैध असलहा सहित युवक गिरफ्तार

टूंडला। थाना टूण्डला पुलिस टीम ने चैकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर एक अभियुक्त अमन पुत्र सतीशचन्द्र निवासी अलीनगर केंजरा राजा का ताल थाना टूण्डला जनपद फिरोजाबाद को मय एक तमन्चा व एक जिंदा कारतूस के साथ जे0बी0 इन्टर कॉलेज के पास से गिरफ्तार किया है। थाना पुलिस ने बरामदगी गिरफ्तारी के आधार पर थाना हाजा पर आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष पेश किया है।

यमुना की सफाई के लिए बना कॉक्रोच पहुंचा नगर निगम

मथुरा। यमुना नदी के प्रदूषण और मथुरा में फैली गंदगी से आक्रोशित एक सामाजिक कार्यकर्ता शुक्रवार को अनोखे अंदाज में विरोध जताने नगर निगम कार्यालय पहुंचा। युवक तो अधिकारी, कर्मचारी और आम लोग हैरान रह गए। कॉकरोच का वेश धरे दीपक शर्मा ने कहा, यमुना प्रदूषण और शहर की गंदगी से मुंह मोड़े बैठे नाकारा अधिकारियों की आंखें खोलने के लिए मुझे यह रूप धारण करना पड़ा। जब हम जैसे युवा तथ्य लेकर न्यायालय जाते हैं, तब ऊंचे पदों पर बैठे जिम्मेदार लोग हमें कॉकरोच कहकर मुद्दे को नजरअंदाज करते हैं। नगर निगम कार्यालय में शर्मा को देखने के लिए कुछ ही देर में भीड़ जुट गई। कई लोगों ने मोबाइल से वीडियो बनाना शुरू कर दिया। शर्मा ने आग्रह किया कि यदि समय रहते व्यवस्था नहीं सुधरी तो यमुना के हालात और गंभीर हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि हम ब्रजवासी यमुना का आचमन करते हैं, लेकिन वर्षों से यमुना को प्रदूषण मुक्त करने का वादा करके भी कुछ नहीं किया गया। मथुरा-वृंदावन में गंदे नालों का पानी खुलेआम नदी में गिर रहा है। अधिकारी मुंह फेरे बैठे हैं। उनके कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही।

उन्होंने जनता से अपील की कि नियम तोड़ने वाले अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराएं। संविधान का उल्लंघन करने वालों को बख्शा नहीं जाना चाहिए। दीपक शर्मा ने अधिकारियों का ध्यान खींचने के लिए उनकी कार के सामने भी प्रदर्शन किया, लेकिन किसी अधिकारी ने प्रतिक्रिया नहीं दी। बाद में वह ज्ञापन सौंपकर लौट गए।।

भिक्षावृत्ति करने वाले 25 बच्चों को कराया मुक्त

मथुरा। जनपद में बाल भिक्षावृत्ति और बालश्रम के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटीयू) पुलिस टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 25 बच्चों को भिक्षावृत्ति से मुक्त कराया। यह अभियान थाना बरसाना क्षेत्र स्थित श्रीजी राधारानी मंदिर के आसपास चलाया गया, जहां बड़ी संख्या में बच्चे भीख मांगते हुए पाए गए। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई शासन के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत की गई। अभियान में थाना एएचटीयू/एसजेपीयू पुलिस टीम के साथ चाइल्ड लाइन और बाल संरक्षण इकाई की टीम भी शामिल रही। संयुक्त टीम ने मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में सघन छापेमारी कर बच्चों को भिक्षावृत्ति से मुक्त कराया। कार्रवाई के बाद सभी बच्चों की आवश्यक विधिक प्रक्रिया पूरी करते हुए उन्हें उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। साथ ही संबंधित विभागों द्वारा यह सुनिश्चित किया गया कि बच्चों को दोबारा ऐसी स्थिति में न आना पड़े। अभियान के दौरान स्थानीय दुकानदारों और आम नागरिकों को भी जागरूक किया गया।

नरहोली बारात की घटना की निष्पक्ष जांच व दोषियों पर कठोर कार्रवाई हो

मथुरा। अखिल भारतीय समता फाउंडेशन जनपद मथुरा द्वारा रमेश सैनी जी के नेतृत्व में मथुरा जनपद के नरहोली थाना हाईवे में अनुसूचित जाति की बारात पर जातीय पूर्वाग्रह से ग्रसित लोगों द्वारा हमला कर किए गए उपद्रव के दौरान हुए मुकदमा में निर्दोष लोगों को बचाने, दोषी लोगों पर कार्रवाई तथा जातिवादी पुलिस चैकी तारसी इंचार्ज की तत्काल बर्खास्त की मांग के साथ 9 सूत्रीय खुला मांग पत्र जिलाधिकारी मथुरा के नाम अपर जिलाधिकारी वेद प्रकाश को सौंपा।

प्रदर्शन कर खुला मांग पत्र सौंपने के दौरान एड सरदार अमरजीत सिंह, एवं एड अजय सनवाल, हीरा चक्रवर्ती, डॉ जगदीश मौर्य ने संयुक्त रूप से उक्त घटना की निष्पक्ष जांच के साथ निर्दोष पुलिसकर्मियों पर हुए हमले तथा चैकी इंचार्ज तारसी को तत्काल बर्खास्त कर क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए जाने के लिए उचित कदम एवं पीड़ित पक्ष के जान माल की रक्षा की बात कही साथ ही कथित गोली बाजी की घटना की निष्पक्ष जांच की मांग की।

इस मौके पर लुकेश कुमार राही एवं संजय कुमार बौद्धी ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था को जातिवादी रंग चढ़ गया है साथ ही कुछ राजनीतिक एवं सामाजिक संगठनों के लोग सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए गलत और भ्रामक बयान बाजी कर माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे हैं जिन पर वीडियो फुटेज जैसे तथ्यों को ध्यान में रखकर मुकदमा लिखा जाए। प्रदर्शन के दौरान मौजूद लोगों ने दोनों पक्षों के दोषी लोगों के खिलाफ एवं लापरवाह पुलिस चैकी इंचार्ज तारसी थाना हाईवे व गलत बयान बाजी करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई कर अमन चैन बहाली की मांग की।

प्रदर्शन एवं खुला मांग पत्र के दौरान सागर सिंह, सीवी विकल, चित्रसेन मौर्य, मेहताब सिंह, लक्ष्मी नारायण प्रधान, आकाश बाबू, डॉ अंकित सागर, प्रमोद कुमार जाटव, एड अमरजीत सिंह, डॉ भानु प्रताप सिंह, डॉ आरबी सिंह, अमित कुमार, सोनू हरसानिया, डॉ जगदीश मौर्य, अजय सनवाल, दिगंबर सिंह, हीरा चक्रवर्ती, राजेश कुमार आजाद, लाखन सिंह, एड सौरभ सिंह, एड अरविंद कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

मथुरा में जनगणना-2027 का बिगुल : मकान सूचीकरण और मकान गणना का काम शुरू

मथुरा। जनपद में जनगणना-2027 के प्रथम चरण हमकान सूचीकरण एवं मकान गणनाह कार्य का विधिवत शुभारंभ हो गया है। जनगणना कार्य के शुरू होते ही जिले के विभिन्न शासकीय, सार्वजनिक स्थलों और ऐतिहासिक व प्रसिद्ध मंदिर परिसरों में निर्धारित मानकों के अनुरूप भवनों की गणना और क्रमांकन (नंबरिंग) की कार्यवाही की गई।

जनपद में 7 मई से 21 मई 2026 तक संचालित स्व-गणना अभियान सफलतापूर्वक संपन्न होने के बाद अब यह मुख्य चरण शुरू हुआ है, जो 22 मई से 20 जून 2026 तक चलेगा। इस दौरान नियुक्त प्रगणक घर-घर जाकर मकानों की नंबरिंग, भवन की स्थिति और उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं जैसी आवश्यक जानकारियों का विवरण संकलित करेंगे। जनगणना कार्य को समयबद्ध, पारदर्शी और त्रुटिरहित ढंग से पूरा कराने के लिए प्रशासन ने व्यापक स्तर पर तैनाती की है। समीक्षा एवं निगरानी के लिए 98 सेक्टर मजिस्ट्रेट और 9 जोनल मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। पूरे जिले में 4,773 मकान सूचीकरण ब्लॉक बनाए गए हैं, जिनमें लगभग 4,600 प्रगणक और 770 पर्यवेक्षक लगाए गए हैं। जनगणना निदेशालय लखनऊ से जिला प्रभारी के रूप में मुगेंद्र बहादुर सिंह और सह जिला प्रभारी के रूप में अभिषेक पांडे को नियुक्त किया गया है। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) डॉ. पंकज कुमार वर्मा ने अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए हैं कि कोई भी घर गणना से वंचित न रहे और न ही किसी मकान का दोहराव हो। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि प्रथम चरण में केवल मकानों और सुविधाओं के आंकड़ों का संकलन होता है, इसमें बेघर परिवारों की गणना नहीं की जाती है। जिलाधिकारी ने समस्त मथुरा वासियों से अपील की है कि वे राष्ट्रीय महत्व के इस कार्य में प्रगणकों को सही और पूरी जानकारी देकर सहयोग करें।

2 शातिर चोर गिरफ्तार

मथुरा। थाना कोतवाली पुलिस और स्वाट टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए शनिवार (23 मई 2026) को मुखबिर की सूचना पर माल गोदाम रोड के पास से घर का ताला तोड़कर चोरी करने वाले गुड्डू उर्फ छोटू निवासी बैकुंठ विहार/थाना हाईवे, रवि सिंह (उम्र 25 वर्ष), निवासी महाराज गार्डन/थाना हाईवे को गिरफ्तार किया है पकड़े गए आरोपित शातिरों के कब्जे से 95,000 नगद, 1 काली धातु का मुकुट, 1 सफेद धातु की राधा-कृष्ण मूर्ति, 4 जोड़ी सफेद धातु की पायल, 4 पीली धातु की अंगूठियां, 1 पीली धातु की चेन और 6 सफेद धातु के सिक्के बरामद हुए हैं।

गैंगस्टर के तहत 2 अभियुक्तों की 37 लाख 62 हजार की अचल संपत्ति की कुर्क

फिरोजाबाद। एसएसपी आदित्य लांग्हे के निर्देशन में अपराधियों पर लगातार धारा 14(1) के अन्तर्गत प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में एसएसपी आदित्य लांग्हे के निर्देशन में थाना रसूलपुर पुलिस टीम द्वारा गैंगस्टर एक्ट के तहत अभियुक्तगण प्रदीप कुमार व गौरव सिंह की 37 लाख 62 हजार चार सौ पचास रुपए की अचल सम्पत्ती को कुर्क कर जब्तीकरण की कार्यवाही की गयी। शनिवार को थाना रसूलपुर पुलिस टीम मय राजस्व टीम द्वारा गिरोहबंद एवं असामाजिक क्रियाकलाप निवारण अधिनियम 1986 थाना रामगढ़ जनपद फिरोजाबाद से सम्बन्धित अभियुक्त प्रदीप कुमार पुत्र मोहन लाल निवासी हीरालाल की बगीची यमुना ब्रिज छाया थाना एत्मादौला जनपद आगरा की अचल सम्पत्ती एक किता खाली प्लाट वाके नवलगंज मौजा चक हफतम तहसील एत्मादपुर आगरा का क्षेत्रफल 836.1 वर्ग मीटर में से 1/4 भाग जिसकी अनुमानित कीमत अठारह लाख इक्यासी हजार दो सौ पच्चीस रुपये है, व अभियुक्त गौरव सिंह पुत्र अजीत सिंह निवासी गढ़ी जगन्नाथ रहनकला, थाना एत्मादपुर जनपद आगरा की अचल सम्पत्ती एक किता खाली प्लाट वाके नवलगंज मौजा चक हफतम तहसील एत्मादपुर आगरा का क्षेत्रफल 836.1 वर्ग मीटर में से 1/4 भाग जिसकी अनुमानित कीमत अठारह लाख इक्यासी हजार दो सौ पच्चीस रुपये है, को अन्तर्गत धारा 14(1) गिरोहबंद एवं असामाजिक क्रियाकलाप निवारण अधिनियम 1986 में को कुर्क कर जब्तीकरण की कार्यवाही की गयी है। पूर्व में भी थाना रसूलपुर पुलिस टीम द्वारा थाना रामगढ़ पर पंजीकृत मुकदमे धारा 2/3 गैंगस्टर एक्ट से संबंधित अन्य अभियुक्तगण मायाराम पुत्र मानिक चंद की मूल्य 08 लाख 08 हजार की चल/अचल सम्पत्ती, अभियुक्त सुशील कुमार उर्फ सट्टा पुत्र भीमसेन की 31 लाख 65 हजार नौ सौ बावन रुपये की अचल सम्पत्ती अभियुक्त राशिद पुत्र स्व0 अख्त अली की 38 लाख 02 हजार पाँच सौ चौवन रुपये की अचल सम्पत्ती व अभियुक्त भीमसेन पुत्र मान सिंह की मूल्य 13 लाख 39 हजार सत्तर रुपये की अचल सम्पत्ती को कुर्क कर जब्तीकरण की कार्यवाही की जा चुकी है।

चूड़ी कारखानेदारों, स्टॉकिस्टों व गोदाम मालिकों के मध्य बैठक आयोजित

फिरोजाबाद। डीएम संतोष कुमार शर्मा के कुशल निर्देशन में शनिवार को चूड़ी के टैंक फर्नेस कारखानेदारों, स्टॉकिस्टों एवं चूड़ी गोदाम मालिकों के मध्य उत्पन्न गतिरोध को दूर करने तथा सफेद चूड़ी की मूल्य वृद्धि पर प्रभावी रोक लगाने हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, डीएम के सख्त निर्देशों के अनुपालन में प्रशासन सिटी मजिस्ट्रेट एवं सहायक श्रमायुक्त की मौजूदगी में दोनों पक्षों के बीच वार्ता हुई, जिसमें जनहित और उद्योग हित को ध्यान में रखते हुए कई प्रमुख बिंदुओं पर पूर्ण सहमति बनी और समझौता सम्पन्न हुआ, सफेद चूड़ी के स्टॉकिस्टों द्वारा अवगत कराया गया कि वर्तमान में गुणवत्ता के आधार पर रुपए 150 से रुपए 200 प्रति टोडा की दर से गोदाम स्वामियों को माल बेचा जा रहा है।

डीएम के निर्देशों का सम्मान करते हुए बैठक में स्टॉकिस्ट राजकुमार सहित सभी स्टॉकिस्टों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि भविष्य में इसमें कोई मूल्य वृद्धि नहीं की जाएगी। टैंक कारखानेदार विनीत मित्तल ने आश्वस्त किया की चूड़ी उद्योग की निरंतरता को बनाए रखने के लिए कारखाने सुचारू रूप से चलते रहेंगे, डीएम की मंशा के अनुरूप कार्य को सुचारू रखने के लिए दुकानदारों से लिखित आश्वासन लिया जाएगा, कि वह काम बंद नहीं करेंगे, जिससे स्थानीय श्रमिकों का रोजगार प्रभावित न हो। भविष्य में किसी भी विवाद या मूल्य नियंत्रण हेतु एक संयुक्त समिति का गठन किया जाएगा, जो 9 सदस्यीय होगी, जिसमें तीन गोदाम स्वामी, तीन टैंक कारखाने के मालिक और तीन स्टॉकिस्ट प्रतिनिधि होंगे, यह समिति प्रशासन के समन्वय से ही भविष्य में प्रति तोड़ा चूड़ी के मूल्य के संबंध में कोई भी निर्णय ले सकेंगी। इस प्रकार डीएम के हस्तक्षेप और निर्देशों के बाद लंबे समय से चल रहे यह विवाद सौहार्दपूर्ण वातावरण में समाप्त हो गया, बैठक में उपस्थित सभी कारखानेदारों, स्टॉकिस्टों एवं गोदाम मालिकों ने प्रशासन की उपस्थिति में समझौते के सभी प्रस्ताव पर हस्ताक्षर कर अपनी पूर्ण सहमति व्यक्त की।

स्वच्छता को संस्कार बनाने की डीएम की अनूठी मुहिम

फिरोजाबाद। जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट परिसर सहित जनपद के सभी सरकारी कार्यालयों को स्वच्छ सुंदर और पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए एक विशेष कार्ययोजना की घोषणा की है। इस मुहिम के तहत अब प्रत्येक माह के दूसरे और चौथे शनिवार को विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के तहत सभी अधिकारी और कर्मचारी स्वतः स्फूर्त होकर स्वेच्छा से अनिवार्य रूप से दो घंटे का श्रमदान करेंगे। जिलाधिकारी ने स्वच्छता के प्रति अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति और दूरदर्शी सोच को साझा करते हुए बताया कि केवल सफाई करना ही इस अभियान का उद्देश्य नहीं है, बल्कि उस स्वच्छता को स्थायी बनाए रखना असली चुनौती है। जिलाधिकारी ने जानकारी दी कि पिछले 15 दिनों में जिन-जिन स्थानों पर विशेष सफाई अभियान चलाया गया था, उन जगहों पर फिर से गंदगी न फैले, इसके लिए वहाँ फूलों के पौधे लगाए गए हैं। परिसर और जनपद में जहाँ भी गंदगी या कबाड़ दिखाई दे रहा है, उन नए स्थानों को चिन्हित कर तेजी से साफ कराया जा रहा है। सफाई के बाद इन स्थानों का उपयोग इस प्रकार किया जाएगा जिससे वहाँ दोबारा कचरा जमा न हो सके। अभियान के दौरान केवल दृश्यमान गंदगी को ही साफ नहीं किया जाएगा, बल्कि कलेक्ट्रेट परिसर और अन्य सरकारी भवनों में बुनियादी सुविधाओं की बारीकी से समीक्षा की जा रही है। जिलाधिकारी ने बताया कि परिसर में अवसंरचना और संचालन एवं रखरखाव से संबंधित जो भी छोटी-मोटी कमियाँ या खामियाँ पाई जा रही हैं, उन्हें चिन्हित कर लिया गया है। इन सभी तकनीकी और व्यवस्थागत कमियों को तत्काल प्रभाव से दूर करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

स्वच्छता व व्यवस्था में जनता और प्रशासन से अपील : जिलाधिकारी की इस भावना से स्पष्ट है कि वे कलेक्ट्रेट और जनपद के हर दफ्तर को एक आदर्श और गरिमापूर्ण कार्यस्थल के रूप में विकसित करना चाहते हैं। उन्होंने सभी विभागीय प्रमुखों और कर्मचारियों से अपील की है कि वे इस पाक्षिक महीने में दो बार अभियान को केवल एक सरकारी औपचारिकता न मानकर, एक नागरिक कर्तव्य के रूप में अपनाएं ताकि आने वाले समय में पूरा जनपद स्वच्छता की एक नई मिसाल पेश कर सके।

अमृत सरोवर को और अधिक सुव्यवस्थित और संगठित बनाने के निर्देश

स्वच्छता अभियान के उपरांत जिलाधिकारी ने जनपद के अमृत सरोवर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सरोवर की वर्तमान स्थिति का जायजा लिया और जल संरक्षण के इस महत्वपूर्ण ढांचे को और अधिक सुव्यवस्थित, संगठित और सुंदर बनाने हेतु संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अमृत सरोवर न केवल जल संचयन का केंद्र हैं, बल्कि इन्हें आम जनमानस के लिए एक स्वच्छ और दर्शनीय स्थल के रूप में विकसित किया जाए। इस दौरान अपर जिलाधिकारी न्यायिक अरविंद कुमार द्विवेदी अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे मोहनलाल गुप्ता सहित आदि जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

युवती और उसके प्रेमी ने की आत्महत्या

कौशांबी। जिले के कोखराज थाना क्षेत्र में एक युवती और उसके प्रेमी ने अपने-अपने घरों में कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के मुताबिक युवती की एक महीने बाद किसी अन्य व्यक्ति से शादी होने वाली थी। पुलिस ने बताया कि यह घटना शुक्रवार को कोखराज थाना क्षेत्र के रामचौरा गांव में घटी। दोनों मृतक एक ही गांव के निवासी थे। पुलिस के अनुसार कोखराज थाना क्षेत्र के भरवारी नगर पालिका परिषद के रामचौरा गांव निवासी कोमल पटेल (20) और कुलदीप पटेल (21) एक-दूसरे से प्रेम करते थे। कोमल की अगले माह 19 जून को शादी तय थी। अधिकारियों ने बताया कि दोनों को इस बात का डर था कि वे शादी के बाद एक-दूसरे से नहीं मिल पाएंगे, इसलिए दोनों ने यह कदम उठाया। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार सुबह दोनों के शव उनके घरों के अंदर छत के पंखों से लटके हुए मिले।

बिजली कटौती को लेकर किसानों ने किया प्रदर्शन

फिरोजाबाद। थाना मक्खनपुर के अरमरा जट्ट में बिजली की अंधाधुंध कटोती को लेकर भारतीय किसान यूनियन जनशक्ति के जिलाध्यक्ष नागेंद्र सिंह यादव के नेतृत्व में धरना प्रदर्शन किया गया। इस दौरान किसानों ने जमकर नारेबाजी की। किसानों ने मांग की कि बिजली कटौती को तत्काल रोका जाए जिससे किसानों की फसलों को सूखने से बचाया जा सके। ग्रामीण क्षेत्र में बिजली की अंधाधुंध कटौती की जा रही है। दो चार घंटे से बिजली सप्लाई मिल रही है। जिससे किसानों की फसलें सुख रही है। किसानों ने मांग की कि बिजली की कटौती तत्काल प्रभाव से बंद की जाय। किसानों को समय सीमा के अनुसार बिजली मुहैया कराई जाए। कई गांवों में बिजली के तार खेतों, गलियों में झूल रहे है। जिससे किसानों का गलियों में ट्रैक्टर निकलना भी मुश्किल हो रहा है। बिजली की लाइन ढीली होने के कारण ट्रैक्टर साइलेंसर में फंस रही जाती है जिससे कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। ऐसी लाइनों को सही कराया जाए। किसानों के प्रदर्शन की जानकारी पर पहुंचे विद्युत विभाग के अधिकारियों ने किसानों को आश्वासन दिया कि उनकी समस्या का जल्द ही निस्तरण किया जाएगा।

एसएसपी से पत्नी को खोजने की लगायी गुहार

फिरोजाबाद। थाना नसीरपुर क्षेत्र के गांव करनपुर से सत्संग को गई महिला का होली के बाद से कोई सुराग नहीं लगा है। पीड़ित ने एसएसपी को शिकायती पत्र देकर पत्नी को बरामद करने की गुहार लगाई है। वीर सिंह पुत्र होरीलाल निवासी ततारपुर थाना नसीरपुर की शादी को 18 साल हो चुके हैं। उसकी पत्नी रूबी 5 मार्च को सत्संग में जाने की कहकर घर से गई थी। वह अपने साथ बेटी खुशबू को अपने साथ ले गई। जब वह घर नहीं आई तो उसकी तलाश की लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लगा है। पीड़ित ने एसएसपी से पत्नी बेटी को बरामद करने की गुहार लगाई है। पति ने कहा कि वह इंस्टाग्राम पर रजनी यादव 2822 के नाम से पत्नी के फोटो वायरल हो रहे है। घर में मां के रहने से छोटे बच्चे परेशान हैं।

समाधान दिवस में डीएम ने सुनीं शिकायतें

फिरोजाबाद। थाना समाधान दिवस का आयोजन थाना दक्षिण में आयोजित किया गया, जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने समस्याओं को त्वरित निस्तारण के लिए सम्बंधित थाना प्रभारी और राजस्व विभाग को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए, जिलाधिकारी ने यहां आई हुई समस्त शिकायतों पर गंभीरतापूर्वक सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए, की जनता को त्वरित न्याय दिलाना हमारा कर्तव्य है, जमीनों पर अवैध कब्जें की कोशिश करने वाले भू-माफियाओं और प्रताड़ित करने वाले व्यक्तियों को किसी भी सूरत में बख्सा नहीं जाएगा, पुलिस और राजस्व की संयुक्त टीमें मौके पर जाकर जांच करेंगे और न्यायोचित कार्रवाई सुनिश्चित करेंगी। इस अवसर पर थाना दक्षिण के अंतर्गत नई बस्ती की निवासी अनीता अग्रवाल ने शिकायत की कि उनके भाई विवेक अग्रवाल से विवाद चल रहा है, आवेदिका का आरोप है कि सिविल लाइन फिरोजाबाद में वाद संख्या 541/2025 विचाराधीन होने के बावजूद पुलिस द्वारा उनके भाई को प्रताड़ित किया गया, मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए जिलाधिकारी ने क्षेत्राधिकारी को जांच के आदेश दिए हैं, ताकि पीड़ित परिवार को मानसिक उत्पीड़न से राहत और सुरक्षा मिल सके। इसी तरह थाना उत्तर के कबीर नगर निवासी अविनाश कुमार कोरी पुत्र हरी राम कोरी ने शिकायत की की 2014 में उसने मौजा लालऊ में 465 वर्ग मीटर का एक प्लॉट खरीदा था, जिस पर स्थानीय दबंगों द्वारा उनकी पैतृक भूमि पर अवैध कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है और निर्माण कार्य रोकने पर जान से मारने की धमकी दी जा रही है, जिस पर जिलाधिकारी ने प्रभारी थाना दक्षिण को तीन दिवस के भीतर जांच कर प्रेषित करने के निर्देश दिए, साथ ही राजस्व टीम के साथ समन्वय स्थापित कर भूमि की पैमाइश कराने और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई कराने का आदेश जारी किया, इस तरह जिलाधिकारी के समक्ष आई हुई समस्याओं का निस्तारण करने हेतु सम्बंधितों को निर्देशित किया, इस अवसर पर एसपी सिटी रवि शंकर प्रसाद, नगर मजिस्ट्रेट विनोद कुमार पांडे थाना प्रभारी आदि अधिकारी उपस्थित रहें।

श्रीबांके बिहारी की शरण में पहुंचे नये एडीजी निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाएं परखीं

मथुरा(मधुसूदन शर्मा)। आगरा जोन के नवनियुक्त एडीजी एस.के. भगत ने शनिवार को वृंदावन पहुंचकर ठाकुर बांके बिहारी महाराज के दर्शन किए। कार्यभार ग्रहण करने से पहले उन्होंने मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश में शांति, सुरक्षा और समृद्धि की कामना की। मंदिर पहुंचने पर सेवायतों ने उनका स्वागत कर प्रसादी वस्त्र, अंगवस्त्र और प्रसाद भेंट किया। मई 2026 में हुए आईपीएस अधिकारियों के तबादलों के बाद 1998 बैच के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी एस.के. भगत को आगरा जोन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी क्रम में वह शनिवार को बांके बिहारी मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने श्रद्धा भाव से पूजा-अर्चना कर मंदिर की देहरी पर इत्र अर्पित किया। मंदिर के सेवायत गोस्वामी बालकृष्ण ने उन्हें ठाकुर जी का प्रसाद एवं आशीर्वाद प्रदान किया। दर्शन के दौरान मंदिर परिसर में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चैबंद रही और पुलिस अधिकारी लगातार व्यवस्थाओं पर नजर बनाए रहे। दर्शन के बाद एडीजी एस.के. भगत ने वृंदावन स्थित पर्यटन थाने का निरीक्षण भी किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से सुरक्षा व्यवस्था और पर्यटन क्षेत्र से जुड़ी व्यवस्थाओं की जानकारी ली। गौरतलब है कि पूर्व एडीजी अनुपम कुलश्रेष्ठ का तबादला कर उन्हें कानपुर जोन भेजा गया है। इस दौरान डीआईजी आगरा शैलेश कुमार पांडे और एसएसपी श्लोक कुमार सहित भारी पुलिस बल मौजूद रहा। आगरा जोन के नए अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) एस.के. भगत ने शनिवार को गोवर्धन पहुंचकर गिरिराज महाराज के दर्शन किए और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। मंदिर में एडीजी भगत ने प्रदेश में शांति, कानून व्यवस्था और जनकल्याण की कामना की। दर्शन-पूजन के दौरान श्रद्धालुओं ने भी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का स्वागत किया।

कार्यकताओं को मनाने पहुंचे भाकियू प्रदेश अध्यक्ष

मथुरा। भारतीय किसान यूनियन टिकैत के कुनबे को मजबूत करने और आंतरिक मतभेदों को दूर करने के लिए राष्ट्रीय प्रवक्ता चैधरी राकेश टिकैत के निदेर्शानुसार आज संगठन के प्रदेश अध्यक्ष पंडित राजपाल शर्मा ने एक बड़ी और महत्वपूर्ण पहल की। संगठन के कुछ मुद्दों से आहत होकर घर बैठे मथुरा जनपद के तमाम दिग्गज व पुराने पदाधिकारियों को मनाने खुद प्रदेश अध्यक्ष बरौली स्थित प्रदेश प्रवक्ता के कैंप कार्यालय पहुंचे। कैंप कार्यालय पर आयोजित इस विशेष बैठक में प्रदेश अध्यक्ष राजपाल शर्मा ने संगठन से दूर चल रहे सभी मायूस पदाधिकारियों और कार्यकताओं से सीधा संवाद किया। उन्होंने सभी की बातों को अत्यंत गंभीरता और संवेदनशीलता से सुना। प्रदेश अध्यक्ष के समझाने और सकारात्मक रुख के बाद, घर बैठे सभी समर्पित पदाधिकारियों ने अपनी हताशा को भुलाकर पुनः भाकियू टिकैत में वापसी की और संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया। इस मौके पर कार्यकताओं में नया जोश भरते हुए प्रदेश अध्यक्ष राजपाल शर्मा ने स्पष्ट शब्दों में कहा भारतीय किसान यूनियन टिकैत की असली ताकत हमारे जमीनी कार्यकर्ता और पदाधिकारी हैं।

भंडारे का दूषित भोजन खाने से 12 गोवंश की मौत, सात की हालत गंभीर, गांव में फोर्स तैनात

मथुरा(मधुसूदन शर्मा)। रिफाइनरी के गांव भैंसा में दुखद घटना सामने आई है, जहां एक दिवंगत प्रधान के मृत्युभोज में बचे भंडारे का भोजन खाने से श्रीलक्ष्मीनारायण गोशाला में 12 गोवंश (गायों) की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं सात अन्य गोवंश की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है, जिनका इलाज चल रहा है। घटना के बाद से ही गांव में भारी तनाव और आक्रोश का माहौल है, जिसे देखते हुए सुरक्षा के लिहाज से दो थानों का पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर तैनात कर दिए गए हैं। गौरतलब हो कि गांव भैंसा के वर्तमान प्रधान जगन्नाथ सिंह का पिछले रविवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था। उनके निधन के बाद बुधवार को मृत्युभोज का आयोजन किया गया, जिसमें चैरासी गांवों के लोगों को आमंत्रित किया गया था। भोज के बाद बचा हुआ पुआ और दही गांव से बाहर स्थित गोशाला में गोवंशी को खिलाने के लिए भेज दिया गया। बताया गया है कि शुक्रवार को यह भोजन गोशाला पहुंचाया गया था। ग्रामीणों का कहना है कि भीषण गर्मी के कारण भोजन खराब और जहरीला हो चुका था। जैसे ही गोवंशी ने उसे खाया, उनकी हालत बिगड़ने लगी। कुछ ही देर में कई गायें जमीन पर गिरकर तड़पने लगीं। अब तक आधा दर्जन से अधिक गोवंशी की मृत्यु हो चुकी है, जबकि दर्जनभर से अधिक गौवंश मरणासन्न हालत में पड़े हुए हैं। कई गायों के मुंह से झाग निकलते देख ग्रामीण घबरा गए और तुरंत प्रशासन को सूचना दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही एसडीएम सदर आदेश कुमार, ट्रेनी आईपीएस एवं थाना प्रभारी रिफाइनरी जयविंद गुप्ता, क्षेत्रीय लेखपाल समेत कई थानों का पुलिस फोर्स मौके पर पहुंच गया। वहीं पशुओं की हालत गंभीर देख बैटनरी कॉलेज से पशु चिकित्सकों की टीम को बुलाया गया, जिसने बीमार गोवंशी का उपचार शुरू किया।

मथुरा में सीपीडी 2.0 सत्र आयोजित किया गया

मथुरा। फेडरेशन ऑफ ऑब्स्टेट्रिक एंड गायनेकोलॉजिकल सोसायटीज ऑफ इंडिया, देश में मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य की साक्ष्य-आधारित सेवाओं को प्रोजेक्ट अधुना (एडवांस्ड डिलीवरी ऑफ हेल्थकेयर थ्रु अपग्रेडेड न्यू बोर्न एंड इंट्रापार्टम केयर एप्रोचेस) के माध्यम से आगे बढ़ा रहा है। सीपीडी के पहले चरण की सफलता के बाद, सीपीडी 2.0, की शुरूआत की गई है, जिसका उद्देश्य एंटिनेटल, इंट्रापार्टम, पोस्टनटल और नियोनेटल देखभाल के पूरे क्रम में प्रीटर्म जन्मों की रोकथाम, प्रबंधन और बेहतर परिणाम सुनिश्चित करना है।

प्रोजेक्ट अधुना के अंतर्गत चयनित 29 जिलों में से एक, मथुरा में सीपीडी 2.0 सत्र 21 मई 2026 को आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व डॉ. भास्कर पाल (प्रेसिडेंट, एफ.ओ.जी.एस.आई.2026) तथा डॉ. जयदीप टैंक (प्रोजेक्ट डायरेक्टर, अधुना एवं पास्ट प्रेसिडेंट, एफओजीएस आई.2024) ने किया। यह सत्र मथुरा ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजिकल सोसाइटी के सहयोग से, डॉ. अंजू गुप्ता (अध्यक्ष, मथुरा ऑब्स्टेट्रिक्स एवं गायनेकोलॉजी सोसाइटी) तथा डॉ. प्रीति लालवानी (सेक्रेटरी) मथुरा ऑब्स्टेट्रिक्स एवं गायनेकोलॉजी सोसाइटी) के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ, जिसमें इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स मथुरा चैप्टर के नेतृत्वकर्ता डॉ. विपुल गोयल (अध्यक्ष) तथा डॉ. पंकज जैन (सेक्रेटरी), अधुना मास्टर ट्रेनर्स और चैंपियंस का सहयोग रहा। यह कार्यक्रम मथुरा के निजी होटल में आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ प्रसूति एवं स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉ. अंजू गुप्ता अध्यक्ष एवं डॉ. प्रीती लालवानी सचिव, कोषाध्यक्ष डा. हर्षिता सिंघल, डॉ. एन.सी. प्रजापति, डॉ, पी.के. गुप्ता, डॉ. डुल्लू, डॉ. दीपशिखा इंजीनियर, डॉ. वर्षा तिवारी, डॉ. अल्पना अग्रवाल, डॉ. नेहारिका मल्होत्रा, डॉ. अर्चना वर्मा, डॉ. वीना उप्पल, डॉ. विपुल गोयल, डॉ. योगेश अग्रवाल, डॉ. पवन अग्रवाल, डॉ. के.के. अग्रवाल, डॉ. संजय गुप्ता, डॉ. पंकज जैन, डॉ सौरभ गोयल, डॉ. मीना सूद, डॉ. अनुराधा माहेश्वरी, डॉ. प्रीति गोयल, डॉ. पुलकित मेहता, डॉ. लक्ष्मी शर्मा, डॉ. रितेन गोयल, डॉ. रमनीश प्रजापति, डॉ. शेफाली अग्रवाल, डॉ. अंशू शर्मा, डॉ. नीरज अग्रवाल, डॉ. शिल्पा गोयल, डॉ. अनन्त व्यास, डॉ. वर्तिका किशोर, डॉ. ज्योति, डॉ. कृष्णा, डॉ. मुक्ता, डॉ. आरती गुप्ता, डॉ. नीलिमा अग्रवाल, डॉ. प्रेरणा अग्रवाल, डॉ. मोनिका गुप्ता, डॉ. अनुभा सिंह, डॉ. नेहा शर्मा, डॉ. हर्षिता सिंघल, डॉ. अवधेश, डॉ. रजनी, डॉ. ललिता भरतिया, डॉ. अंकिता, डॉ. प्रीति वरिष्ठ, डॉ. शिखा व्यास, डॉ. गणेश शर्मा, डॉ. लता, डॉ. नीता, डॉ. आँचल, डॉ. नम्रता सिंह, ग्लोबल हेल्थ स्ट्रेट्रीज के वाईस प्रेसीडेंट अनुज घोष तथा अधुना टीम से रवि आदि चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों ने भाग लिया।

संक्षेप

पीस कमेटी की बैठक आज

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा की अध्यक्षता में यह बैठक 24 मई, 2026 (रविवार) को सायं 05:30 बजे आयोजित की जाएगी, जिसमें जनपद के विभिन्न धर्मगुरुओं, जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। बैठक के माध्यम से पर्व के दौरान कानून-व्यवस्था, आपसी सौहार्द, साफ-सफाई, विद्युत एवं पेयजल व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा की जाएगी, ताकि त्योहार को शांति एवं भाईचारे के वातावरण में संपन्न कराया जा सके। समस्त उप जिलाधिकारी एवं क्षेत्राधिकारी को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों के धर्मगुरुओं एवं संबंधित व्यक्तियों को बैठक में समय से प्रतिभाग कराने हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें।

दुकान में चोरी संचालिका परेशान

मड़िहान/मीरजापुर। जिंदगी पहले ही एक बड़ा जख्म दे चुकी थी। पति की मौत के बाद किसी तरह टूटे सपनों को समेटकर अपने बच्चों की परवरिश में जुटी प्रतिमा देवी ने मेहनत और हौसले के दम पर छोटी-सी दुकान खड़ी की थी। लेकिन शुक्रवार की रात चोरों ने उनकी उम्मीदों पर ऐसा वार किया कि दुकान का सामान ही समेट ले गए। मड़िहान थाना स्थित कस्बा निवासी दिवंगत कन्हैया सोनी की पत्नी प्रतिमा अपने बच्चों के साथ पचोखरा गांव में रहकर आर्टिफिशियल ज्वेलरी और बर्तन की छोटी दुकान चलाती हैं। यही दुकान उनके परिवार की रोजी-रोटी का एकमात्र सहारा थी। दिनभर मेहनत कर बच्चों का पेट पालने वाली प्रतिमा को क्या पता था कि रात के अंधेरे में कुछ बेखौफ चोर उनकी जिंदगी की बची-खुची पूंजी भी लूट ले जाएंगे। बताया गया कि शुक्रवार रात भोजन करने के बाद परिवार के सभी सदस्य घर में सो गए। देर रात चोर बड़ी चालाकी से दुकान का शटर चाड़कर अंदर घुस गए। इसके बाद उन्होंने आलमारी का ताला तोड़ डाला और उसमें रखा करीब दस हजार रुपये नकद, सोने का हार, सोने की चेन, छह पीस कीमती साड़ियां समेत अन्य कीमती सामान समेट ले गए। जाते समय अपनी पहचान मिटाने के लिए दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे का वायर काटकर डीवीआर उठा ले गए, ताकि घटना का कोई सबूत न बच सके। सुबह जब प्रतिमा दुकान खोलने पहुंचीं तो बिखरा सामान और टूटा ताला देखकर उनके होश उड़ गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

परीक्षा में धांधली कराने वाले गिरोह का भंडाफोड़, सात गिरफ्तार

नोएडा। उत्तर प्रदेश के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) द्वारा आयोजित ऑनलाइन परीक्षा 2026 में धांधली कराने वाले एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश करते हुए मुख्य आरोपी सहित सात लोगों को शुक्रवार शाम को गिरफ्तार किया।

एसटीएफ ने आरोपियों के पास से 50 लाख रुपये नगद, 10 मोबाइल फोन, पांच लैपटॉप, एक राउटर, अभ्यर्थियों की एक सूची, दो प्रवेश पत्र आदि बरामद किए हैं। ये लोग एक अभ्यर्थी से नकल कराने के एवज में चार लाख रुपये तक वसूलते थे।

यूपीएसटीएफ के अपर पुलिस अधीक्षक (नोएडा यूनिट) राजकुमार मिश्रा ने बताया कि एसटीएफ को सूचना मिली कि 22 मई को कर्मचारी चयन आयोग द्वारा कराई जा रही ऑनलाइन परीक्षा (सीएपीएफ और एसएसएफ) में कांस्टेबल (सामान्य ड्यूटी) और असम राइफल में राइफल मैन परीक्षा में कुछ लोग धांधली कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि सूचना के आधार पर एक पुलिस टीम बनाई गई तथा थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र में स्थित एक स्कूल के कैंपस में किराए पर चल रहे बालाजी डिजिटल जोन में आयोजित परीक्षा में धांधली करवा रहे प्रदीप चौहान, संदीप भाटी, अमित राणा, शाकिर मलिक तथा विवेक कुमार को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों में विवेक और शाकिर अभ्यर्थी हैं।

उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान एसटीएफ को पता चला है कि आरोपी एक अभ्यर्थी से चार लाख रुपये लेते थे उन्हें ऑनलाइन परीक्षा में नकल करवा रहे थे। आरोपियों के खिलाफ थाना नॉलेज पार्क में मुकदमा दर्ज किया गया है।

सीएम डैशबोर्ड योजनाओं की प्रगति की डीएम ने की समीक्षा

जिला संवाददाता(vol)

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने शनिवार को कलेक्ट्रेट स्थित जनसुनवाई कक्ष में अधिकारियों के साथ बैठक कर सीएम डैशबोर्ड पर संचालित विभिन्न योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। बैठक के दौरान श्री गौड़ ने कहा कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं का क्रियान्वयन पूरी गंभीरता एवं गुणवत्ता के साथ सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने पीएम सूर्यघर योजना के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश देते हुए कहा कि लीड बैंक मैनेजर एवं संबंधित विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर पात्र आवेदकों को योजना का लाभ उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि यह सरकार की महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजना है, इसलिए इसमें किसी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी।

बैठक में जिलाधिकारी ने स्वयं सहायता समूहों के गठन, जल जीवन मिशन, फैमिली आईडी, आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों को पोषाहार वितरण सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप सभी कार्य समयबद्ध ढंग से पूर्ण किए जाएं। बैठक में जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी संतपाल वर्मा, जिला समाज कल्याण अधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह भदौरिया, जिला कार्यक्रम अधिकारी विनीत सिंह, डीसी मनरेगा रविंद्र वीर सिंह सहित अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

थाना समाधान दिवस में डीएम व एसपी ने सुनीं जन शिकायतें

सोनभद्र। जनपद में आयोजित थाना समाधान दिवस के अवसर पर डीएम चर्चित गौड़ एवं एसपी अभिषेक वर्मा ने शनिवार को थाना रॉबर्ट्सगंज पहुंचकर फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों को शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। थाना समाधान दिवस के दौरान पहुंचे नागरिकों ने भूमि विवाद, अतिक्रमण, आपसी विवाद एवं अन्य समस्याओं से संबंधित प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए। डीएमएवं एसपी ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों से प्रकरणों की जानकारी प्राप्त की तथा मौके पर जाकर निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर श्री गौड़ ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप थाना समाधान दिवस में प्राप्त होने वाली शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए।

उन्होंने राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी प्रकरणों में मौके पर पहुंचकर जांच की जाए तथा गुणवत्तापूर्ण रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की शिथिलता अथवा लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। श्री वर्मा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि फरियादियों की समस्याओं का समाधान संवेदनशीलता एवं पारदर्शिता के साथ किया जाए, ताकि आमजन को त्वरित न्याय मिल सके। थाना समाधान दिवस में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जनसमस्याओं के प्रति उत्तरदायी एवं सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए गए।

बच्चों को विवेकपूर्वक ज्ञान देना होगा

सीतापुर। आनंदी देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज में पंद्रह दिवसीय नवचयनित आचार्य विकास वर्ग में वंदना के अर्थ एवं भावात्मक पक्ष पर उद्बोधन हुआ। विद्या भारती द्वारा आयोजित पंद्रह दिवसीय नवचयनित आचार्य विकास वर्ग में आज हमारी वंदना अर्थ एवं भावात्मक पक्ष विषय पर अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री का विशेष उद्बोधन संपन्न हुआ। वर्ग में प्रदेश भर से आए नवचयनित आचार्य व आचार्या दीदियों को संबोधित करते हुए उन्होंने सरस्वती वंदना, दीप वंदना, गायत्री मंत्र और भारत माता वंदना के गूढ़ अर्थ एवं जीवन मूल्यों को विस्तार से समझाया।

अपने उद्बोधन में उन्होंने बताया कि मां सरस्वती का हंसवाहिनी स्वरूप, श्वेत वस्त्र, हाथों में वीणा, पुस्तक और माला ये सभी निष्कलंक जीवन जीने की प्रेरणा देते हैं। वीणा मधुर वाणी का, पुस्तक ज्ञानार्जन की तत्परता का और स्फटिक की माला 108 गुणों को धारण कर पारदर्शी जीवन जीने का संदेश देती है। माला का गोलाकार रूप समाज को एक सूत्र में पिरोने का प्रतीक है। उन्होंने जानकारी दी कि दीप मंत्र के साथ दीप वंदना की शुरूआत पंजाब के कार्यकताओं ने की थी, जो बाद में पूरे देश में फैली। दीप ज्योति परम ज्योति मंत्र के साथ आँख खोलकर दीप को देखने का अर्थ है गुरु स्वरूप दीप से ज्ञान का प्रकाश ग्रहण करना और अज्ञानता का अंधकार मिटाना। अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री ने जोर देकर कहा कि आज के युग में बच्चों को सिर्फ ज्ञान नहीं, विवेकपूर्वक ज्ञान देना होगा। ज्ञानार्जन से मिलने वाले चार बल शारीरिक, बौद्धिक, अधिकार और धन बल का उपयोग निजी स्वार्थ के लिए नहीं, बल्कि समाज को सुखी, भयमुक्त और भूखमुक्त बनाने में होना चाहिए। उन्होंने कहा, ष्साहस आए तो रक्षा के लिए, बुद्धि प्रखर हो तो अच्छे साहित्य के सृजन के लिए।

उन्होंने बताया कि 2002 में लखनऊ की पूर्णकालिक बैठक में यह निर्णय हुआ कि गायत्री मंत्र के बाद भारत माता वंदना का मंत्र भी जोड़ा जाए, क्योंकि पहले भारत माता की उपासना का कोई मंत्र प्रार्थना में नहीं था। प्रार्थना का क्रम निराकार परमात्मा हेतु गायत्री मंत्र, फिर सरस्वती वंदना, दीप वंदना और अंत में भारत माता वंदना इसी भाव को दर्शाता है। उद्बोधन का समापन करते हुए उन्होंने महापुरुषों के कथन को दोहराया स्वास्थ्य गया तो कुछ गया, पर चरित्र गया तो सब गया। शिक्षा का अंतिम उद्देश्य राष्ट्रीय चरित्र और व्यक्ति के शील का निर्माण करना है। प्रार्थना की सारी पद्धतियां इसी लक्ष्य को प्राप्त करने का माध्यम हैं। इस अवसर पर रामजी सिंह प्रदेश निरीक्षक, श्रीराम रस्तोगी प्रबंधक, राम निवास सिंह प्रधानाचार्य व 13 जनपदों से आये प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

पॉक्सो एक्ट के दोषी राजू को 20 वर्ष के कारावास की सजा

सोनभद्र। करीब साढ़े 4 वर्ष पूर्व 9 वर्ष की नाबालिग बालिका के साथ चाकू दिखाकर जबरन दुष्कर्म करने का प्रयास मामले में अपर सत्र न्यायाधीश, विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट ओमकार शुक्ला की अदालत ने शनिवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी राजू हरिजन उर्फ रामनिवास को 20 बर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। उसके ऊपर 11 हजार रुपए अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड अदा न करने पर 6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित होगी। वहीं अर्थदंड की सम्पूर्ण धनराशि 11 हजार रुपए पीड़िता को मिलेगी।

अभियोजन पक्ष के मुताबिक रॉबर्ट्सगंज थाना क्षेत्र निवासी पीड़िता की मां ने एक जनवरी 2022 को रॉबर्ट्सगंज थाने में दी तहरीर में अवगत कराया था कि 30 दिसंबर 2021 को शाम 5 बजे उसकी 9 वर्षीय नाबालिग बेटी को राजू हरिजन उर्फ रामनिवास पुत्र घुरफेकन निवासी बढ़ौली, थाना रॉबर्ट्सगंज, जिला सोनभद्र अपने घर पर बुलाकर ले गया और दरवाजा बंद कर लिया। इसके बाद चाकू दिखाकर बेटी से कहा कि जैसा मैं कहूंगा वैसा तुम करना नहीं तो जान से मार देंगे। उसके बाद जबरन दुष्कर्म करने का प्रयास किया, लेकिन बेटी किसी तरह अपनी जान बचाकर भाग आई और आपबीती सुनाई। इस तहरीर पर रॉबर्ट्सगंज कोतवाली पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दिया। विवेचना के दौरान पर्याप्त सबूत मिलने पर विवेचक ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल किया था।

मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, 6 गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी राजू हरिजन उर्फ रामनिवास (29) वर्ष को बीस वर्ष का कठोर कारावास एवं 11 हजार रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित होगी। वही अर्थदंड की सम्पूर्ण धनराशि 11 हजार रुपए पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष की ओर से सरकारी वकील दिनेश प्रसाद अग्रहरि, सत्यप्रकाश त्रिपाठी व नीरज कुमार सिंह ने बहस की।

निःशुल्क राशन वितरण कल से

सोनभद्र। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के अंतर्गत जून 2026 माह का निःशुल्क राशन वितरण 25 मई से 10 जून 2026 तक किया जाएगा। जिला पूर्ति अधिकारी ध्रुव गुप्ता ने बताया कि आयुक्त के निदेशानुसार यह वितरण होगा।उन्होंने जानकारी दी कि अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी राशन कार्डधारकों को निर्धारित मात्रा में गेहूं और चावल मुफ्त उपलब्ध कराया जाएगा। अन्त्योदय कार्डधारकों को प्रति कार्ड 35 किलोग्राम खाद्यान्न दिया जाएगा, जिसमें 10 किलो गेहूं और 25 किलो चावल शामिल है। पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को प्रति यूनिट 5 किलो खाद्यान्न मिलेगा, जिसमें 1 किलो गेहूं और 4 किलो चावल शामिल रहेगा। यह वितरण उचित दर की दुकानों के माध्यम से किया जाएगा।जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि जिन कार्डधारकों का बायोमेट्रिक सत्यापन नहीं हो पा रहा है, उनके लिए मोबाइल ओटीपी सत्यापन की सुविधा अंतिम तिथि 10 जून को उपलब्ध रहेगी। ऐसे लाभार्थी ओटीपी के जरिए अपना राशन प्राप्त कर सकेंगे। इसके साथ ही, विभाग ने सभी राशन कार्डधारकों से ई-केवाईसी कराने की अपील की है। जिन सदस्यों का ई-केवाईसी शेष है, वे उचित दर की दुकान पर पहुंचकर यह प्रक्रिया पूरी कर लें, ताकि भविष्य में खाद्यान्न वितरण में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

एसपीएस इंटर कॉलेज में सुन्दरकांड के बाद श्रद्धालुओं को वितरित किया गया प्रसाद

उन्नाव। एसपीएस इंटर कॉलेज मीरकापुर उन्नाव में सुबह सुंदरकांड और पूजा-पाठ के बाद भंडारे का शुभारम्भ किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक डॉ. अर्चना वाजपेयी ने कहा कि बड़े मंगल का पर्व केवल आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और समाज को जोड़ने का माध्यम भी है। वहीं प्रधानाचार्य अलका निगम ने कहा कि भगवान हनुमान जी शक्ति, भक्ति और लोककल्याण के प्रतीक हैं। उनके आदर्श हमें समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुंचाने की प्रेरणा देते हैं। भंडारे के आयोजन से पूर्व एसपीएस इंटर कॉलेज के परिसर में आध्यात्मिक परिवेश देखने को मिला। शिक्षकों एवं कर्मचारियों के द्वारा भक्तिभाव से सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया गया। इसके बाद भगवान हनुमान जी की भव्य आरती की गई। विद्यालय के प्रबंधक डॉ. अर्चना वाजपेयी ने स्वयं उपस्थित श्रद्धालुओं और एसपीएस परिवार के सदस्यों, छात्र-छात्राओं को प्रसाद वितरित कर भंडारे का शुभारंभ किया। वहीं बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालुओं ने भी प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर स्कूल की मुख्य प्रबंधक डॉ. अर्चना वाजपेयी, प्रधानाचार्य अलका निगम, उप प्रधानाचार्य रूपम पाल, क्षमा तिवारी, शालिनी दुबे, आशीष कुमार, अर्चना तिवारी, सरनजीत सिंह, शैलेन्द्र वर्मा, विनीता श्रीवास्तव, दीपाली पांडे, वैष्णवी शुक्ला, इशिता सक्सेना, नीरज पांडे, प्राची गुप्ता, वेदिका गुप्ता, रूबीना, कर्ण यादव, प्रिया वाजपेई, सौरभ जायसवाल, सौम्या मिश्रा व अन्य शिक्षक एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

ओवरलोड व मानक विहीन भारी वाहनों पर कार्रवाई, पांच वाहन सीज

जिला संवाददाता

शक्तिनगर, सोनभद्र। जनपद में अपराध एवं यातायात नियमों के उल्लंघन के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना शक्तिनगर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ओवरलोड एवं मानक विहीन भारी वाहनों के खिलाफ संयुक्त चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान पांच ट्रेलर एवं डम्फर वाहनों को सीज किया गया।

पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में चलाए जा रहे प्रवर्तन अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार तथा क्षेत्राधिकारी पिपरी हर्ष पाण्डेय के मार्गदर्शन में थाना शक्तिनगर पुलिस एवं उप-सम्भागीय परिवहन अधिकारी, सोनभद्र की संयुक्त टीम द्वारा यह कार्रवाई की गई।चेकिंग अभियान के दौरान कुल पांच ट्रेलर एवं डम्फर वाहनों की जांच की गई, जिन पर राखड़, गिट्टी एवं बालू आदि लदा हुआ था। जांच में वाहन निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाए गए। इसके बाद पुलिस ने नियमानुसार सभी वाहनों को सीज करते हुए थाना शक्तिनगर परिसर में खड़ा कराया।

पुलिस द्वारा संबंधित विभागों को आवश्यक विधिक कार्रवाई के लिए रिपोर्ट भी प्रेषित कर दी गई है। अभियान में प्रभारी निरीक्षक सत्येन्द्र कुमार राय सहित थाना शक्तिनगर पुलिस टीम मौजूद रही।सोनभद्र पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जनपद में ओवरलोड वाहनों एवं यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

बड़े भाई से विवाद में छोटे ने किया आत्मदाह

हरदोई। जिले के अतरौली थाना क्षेत्र के नरोईया गांव में शुक्रवार शाम मोटरसाइकिल ले जाने को लेकर हुए विवाद में छोटे भाई ने कथित तौर पर आत्मदाह करके जान दे दी। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक बड़े भाई ने गुस्से में बाइक में आग लगा दी थी, जिससे नाराज छोटे भाई ने कथित तौर पर स्वयं पर पेट्रोल छिड़ककर आत्मदाह कर लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार नरोईया गांव निवासी गंगाराम की नरोईया पुलिया के पास परचून और मिठाई की दुकान है। पुलिस ने बताया कि गंगाराम के चार बेटों- शेरू, साजन, विकास और निखिल (18) में निखिल सबसे छोटा था। पुलिस ने बताया कि गंगाराम 20 मई को पूर्णागिरि तीर्थयात्रा पर गए थे। पुलिस के अनुसार साजन और विकास बेंगलुरु में काम करते हैं, जबकि शेरू के साथ निखिल दुकान संभालता था।

पुलिस के मुताबिक निखिल शुक्रवार शाम करीब चार बजे दुकान पर बैठा था। तभी बड़ा भाई शेरू गांव वाले घर से बाइक लेकर दुकान पर आया। पुलिस के अनुसार आरोप है कि वह नशे में था और बाइक पुवायां ले जाने की जिद करने लगा, निखिल ने पिता के मना करने की बात कहकर बाइक देने से इनकार कर दिया।

पुलिस ने बताया कि इस पर दोनों भाइयों में कहासुनी हो गई और निखिल के मना करने पर शेरू ने दुकान से पेट्रोल निकालकर बाइक पर छिड़क दिया और आग लगा दी, बाइक धू-धू कर जलने लगी। पुलिस ने बताया कि निखिल ने पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश की तो शेरू ने उसे रोक दिया, गुस्से में निखिल ने शेरू के सिर पर पानी की बाल्टी मार दी। पुलिस ने बताया कि इसके बाद निखिल दुकान से दो बोतल पेट्रोल लाया और बाइक के पास आकर कथित तौर पर अपने ऊपर उड़ेल लिया। पुलिस ने बताया कि आग लगने से वह गंभीर रूप से झुलस गया और उसे तत्काल अतरौली सीएचसी ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। संडीला के पुलिस क्षेत्राधिकारी संतोष सिंह के अनुसार, प्राथमिक जांच में शेरू के शराब पिए होने की बात सामने आई है और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से नमूने जुटाए हैं। उन्होंने बताया कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है और पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

ट्रक की टक्कर से इंजीनियर की मौत

जौनपुर। बेकाबू ट्रक की टक्कर से सिवल इंजीनियर की मौत हो गई। वह अपने चचेरे भाई की शाम में शामिल होने के लिए मुंबई से आये थे। शुक्रवार देर रात बाइक से ननिहाल जाते समय सड़क दुर्घटना में उसकी मौत हो गई।हादसा ननिहाल जाते समय मुंगराबादशाहपुर के सतहरिया चैकी के पास सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सतहरिया पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने बताया था कि हाल ही में युवक की सगाई भी तय हुई थी। कुछदिनों में उसकी शादी थी। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है। मृतक की पहचान सुजानगंज थाना क्षेत्र के रामपुर भरहरा गांव निवासी 32 वर्षीय नागेंद्र पटेल पुत्र जगदीश पटेल के रूप में हुई है। वह मुंबई में सिविल इंजीनियर के पद पर कार्यरत थे। नागेंद्र बीते 14 मई को अपने चचेरे भाई की शादी में शामिल होने घर आए थे।नागेंद्र अपनी बाइक से गांव से पवारा थाना क्षेत्र के ऊंचैरा स्थित ननिहाल जा रहे थे। जौनपुर-रायबरेली हाईवे पर सतहरिया चैकी के पास बिंद बस्ती में सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और परिजनों को घटना की सूचना दी। नागेंद्र तीन भाइयों में सबसे छोटे थे और हाल ही में उनकी सगाई भी तय हुई थी। इस घटना से परिवार में शोक छा गया है।

नाबालिग को बहला-फुसला कर भगाने के आरोपी को किया गिरफ्तार

मड़िहान/मीरजापुर। थाना राजगढ़ जनपद मीरजापुर पर गत 07 मई 2026 को एक महिला द्वारा नामजद अभियुक्त के विरूद्ध वादिनी की नाबालिक पुत्री को बहला-फुसला के भगाने, के सम्बन्ध में तहरीर दी गयी। उक्त के सम्बन्ध में लिखित तहरीर के आधार पर थाना राजगढ़ पर मु0अ0सं0 -65/2026 धारा 137(2), 87 बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई। अपर्णा रजत कौशिक पुलिस अधीक्षक मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन व क्षेत्राधिकारी ऑपरेशन के नेतृत्व में अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु थाना प्रभारी राजगढ़ को निर्देश दिए गए। उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना राजगढ़ पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही करते हुए शनिवार को उपनिरीक्षक अनिल कुमार सिंह मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित आरोपी हरिओम उर्फ शनि पुत्र चन्द्रबली उर्फ घूसे निवासी सेमरा बरहो (मड़ईपुर) थाना राजगढ़ जनपद मीरजापुर को अंतर्गत धारा 137(2),87 बीएनएस में गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी के विरूद्ध नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए न्यायालय/जेल भेजा गया।

उत्तर प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार यूनियन पंजीकृत लहरपुर इकाई का गठन

लहरपुर (सीतापुर)। उत्तर प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार यूनियन पंजीकृत की एक महत्वपूर्ण बैठक शुक्रवार को नगर के मोहल्ला बेंहटी स्थित अधिवक्ता मारुत पुरी के आवास पर संपन्न हुई। बैठक का आयोजन यूनियन के जिला अध्यक्ष सिराज अहमद द्वारा किया गया। जिसकी अध्यक्षता कमलेश मेहरोत्रा ने की। जिसमें तहसील कार्यकारिणी गठन को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।बैठक में समीर पुरी ने अध्यक्ष पद के लिए रवि शाक्य का प्रस्ताव किया। जिसका सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया। बिजेंद्र शुक्ला ने दिनेश पटेल को महामंत्री एवं निर्मल पाण्डेय को कोषाध्यक्ष नियुक्त करने का प्रस्ताव रखा। जिस पर उपस्थित सदस्यों ने सहमति जताई। बैठक में संरक्षक मंडल की जिम्मेदारी कमलेश मेहरोत्रा, रघुवंश अवस्थी, समीर पुरी, विपिन अवस्थी व बिजेंद्र शुक्ला को सौंपी गई। इसके अलावा विवेक शुक्ला व राजन शुक्ला को उपाध्यक्ष, ज्ञानेंद्र पांडेय व मोहम्मद रफी को सचिव और मारुत पुरी, अंकित अवस्थी, मोहम्मद अलीम व धर्मेंद्र पांडेय को सदस्य के रूप में सर्वसम्मति से मनोनीत किया गया। इस दौरान अनवर बिस्वानी, जेड आर रहमानी आदि उपस्थित थे। उक्त अवसर पर जिला अध्यक्ष सिराज अहमद मुख्य रूप से उपस्थित हुए। उन्होंने ने श्रमजीवी पत्रकार यूनियन रजिस्टर्ड की नई कार्यकारिणी के पदाधिकारियों और सदस्यों को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

हत्या के मामले में पांच गिरफ्तार

जौनपुर। जिले के बरसठी थाना क्षेत्र में युवक संदीप गौतम की संदिग्ध मौत के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए पांच आरोपियों और एक बाल अपचारी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार हत्या की वजह प्रेम प्रसंग था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुँवर अनुपम सिंह ने शनिवार को बताया कि क्षेत्राधिकारी मड़ियाहूं के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक जय प्रकाश यादव और उनकी टीम ने कार्रवाई करते हुए अभियुक्त दीपक भार्गव, अभिषेक गौतम, अखिलेश गौतम उर्फ मंजय, अमन उर्फ रेड्डी, नंद किशोर उर्फ नंदू तथा एक बाल अपचारी को बरसठी रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया। सभी आरोपियों को न्यायालय भेज दिया गया है।पुलिस के अनुसार मृतक संदीप गौतम की बुआ सोनी गौतम ने आरोप लगाया था कि गुरुवार रात करीब दो बजे एक युवती ने फोन कर संदीप को मिलने के लिए बुलाया था। आरोप है कि युवती के परिजनों ने उसकी हत्या कर शव को फंदे से लटकाकर आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की

बुजुर्ग दंपति की संदिग्ध परिस्थिति में मौत

आजमगढ़। जिले के गंभीरपुर थाना क्षेत्र में जमीन बंटवारे के तीन दिन बाद ही एक बुजुर्ग दंपति की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो जाने से इलाके में सनसनी फैल गई। परिजनों ने संपत्ति विवाद में जहर देकर हत्या किए जाने की आशंका जताई है। पुलिस क्षेत्राधिकारी भूपेश प्रताप पांडे ने बताया कि गंभीरपुर थाना क्षेत्र के गोमाडीह हरिजन बस्ती में शनिवार सुबह 80 वर्षीय श्यामलाल और उनकी 70 वर्षीय पत्नी बसंता देवी अपने कमरे में मृत पाए गए। पारिवारिक जानकारी के अनुसार श्यामलाल के चार पुत्र और एक पुत्री हैं। सभी की शादी हो चुकी है। परिजनों ने बताया कि तीन दिन पहले ही बुजुर्ग दंपति ने परिवार के सदस्यों को बैठाकर अपनी जमीन का बंटवारा किया था।मृतक दंपति की बेटी ने आरोप लगाया कि बंटवारे से बड़ा बेटा और उसकी पत्नी संतुष्ट नहीं थे। बंटवारे के अगले दिन दोनों का बुजुर्ग दंपति से विवाद भी हुआ था। बताया गया कि शुक्रवार रात श्यामलाल और बसंता देवी भोजन करने के बाद अपने कमरे में सोने चले गए थे। शनिवार सुबह छोटी बहू जब चाय देने पहुंची तो दोनों को बिस्तर पर अचेत अवस्था में पाया। पास जाकर देखने पर उनकी मौत हो चुकी थी

टॉवर से गिरकर युवक की मौत मामले में तीन सदस्यीय जांच समिति गठित

जौनपुर। जिले में जमीन की पैमाइश से नाराज युवक के मोबाइल टावर से गिरकर मौत के मामले में जिला प्रशासन ने जांच के आदेश दिए हैं। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. ने अपर जिलाधिकारी के नेतृत्व में तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की है। जिलाधिकारी ने बताया कि प्रशासन पीड़ित परिवार का सहयोग कर रहा है। जांच समिति में एडीएम (वित्त एवं राजस्व), परियोजना निदेशक और उप संचालक (चकबंदी) शामिल हैं। उन्होंने कहा कि जांच में दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्वाई की जाएगी। मृतक के परिवार को पारिवारिक लाभ योजना, कृषक दुर्घटना बीमा योजना और मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से आर्थिक सहायता दिलाने का प्रयास किया जाएगा।सदर के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) देवेश सिंह के अनुसार, बक्शा थाना क्षेत्र के उतरेजपुर गांव निवासी श्रीप्रकाश यादव (30) बृहस्पतिवार को मोबाइल टॉवर पर चढ़ गया था। वह अपनी जमीन की दोबारा पैमाइश कराकर उसे चिह्नित कराने की मांग कर रहा था। सूचना पर राजस्व विभाग की टीम और पुलिस मौके पर पहुंची और उसे नीचे उतारने का प्रयास किया, लेकिन वह मांग पर अड़ा रहा। इसके बाद राजस्व टीम ने मौके पर जमीन की नाप शुरू की। इसी दौरान दोपहर करीब दो बजे श्रीप्रकाश यादव अचानक टॉवर से नीचे गिर गया। गंभीर हालत में पुलिस उसे जिला अस्पताल ले गई, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना पर जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक भारी पुलिस बल के साथ जिला अस्पताल पहुंचे और परिजनों से बात की। मृतक के भाई जयशंकर यादव ने बताया कि जमीन की पैमाइश को लेकर 2016 में एसडीएम अदालत में धारा-24 के तहत आवेदन किया था। आरोप है कि 2019 में गलत तरीके से पैमाइश कर दी गई। इसके बाद सही पैमाइश के लिए लगातार अधिकारियों से गुहार लगाई गई, लेकिन दूसरे पक्ष के रसूखदार होने के कारण सुनवाई नहीं हुई।

एसपी ने थाना हरदी का किया निरीक्षण

बहराइच। पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना हरदी का निरीक्षण किया गया एवं थाना समाधान दिवस के अवसर पर फरियादियों की समस्याओं को सुनकर उनके त्वरित निस्तारण हेतु निर्देशित किया बहराइचपुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव द्वारा थाना हरदी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना कार्यालय, आगन्तुक कक्ष, महिला हेल्प डेस्क, मिशन शक्ति केन्द्र, सीसीटीएनएस कक्ष, मालखाना, हवालात, बैरक, थाना परिसर एवं अभिलेखों का गहन निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारी/कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। महोदय द्वारा अभिलेखों के सुव्यवस्थित रख-रखाव, लंबित प्रार्थना पत्रों एवं विवेचनाओं के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण तथा महिला संबंधी शिकायतों पर संवेदनशीलता के साथ त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही थाना परिसर में साफ-सफाई, पेयजल व्यवस्था, शौचालयों की स्वच्छता एवं सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता बनाए रखने हेतु निर्देश दिए गए। वर्तमान में पड़ रही भीषण गर्मी के दृष्टिगत महोदय द्वारा थाना परिसर में स्वच्छ पेयजल एवं आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था बनाए रखने तथा ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों एवं फरियादियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए विशेष सतर्कता बरतने हेतु निर्देशित किया गया तत्पश्चात महोदय द्वारा थाना समाधान दिवस में उपस्थित होकर आगन्तुकों एवं फरियादियों की समस्याओं को सुना गया तथा संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण एवं विधिसम्मत निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया। भूमि विवाद एवं अन्य प्रकरणों में राजस्व विभाग से समन्वय स्थापित कर त्वरित कार्रवाई करने पर बल दिया गया। महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि थाने पर आने वाले प्रत्येक फरियादी की शिकायत को प्राथमिकता के आधार पर सुनकर उसका समयबद्ध निस्तारण किया जाए। इसके अतिरिक्त महोदय द्वारा नव नियुक्त रिक्रूट आरक्षियों से औपचारिक वार्ता कर उनके प्रशिक्षण, रहने एवं भोजन व्यवस्था के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई तथा प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त हो रहे व्यावहारिक एवं अनुशासनात्मक अनुभवों के संबंध में जानकारी लेते हुए उन्हें अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा एवं जनसेवा की भावना के साथ कार्य करने हेतु प्रेरित किया गया। इस दौरान क्षेत्राधिकारी महसी श्री पवन कुमार, थानाध्यक्ष हरदी एवं अन्य संबंधित अधिकारी कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौत

सोहावल-अयोध्या। रौनाही थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर बसहा चैराहा के पास शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। जिसकी सूचना मिलने पर परिजनों में कोहराम मच गया।मिली जानकारी के अनुसार थाना खंडासा क्षेत्र के बकौली गांव निवासी जगन्नाथ पुत्र नान्हू शनिवार को अपनी ससुराल बसहा गांव आया हुआ था। बताया जा रहा है कि वह मोटर साइकिल से राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पार कर रहा था। तेज रफ्तार कार ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि युवक गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। घटना की सूचना मिलते ही रौनाही पुलिस मौके पर पहुंची।घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सोहावल पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। हादसे की खबर मिलते ही परिजन और ग्रामीण अस्पताल पहुंच गए।युवक की मौत से परिवार में मातम पसरा हुआ है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

जिला बार अध्यक्ष बने रमन द्विवेदी, महामंत्री प्रदीप श्रीवास्तव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिलीप कुमार गुप्ता

जिला संवाददाता

बाराबंकी। जिला बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव 2026 में अध्यक्ष पद पर रमन द्विवेदी व महामंत्री प्रदीप कुमार श्रीवास्तव ने जीत दर्ज की। तो वही वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर दिलीप गुप्ता ने अपनी जीत दर्ज कराई। जिला बार एसोसिएशन का वार्षिक चुनाव की मतगणना सुबह 9 बजे से शुरू हुई। मतगणना शुरू करने से पूर्व 20 मतपत्रो का सेट बनाया गया था। तत्पश्चात गिनती देर रात तक चली। मतगणना प्रक्रिया मुख्य चुनाव अधिकारी जुबेर अहमद अंसारी, चुनाव अधिकारी मुचकुन्द वर्मा, सहायक चुनाव अधिकारी मुरलीधर त्रिवेदी, अजय श्रीवास्तव, पर्वंवेक्षको अनिल अग्निहोत्री, इकबाल राही, अश्विनी कुमार वर्मा, संतोष कुमार सिंह, सहायक चुनाव अधिकारी शैलेन्द्र मौर्या, अंशुमान सिंह, उमाकांत द्विवेदी, दिनेश सिंह, मनोज सिंह राजपूत, धीरेंद्र सिंह भदौरिया की देख रेख मे शान्तिपूर्ण ढ़ंग से सम्पन्न हुई। जिसमे अध्यक्ष पद पर विजयी हुए रमन द्विवेदी को 903 मत, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर दिलीप कुमार गुप्ता को 600 मत, महामंत्री पद पर प्रदीप श्रीवास्तव को 785 मत, उपाध्यक्ष प्रथम पद पर राम कुमार वर्मा को 621 मत, उपाध्यक्ष द्वितीय पर अंकुर कुमार यादव को 451 मत, कोषाध्यक्ष पद पर दौलता कुमारी को 1212 मत, संयुक्त मंत्री प्रशासन प्रभारी पद पर प्रणय बाजपेई को 520 मत, संयुक्त मंत्री पुस्तकालय प्रभारी पद पर रुबी सिंह को 641 मत, संयुक्त मंत्री प्रकाशन प्रभारी पद पर अमित सिंह सूर्यवंशी को 595 मत मिले। तो वही सदस्य कार्यकारिणी वरिष्ठ पुरुष पद पर पंकज आनन्द वर्मा, रमाकान्त शुक्ला, जायसवाल, सदस्य कार्यकारिणी कनिष्ठ पुरुष पद पर नितिन सिंह, अवध बिहारी यादव, सोनू कुमार वर्मा, मुकेश कुमार यादव, सदस्य कार्यकारिणी कनिष्ठ महिला पद पर नमिता पंकज, अनिता सिंह निर्वाचित हुए।

डंपर ने परिवार को कुचला, चार की मौत

बाराबंकी। जिले में फतेहपुर थाना क्षेत्र के झांसा गांव में एक तेज रफ्तार डंपर ने एक परिवार को कुचल दिया जिससे चार लोगों की मौत हो गई तथा एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, शुक्रवार रात बिजली न होने के कारण परिवार के सदस्य घर के बाहर सड़क किनारे सो रहे थे तभी यह हादसा हुआ। तेज रफ्तार बेकाबू डंपर रात करीब दो बजे पहले सड़क किनारे एक पेड़ से टकराया और फिर उसने बाहर सो रहे परिवार को कुचल दिया। चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण घटनास्थल की ओर दौड़े और घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने बताया कि चिकित्सकों ने नीरज (35) और उसके बच्चों अनुराग (13), अंशु (छह) और अंशिका (10) को मृत घोषित कर दिया जबकि उसकी पत्नी आरती (35) की हालत नाजुक होने के कारण उसे डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ रेफर किया गया है।

एसएसपी के आदेश के बाद भी नहीं दर्ज हुआ मुकदमा

मिल्कीपुर-अयोध्या। कुमारगंज थाना क्षेत्र में पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े करने वाला मामला सामने आया है। थाना क्षेत्र के उधुई पूरे विन्धा पाण्डेय पुरवा गांव निवासी शीतला प्रसाद पाण्डेय ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अयोध्या को शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया है कि मारपीट और जान से मारने की धमकी के बावजूद कुमारगंज पुलिस ने अब तक मुकदमा दर्ज नहीं किया है। पीड़ित परिवार न्याय के लिए थाने से लेकर एसएसपी कार्यालय तक चक्कर लगाने को मजबूर है। पीड़ित शीतला प्रसाद पाण्डेय के अनुसार 21 मई की शाम करीब 5 बजे वह अपने घर पर बैठकर भोजन कर रहे थे। तभी खण्डासा थाना क्षेत्र के अंजरौली पूरे बेदियनका गांव निवासी रोहन पुत्र राजू, रोशन सिंह, अनमोल तथा तीन-चार अज्ञात लोग उनके घर पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि जान बचाने के लिए वह घर के अंदर भागे तो हमलावर वहां भी पहुंच गए। बीच-बचाव करने आई उनकी पत्नी और बेटे के साथ भी मारपीट की गई। जाते समय आरोपियों ने पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के बाद पीड़ित ने कुमारगंज थाने में लिखित शिकायत दी, लेकिन आरोप है कि पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। इसके बाद शीतला प्रसाद अपनी पत्नी और बेटे के साथ एसएसपी कार्यालय पहुंचे और न्याय की गुहार लगाई। पीड़ित का कहना है कि एसएसपी ने उन्हें थाने जाकर मुकदमा दर्ज कराने का आश्वासन दिया था। पीड़ित परिवार जब दोबारा कुमारगंज थाने पहुंचा तो वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने कहा कि ॿबड़े साहब छुट्टी पर हैं, उनके आने के बाद ही कार्रवाई होगी ॿ इससे नाराज पीड़ित ने आरोप लगाया कि एसएसपी का आदेश भी कुमारगंज पुलिस के लिए कोई मायने नहीं रखता। पीड़ित का यह भी कहना है कि आरोपी लगातार घर के आसपास घूमकर धमकी दे रहे हैं।

देश की अर्थव्यवस्था चौपट, बढ़ रही महंगाईः अवधेश प्रसाद

अयोध्या। समाजवादी पार्टी 26 मई को महंगाई, बिजली संकट और पेपर लीक जैसे जनहित के मुद्दों को लेकर अयोध्या में बड़ा प्रदर्शन करेगी। प्रदर्शन का नेतृत्व फैजाबाद सांसद अवधेश प्रसाद करेंगे। इसकी तैयारियों को लेकर शनिवार को सर्किट हाउस में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित हुई, जिसमें आंदोलन की रूपरेखा तय की गई। बैठक के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए सांसद अवधेश प्रसाद ने केंद्र और प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह चैपट हो चुकी है और सरकार ने ॿअर्थव्यवस्था को अमेरिका के हाथ गिरवी रख दिया है ॿ उन्होंने कहा कि महंगाई लगातार बढ़ रही है, बेरोजगारी चरम पर है और आम जनता का जीवन संकट में है। सांसद ने कहा कि बीते एक सप्ताह में डीजल और पेट्रोल के दाम तीन बार बढ़ाए गए, जिससे आम लोगों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ा है। उन्होंने प्रदेश में बिजली व्यवस्था को लेकर भी सरकार को घेरा और कहा कि भीषण गर्मी के बीच गांव-गांव बिजली संकट गहरा गया है। लगातार हो रही कटौती से लोग रातभर जागने को मजबूर हैं और छोटे बच्चे तथा बुजुर्ग सबसे ज्यादा परेशान हैं। नीट पेपर लीक का मुद्दा उठाते हुए अवधेश प्रसाद ने कहा कि लाखों छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया है। उन्होंने कहा कि युवाओं के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ समाजवादी पार्टी सड़क से सदन तक संघर्ष करेगी। सपा नेताओं के मुताबिक 26 मई को मार्च सहादतगंज से शुरू होकर राम पथ होते हुए जिला मुख्यालय तक पहुंचेगा, जहां प्रदर्शन और धरना आयोजित किया जाएगा। सपा प्रवक्ता लवलेश पांडेय ने बताया कि तैयारी बैठक में जिलाध्यक्ष पारसनाथ यादव,पूर्व मंत्री आनंद सेन यादव, पूर्व मंत्री पवन पांडे, पूर्व विधायक अब्बास अली जैदी उर्फ. रुश्दी मियां, हाजी फिरोज खान (गब्बर), बख्तियार खान,अनूप सिंह, शावेज जाफरी, हामिद जाफर मीशम,छोटे लाल यादव, रामजी पाल,एजाज अहमद,जय सिंह यादव,विकास सिंह छोटू, मोहम्मद राशिद खान, जब्बार अली, राम सुमेर भारती, रक्षा राम यादव, अंसार अहमद, विंध्याचल सिंह, जितेंद्र रावत, सीताराम यादव, अतुल यादव, रमेश रावत, राकेश वर्मा, , यदुनाथ यादव समेत बड़ी संख्या में वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महिला से चेन छीनने वाले आरोपी को पुलिस ने भेजा जेल

सोहावल-अयोध्या। रौनाही थाना क्षेत्र की नगर पंचायत खिरौनी के सुचित्तागंज - नौवा कुंआ संपर्क मार्ग पर नाथू मिश्र का पुरवा के पास महिला से चेन छिनैती करने वाले आरोपी युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा है। आरोप है कि ग्राम पंचायत सोखावां निवासी महिला अर्चना पांडेय पत्नी राज नारायण पांडेय शुक्रवार की शाम खरीददारी करने सुचित्तागंज बाजार गई थी। खरीददारी करने के बाद बैटरी ई - रिक्शा से महिला अपने घर लौट रही थी। इस दौरान रास्ते में खिरौनी नगर पंचायत के सुचित्तागंज - नौवा कुंआ संपर्क मार्ग पर नाथू मिश्रा के पुरवा के पास सुनसान जगह देखकर आरोपी ने महिला की चेन छीन ली और भागने की कोशिश की। महिला के शोर मचाने पर आस-पास के लोग दौड़कर आरोपी को पकड़ लिया। इसके बाद आक्रोशित भीड़ में लोगों ने स्थानीय पुलिस चैकी सुचित्तागंज को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया। इसके बाद चैकी पर आरोपी को लाकर पूछताछ किया।

अजीमुश्शान मुशायरे का आयोजन, शायरों ने कलाम पेश कर बाधा समां

बाराबंकी। बज्म शेरो-ओ-सुखन और मदरसा तब्लीग-उल-कुरान के संयुक्त तत्वावधान में बज्म सेक्रेटरी मास्टर मोहम्मद अलीम के आवास पर अजीमुश्शान मुशायरे का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता अलंकार शास्त्र और वाक्पटुता शाहेब कौसर रुदौलवी ने की। संचालन जुनैद अलिआबादी ने किया। मुशायरे में मुख्य अतिथि डाक्टर रेहान अलवी बाराबंकवी ने पढा बात आ जाए अना पे तो बगावत करते हैं। मैं वो कतरा हूं समुन्द्र को हिला देता हूं। इमरान अलिआबादी ने पढ़ा दुआए हजरत-ए-रहबर करे यूं रहबरी मेरी, रहे शेर-ओ-सुखन पर दस्तरस सौ फीसदी मेरी। इसके अतिरिक्त सरफराज नसरुल्लाह खान, शायर मिस्टर अमेठवी, मास्टर मोहम्मद अलीम रुदौलवी, सलीम हमदम रुदौलवी, मुजीब रुदौलवी, अरशद साद रुदौलवी, असद साद उस्मानी, मास्टर माहताब रुदौलवी आदि ने अपने कलाम पेश किये।

संडे ऑन साईकिल कार्यक्रम का आयोजन आज

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश हॉकी एसोसिएशन के निर्देश पर 24 मई रविवार को सुबह 6 बजे संडे ऑन साईकिल कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। जिसमें बालक बालिका हॉकी खिलाड़ी साइकिल से शहर वासियों को पेट्रोल-डीजल बचाने और फिटनेस का संदेश देंगे। उक्त जानकारी बाराबंकी हॉकी एसोसिएशन सचिव मजहर अजीज खां ने दी।

ई-लाटरी के माध्यम से होगा दो देशी मदिरा दुकानों का व्यवस्थापन

बहराइच। जिला आबकारी अधिकारी सुधांशु सिंह ने बताया कि जनपद बहराइच में वर्ष 2026-27 हेतु 02 देशी मदिरा की दुकानों का व्यवस्थापन जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय चयन समिति द्वारा 29 मई 2026 को पूर्वान्ह 11:00 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में ई-लाटरी के माध्यम से किया जायेगा।

उत्कृष्ट रील व वीडियो बनाने पर सम्मानित होंगे मीडिया प्रतिनिधि

बहराइच। जिला प्रशासन तथा जिला पर्यटन एवं संस्कृति परिषद बहराइच के संयुक्त तत्वावधान में विकास खण्ड चित्तौरा अन्तर्गत चित्तौरा झील के तट पर स्थित महाराजा सुहेलदेव जी के स्मारक स्थल पर महाराजा सुहेलदेव जी के विजयोत्सव के उपलक्ष्य में 23 एवं 24 मई 2026 को 02 दिवसीय समारोह का आयोजन किया जा रहा है। समारोह के दौरान उत्कृष्ट रील, वीडियो बनाने वाले मीडिया प्रतिनिधियों को जिला पर्यटन एवं संस्कृति परिषद बहराइच की ओर सम्मानित किया जायेगा।

सुनसान जंगलों व खेतों पर आबकारी विभाग ने दी दस्तक, 1 गिरफ्तार

जिला संवाददाता

बाराबंकी। सुनसान जंगलो व खेतो पर कच्ची शराब माफियाओ द्वारा बनाये गये अड्डो पर आबकारी विभाग ने छापेमारी कर बड़ी कार्यवाही की। इस दौरान खण्डरो व खेतो पर छुपाकर रखी गई भारी मात्रा मे लहन को नष्ट करवाया गया। जिला आबकारी अधिकारी कुलदीप दिनकर के नेतृत्व मे शुरू किये गये छापेमारी आपरेशन मे

20 लीटर कच्ची शराब बरामद, खेतो पर रखी 100 किलोग्राम तैयार लहन की नष्ट

आबकारी निरीक्षक सर्किल हैदरगढ़ राजेश कुमार तिवारी की टीम ने थाना कोठी क्षेत्रान्तर्गत दर्जनो संदिग्ध ग्रामो मे छापेमारी की। छापेमारी के दौरान 20 लीटर कच्ची शराब को बरामद किया गया। मौके पर खेतो व खण्डरो पर रखी गई लगभग 100 किलोग्राम तैयार लहन को नष्ट किया गया। 1 अभियुक्त को गिरफ्तार कर आबकारी अधिनियम के तहत कार्यवाही की गई। इस दौरान ग्रामीणो को अवैध शराब का सेवन न करने व अवैध शराब की बिक्री करने वालो के खिलाफ शिकायत करने की अपील भी की। छापेमारी देने वाली टीम मे प्रधान आबकारी सिपाही राजकुमार मौर्य, शशि प्रकाश वर्मा, महिला आबकारी सिपाही अनीता यादव मौजूद रहे।

कर्मचारियों ने सोहावल के उप निबंधक को दी भावभीनी विदाई

सोहावल-अयोध्या। वर्ष 2021 में सोहावल उप निबंधक की कुर्सी संभालने वाले जिला बस्ती निवासी राहुल सिंह का स्थानांतरण सीतापुर जनपद के बिसवां तहसील हो गया है। पांच साल तक अपने बेहतर कार्यकाल निभाने के बाद गरीबों और असहाय लोगों के प्रति रहम दिली बरतने वाले उप निबंधक राहुल सिंह के विदाई पर रजिस्ट्री कार्यालय के कर्मियों ने अश्रुपूरित नेत्रों से भावभीनी विदाई दी। इस दौरान किसान नेता फरीद अहमद ने कहा कि उपनिबंधक अधिकारी कम इंसान ज्यादा थे। रजिस्ट्री के दौरान इनके रहते किसी कर्मचारी की हिम्मत नहीं थी कि किसी क्रेता विक्रेता का उत्पीड़न कर सके। दस्तावेज लेखक पप्पू सिंह ने कहा कि प्रापर्टी डीलर और फर्जी बैनामा को लेकर निबंधक बहुत सख्त रहे। दो - तीन फर्जी बैनामा का खुलासा कर खारिज भी करवाया। ऐसा बहुत कम देखने को मिलता है। इस दौरान उपनिबंधक राहुल सिंह ने कहा कि सोहावल के सभी दस्तावेज लेखक,कर्मचारी सहित प्रशासन का बेहतर सहयोग रहा। जो अविस्मरणीय रहेगा। इस दौरान रजिस्ट्री कार्यालय पर शनिवार के दिन बृहद भंडारे का आयोजन भी किया गया।

परामर्श केंद्र ने 4 परिवारों को टूटने से बचाया

बहराइच। परामर्श केन्द्र द्वारा आपसी पारिवारिक विवाद को समाप्त कराकर 04 परिवारों में सुलह कराते हुए परिवारों को टूटने से बचाया *बहराइच आवेदिका द्वारा आपसी पारिवारिक विवाद के सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक के समक्ष सुलह हेतु प्रार्थना पत्र दिया गया, जिसके निस्तारण हेतु पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र को निर्देशित किया गया। परिवार परामर्श केन्द्र द्वारा शिकायतकर्ता की शिकायतों को विस्तारपूर्वक सुनकर-समझकर द्वितीय पक्ष से सम्पर्क करके उन्हें पुलिस कार्यालय स्थित परिवार परामर्श केंद्र बुलाया गया तथा दोनों पक्षों को समझाया गया, जिसके परिणामस्वरूप दोनों पक्षों द्वारा भविष्य में आपस में लड़ाई-झगड़ा न करने तथा पारिवारिक कर्तव्यों का पालन करते हुए खुशी-खुशी साथ रहने की बात कही गयी। आपसी सुलह होने पर दोनों पक्षों को एक दूसरे के साथ आपस में सामंजस्य स्थापित कर पारिवारिक दायित्वों को सही प्रकार से निर्वहन करने हेतु सलाह दी गयी।

राजकीय सम्प्रेक्षण गृह किशोरी व वृद्धाश्रम में विधिक साक्षरता और जागरूकता शिविर आयोजित

बाराबंकी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव उज्ज्वल उपाध्याय की अध्यक्षता मे राजकीय सम्प्रेक्षण गृह किशोरी व सफेदाबाद स्थित मातृ-पितृ सदन, वृद्धाश्रम मे विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर मे एसीजेएम व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव श्री उपाध्याय ने बताया गया कि प्रत्येक किशोरी को पढ़ने-लिखने, खाने-पीने,

एसीजेएम उज्ज्वल उपाध्याय ने दी विधिक सहायता व अधिकारो की जानकारी

दवा-इलाज इत्यादि का विधिक अधिकार प्राप्त है। किशोरी यहां पर रहते हुये पढ़ाई-लिखाई कर सकती है जिससे वह अपने आने वाले कल को संवार सकती है। इसके अतिरिक्त वृद्धों एवं मां बाप के अधिकारों को तथा इस अवस्था में उनकी उचित देखभाल एवं कल्याण के लिए व्यापक कानूनी उपबन्ध किये गये है जिसमें वे अपने बच्चों, बेऔलाद होने की दशा में सम्पत्ति के प्रस्तावित उत्तराधिकारियों से भरण पोषण की मांग कर सकते हैं और प्रतिकूल दशा में वृद्धाश्रमों का आश्रय ले सकते हैं। वरिष्ठ नागरिकों को प्राप्त निःशुल्क विधिक सहायता के उपबन्धों तथा विधिक सेवा प्राधिकरण के क्रिया कलापों के बारे में भी जानकारी दी गई।

ग्राम पंचायतों की सोशल आडिट का रोस्टर निर्धारित

बहराइच। जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने बताया कि निदेशक, सोशल आडिट, उत्तर प्रदेश, सोशल आडिट निदेशालय, ग्राम्य विकास विभाग, उ.प्र. द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के प्रथम चरण में वित्तीय वर्ष 2025-26 में महात्मा गांधी नरेगा के अन्तर्गत कराये गये कार्यों का सोशल आडिट किये जाने हेतु सोशल आडिट कैलेण्डर निर्गत किया गया है निदेशालय द्वारा जारी कैलेंडर के अनुसार विकास खण्ड हुजूरपुर की ग्राम पंचायत आदिलपुर, ऐलिहा, बड़ागांव, बैकुण्ठा, बरूही, विकास खण्ड जरवल की ग्राम पंचायत आदमपुर, अहाता, अलीनगर, अम्भापुर व अरईउमरी, विकास खण्ड मिहींपुरवा की ग्राम पंचायत अड़गोड़वा, अड़गोड़वा (भाऊ), अहलादगांव, आम्बा व अंटहवा में 26 से 29 मई 2026 तक सोशल आडिट होगा। ब्लाक हुजूरपुर की ग्राम पंचायत बसन्तपुर, बडवा, बेहड़ा, बघौरवा व भैसहा, ब्लाक जरवल की ग्राम पंचायत अठैसा, अटवा, बढ़ौली, बहरामपुर व बम्भौरा, ब्लाक मिहींपुरवा की ग्राम पंचायत अयोध्यागांव, बागीपुर बनकटी, भगवानपुर, बखारी व बर्दिया, ब्लाक नवाबगंज की ग्राम पंचायत बख्शावर, बनकशी, बनकुरी व बरगधा चिलविला, ब्लाक फखरपुर की ग्राम पंचायत अचोलिया, अंगनापारा, अजीजपुर, अकबरपुर बुजुर्ग, अखियारपुर व अलीपुर दरौना में 30 मई से 02 जून 2026 तक सोशल आडिट होगा। इसी प्रकार ब्लाक हुजूरपुर की ग्राम पंचायत भम्भरपुर, भानपुर, भंगहा, भाटीकुडा व भिडवारी, ब्लाक जरवल की ग्राम पंचायत बसहिया जगत, बसहियापाते, बेलनापारा, भदूदी व भखौरामाफी, ब्लाक मिहींपुरवा की ग्राम पंचायत बड़खड़िया, बसथनवा, बेझा, भगड़िया व बोझिया, ब्लाक नवाबगंज की ग्राम पंचायत बसन्तपुर कालिका, बसन्तपुर ऊदल, भगतपुर गुलरिहा व भगवानपुर करिंगा, ब्लाक फखरपुर की ग्राम पंचायत अमवा तेतारपुर, अरईकला, बाभनडीह, बडवारा, बहलिया व बहुरवा में 03 से 05 जून 2026 तक सोशल आडिट होगा। ब्लाक हुजूरपुर की ग्राम पंचायत बुलहा, चाकूजोत, चिलहरिया, चिरैयाटांड व धानपारा, ब्लाक जरवल की ग्राम पंचायत भरथा शहबाजपुर, भौली, भोपतपुर, बीबीपुर व बिराहिमपुर बेलहौरा, मिहींपुरवा की ग्राम पंचायत चौधरीगांव, चफरिया, चहलवा, चिकनिया व चोरवा, नवाबगंज की ग्राम पंचायत भवनियापुर टिकुरी, चर्दा, चनैनी व चौगोड़वा, फखरपुर की ग्राम पंचायत बमियारी, बसौना, बतौरा सारसत, बटुरहा, बेलहारी व बढवानी में 06 से 09 जून 2026 तक सोशल आडिट होगा। ब्लाक हुजूरपुर की ग्राम पंचायत धरमपुर, दुगुर्पुर, गौडरिया, गौरिया व गाजीपुर, ब्लाक जरवल की ग्राम पंचायत चहलवार, चिलौली, देवीदासपुर, धनराजपुर व धनसुरी, मिहींपुरवा की ग्राम पंचायत धरमपुर, धमापुर, फकीरपुरी, गंगापुर व गौढहरिया, ब्लाक नवाबंज की ग्राम पंचायत चौगोई विलासपुर आदि है।

जैव उर्वरक अभियान के तहत किसान सभा का हुआ आयोजन

अयोध्या। सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता राज कुमार शुक्ला की अध्यक्षता में जनपद के विकासखंड पूरा बाजार के दर्शन नगर समिति पर जैव उर्वरक अभियान के तहत किसान सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विवेक त्रिवेदी उप क्षेत्र प्रबंधक इफको अयोध्या द्वारा किसानों को नैनो यूरिया प्लस एवं नैनो कॉपर एवं नैनो डीएपी एवं जैव उर्वरक के प्रयोग विधि व उससे होने वाले लाभ के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। साथ ही एआरसीएस ने सभी किसानों का आह्वान करते हुए कहा कि अपनी मिट्टी की सेहत को बचाने के लिए सभी किसान जैव उर्वरक, हरी खाद, नैनो डीएपी से बीज/जड़ उपचार करके खेती करें, निश्चित लाभ मिलेगा और कम लागत के साथ उत्पादन में बढ़ोत्तरी होगी।

मजबूत बनी हुई है निर्यात वृद्धि की रफ्तार: गोयल

एजेंसी

नयी दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि मई के पहले तीन सप्ताह के दौरान देश के निर्यात में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है। गोयल ने कहा कि वैश्विक स्तर पर उथल-पुथल के माहौल के बावजूद भारत निर्यात और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में बेहतर वृद्धि दर्ज करते हुए लगातार वैश्विक मंच पर अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है।

गोयल ने यहां संवाददाताओं से कहा, मैंने पिछले तीन सप्ताह के निर्यात आंकड़े देखे हैं। अप्रैल में जो वृद्धि दर देखने को मिली थी, वह मई में भी जारी है। हमने अनेक प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद मजबूती दिखाई है। अप्रैल में देश का निर्यात 13.78 प्रतिशत बढ़कर 43.56 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो चार वर्ष से अधिक समय में मासिक आधार पर सबसे उंचा स्तर है।

भारत-कनाडा व्यापार समझौते से व्यापार को मिलेगी गति

नयी दिल्ली। भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) ने वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की 25-27 मई को प्रस्तावित कनाडा यात्रा को सकारात्मक पहल बताते हुए कहा है कि इससे दोनों देशों के बीच प्रस्तावित व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) पर वार्ता को नई गति मिलेगी। फियो ने एक बयान में कहा कि गोयल की यह यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब दोनों देश द्विपक्षीय आर्थिक एवं व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने और 2030 तक आपसी व्यापार को 50 अरब डॉलर तक पहुंचाने के लक्ष्य की दिशा में काम कर रहे हैं। फियो के अध्यक्ष एस. सी. रल्हन ने कहा कि यह यात्रा दोनों देशों की आर्थिक संबंधों को मजबूत करने और सीईपीए पर बातचीत को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि भारत और कनाडा कृषि, स्वच्छ ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज, खाद्य प्रसंस्करण, शिक्षा और उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में एक-दूसरे के पूरक हैं, जिससे व्यापार और निवेश बढ़ाने की व्यापक संभावनाएं हैं। निर्यातकों के शीर्ष संगठन ने उम्मीद जताई कि गोयल की यह यात्रा सीईपीए वार्ता को नई दिशा देगी और भारत-कनाडा के बीच व्यापक आर्थिक सहयोग का मार्ग प्रशस्त करेगी।

कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के कारण पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात में हुई बढ़ोतरी इसका प्रमुख कारण रही। हालांकि, आयात बढ़ने से देश का व्यापार घाटा तीन महीने के उच्च स्तर 28.38 अरब डॉलर पर पहुंच गया। गोयल ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में एफडीआई बढ़कर रिकॉर्ड 95 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो सालाना आधार पर 17 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक निवेशकों के लिए पसंदीदा निवेश गंतव्य बना हुआ है, इसलिए आने वाले वर्षों में भी यह वृद्धि जारी रहने की संभावना है। गोयल ने कहा सरकार ने लागत का बड़ा बोझ खुद उठाया है, खासकर उर्वरकों की बढ़ी कीमतों के मामले में किसानों पर इसका भार नहीं डाला गया और पूरा खर्च केंद्र सरकार ने वहन किया है।

वाणिज्य मंत्रालय मई महीने के निर्यात-आयात के आधिकारिक आंकड़े 15 जून को जारी करेगा। उन्होंने कहा कि सरकार आर्थिक वृद्धि को समर्थन देने के लिए लगातार नई पहल भी कर रही है। इसके साथ सरकार कुछ क्षेत्रों में निवेश को बढ़ावा देने के लिए भी प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि सरकार घरेलू विनिर्माण, औद्योगीकरण तथा देश में घरेलू एवं विदेशी निवेश को बढ़ावा देने के लिए पहले ही कई कदम उठा चुकी है।

बंगाल : साल्ट लेक स्टेडियम की विवादित प्रतिमा ध्वस्त

एजेंसी

कोलकाता। कोलकाता के पास साल्ट लेक स्टेडियम के वीवीआईपी गेट के बाहर स्थित एक विवादास्पद प्रतिमा को पश्चिम बंगाल सरकार के निर्देशों के बाद शनिवार सुबह ध्वस्त कर दिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। साल्ट लेक स्टेडियम को विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन के नाम से भी जाना जाता है। राज्य के खेल मंत्री निशीथ प्रमाणिक ने घोषणा की थी कि उक्त प्रतिमा को स्टेडियम परिसर से हटा दिया जाएगा। कई फुटबॉल प्रेमियों ने इस प्रतिमा को अजीब और अर्थहीन बताकर इसकी आलोचना की थी। यह प्रतिमा 2017 में साल्ट लेक स्टेडियम के नवीनीकरण के दौरान स्थापित की गई थी। इसमें धड़ का निचला हिस्सा दिखाया गया था, जिसके ऊपर एक फुटबॉल रखी हुई थी, जिस पर बिस्व बांग्ला का लोगो बनाया गया था। प्रतिमा के दोनों पैरों के ऊपर भी फुटबॉल रखी गई थी, जिनमें से एक पर जॉयी शब्द

लिखा हुआ था। बताया जाता है कि प्रतिमा की डिजाइन की परिकल्पना पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने की थी। यह प्रतिमा अपनी स्थापना के बाद से ही फुटबॉल प्रशंसकों और दर्शकों के बीच बहस का विषय बनी हुई थी। कई लोगों ने देश के प्रमुख फुटबॉल स्थलों में से एक के बाहर इसकी स्थापना के औचित्य पर सवाल उठाया है। सॉल्ट लेक स्टेडियम में 17 मई को आयोजित मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के डर्बी मुकाबले में शामिल हुए प्रमाणिक ने संवाददाताओं से बातचीत के दौरान प्रतिमा की कड़ी आलोचना की थी। उन्होंने कहा था यह एक विचित्र और बेढंगी प्रतिमा है, जिसमें कटे हुए पैरों पर फुटबॉल रखी हुई दिखाई गई है। कई लोगों का मानना था कि जब से इसे स्थापित किया गया था, तब से पिछली सरकार के लिए चीजें बिगड़ने लगीं। खेल विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के साथ परामर्श के बाद औरै फुटबॉल प्रेमियों के बीच स्टेडियम परिसर की मजबूत पहचान बहाल करने की योजनाओं के अनुरूप प्रतिमा को हटाने का फैसला लिया गया।

संक्षेप

भारत की मेजर अभिलाषा बराक को संरा मिलिट्री जेंडर एडवोकेट पुरस्कार

संयुक्त राष्ट्र। लेबनान में संयुक्त राष्ट्र मिशन में सेवारत भारतीय शांतिरक्षक, मेजर अभिलाषा बराक को विश्व संस्था द्वारा प्रतिष्ठित यूनाइटेड नेशंस मिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयर अवॉर्ड के लिए नामित किया गया है। पश्चिम एशियाई देश में तैनाती के दौरान महिलाओं और लड़कियों के साथ किए गए संपर्क प्रयासों के लिए बराक को 2025 का यूनाइटेड नेशंस मिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयर अवॉर्ड प्रदान किया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि मेजर अभिलाषा बराक को 2025 का यूनाइटेड नेशंस मिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयर अवॉर्ड प्रदान किया जाएगा। उन्हें महिलाओं और किशोरियों के साथ संपर्क कायम करने और सामुदायिक गतिविधियों तथा शांतिरक्षकों को लैंगिक संवेदनशीलता प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए सम्मानित किया जा रहा है।

क्रूजर कार- लॉरी में टक्कर, पांच की मौत

कलबुर्गी (कर्नाटक)। कर्नाटक के कलबुर्गी जिले में एक क्रूजर वाहन और लॉरी के बीच हुई आमने-सामने की भीषण टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को बताया कि हादसे का शिकार हुए सभी पांचों मृतक आपस में रिश्तेदार थे। पुलिस के अनुसार, यह हादसा शुक्रवार देर रात कलबुर्गी जिले के चित्तापुर तालुक के लाडलापुर गांव के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान चित्तापुर तालुक के इंगलागी गांव निवासी तोलुसाब काशवार (27), हुसैन शाह (48), मैबूब अली (45), रसूल बी (42) और फातिमा अली (38) के रूप में हुई है।

बिहार में 20 औद्योगिक परियोजनाओं को मंजूरी

पटना। बिहार सरकार ने शनिवार को लगभग 350 करोड़ रुपये की 20 परियोजनाओं को मंजूरी दी और उनकी स्थापना के लिए लगभग 30 एकड़ जमीन आवंटित की। राज्य सरकार के अधिकारियों ने कहा कि उद्योग विभाग के तहत संचालित बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरण (बीआईएडीए) की परियोजना मंजूरी समिति की बैठक में उन परियोजनाओं को मंजूरी दी गई, जिनसे लगभग 2,300 लोगों के लिए रोजगार पैदा होने की उम्मीद है। इस बैठक में उद्योग विभाग के सचिव कुंदन कुमार और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। विभाग ने एक बयान में कहा, समिति ने 20 औद्योगिक परियोजनाओं को मंजूरी दी।

मनोवैज्ञानिक तरीके से लड़े जायेंगे भविष्य के युद्ध : सीडीएस चौहान

एजेंसी

शिरडी। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने शनिवार को कहा कि भविष्य के युद्ध बहु-क्षेत्रीय होंगे, जहां लड़ाइयां भूमि, समुद्र, वायु और साइबर क्षेत्र के साथ-साथ मनोवैज्ञानिक तरीके से भी लड़ी जाएंगी। जनरल चौहान ने कहा कि प्रौद्योगिकी, गति और नवाचार आने वाले दिनों में अभियानों की सफलता निर्धारित करने वाले महत्वपूर्ण कारक होंगे। महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिले के शिरडी में एक रक्षा विनिर्माण इकाई के उद्घाटन के अवसर पर सीडीएस चौहान ने कहा कि युद्ध, युद्धकला और युद्ध के तरीकों में तेजी से बदलाव देखने को मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि आधुनिक युद्ध केवल जनशक्ति, पारंपरिक हथियारों या प्लेटफॉर्म-केंद्रित अभियानों पर आधारित नहीं हैं। जनरल चौहान ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ड्रोन, रोबोटिक्स, साइबर प्रणालियां, स्वायत्त प्लेटफॉर्म, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, सटीक मारक क्षमता वाले हथियार और सूचना प्रभुत्व भविष्य के युद्धों को निर्णायक आकार देंगे। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी, गति और नवाचार आने वाले दिनों में अभियानों की सफलता निर्धारित करने वाले महत्वपूर्ण कारक होंगे।

50 औद्योगिक पार्क के लिए राज्यों से मांगे आवेदन

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने 33,660 करोड़ रुपये की भारत औद्योगिक विकास योजना (भव्य) के तहत 50 औद्योगिक पार्कों की स्थापना के लिए राज्यों से आवेदन मांगे हैं और इसके लिए चार महीने की समयसीमा तय की है। सरकार ने शनिवार को यह जानकारी दी।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 18 मार्च को देशभर में 100 प्लग-एंड-प्ले औद्योगिक पार्क विकसित करने की योजना को मंजूरी दी थी। ये ऐसे औद्योगिक पार्क होंगे जहां सारी जरूरी सुविधाएं पहले से तैयार हों और कंपनी अपना काम फौरन शुरू कर सके। भव्य योजना का उद्देश्य विश्व स्तरीय

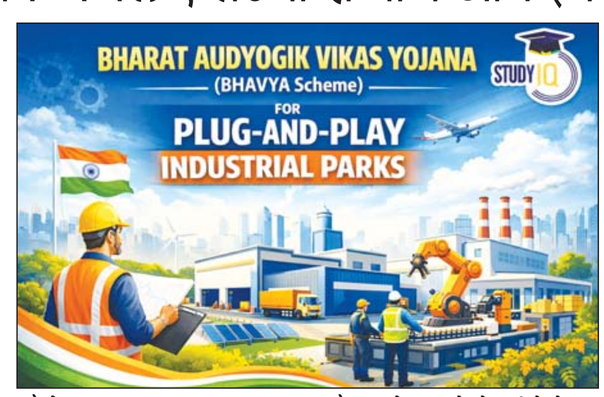

औद्योगिक अवसंरचना विकसित करना, विनिर्माण क्षमता को बढ़ाना और देश की आर्थिक वृद्धि को गति प्रदान करना है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने संवाददाताओं से कहा कि पहले दो महीनों में 20 औद्योगिक पार्क के लिए और उसके बाद के दो महीनों में 30 अन्य पार्क के लिए राज्यों से आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। पहले चरण में इन 50 पार्क को मंजूरी दी जाएगी और शेष 50 पार्क को अगले चरण में स्वीकृति प्रदान करने की योजना है।

कोर्ट ने आजम खान की सजा बढ़ाकर की 10 वर्ष

जिला संवाददाता

रामपुर। उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले की एक अदालत ने शनिवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता आजम खान के दो पैन कार्ड से जुड़े मामले में सजा सात वर्ष से बढ़ाकर 10 वर्ष कर दी, जबकि उनके बेटे अब्दुल्ला आजम खान की सात साल की सजा को बरकरार रखा गया है। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश विजय कुमार ने अभियोजन पक्ष की उस अपील पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया, जिसमें सजा बढ़ाने की मांग की गई थी। इससे पहले, एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट अदालत के शोभित बंसल ने दोनों को सात-सात साल के कारावास और 50-50 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई थी। अपर जिला शासकीय अधिवक्ता सीमा सिंह राणा ने शनिवार को बताया कि अदालत ने आजम खान पर विभिन्न धाराओं में दी गई सजा बढ़ाते हुए जुर्माना बढ़ाकर पांच लाख रुपये कर दिया है। उन्होंने बताया कि अब्दुल्ला आजम खान की सात वर्ष की सजा यथावत रखी गई है।

- अब्दुल्ला की सात साल की सजा रहेगी बरकरार

राजस्थान में सेमीकंडक्टर क्षेत्र में अपार संभावनाएं

एजेंसी

जयपुर। केंद्र और राजस्थान सरकार ने प्रोत्साहन, नीतिगत समर्थन एवं बुनियादी ढांचे पर जोर देते हुए शनिवार को राज्य को इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सेमीकंडक्टर विनिर्माण के एक प्रमुख गंतव्य के रूप में पेश किया और निवेशकों से इकाइयां स्थापित करने का आग्रह करते हुए पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि राजस्थान में इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण ने तीव्र वृद्धि दर्ज की है। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों में करीब 450 कारखानों की आधारशिला रखी गई है, जबकि पिछले एक वर्ष में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण विनिर्माण योजना (ईसीएमएस) के तहत 75 कारखानों को मंजूरी दी गई है। वैष्णव ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ एक संवाद सत्र में शिरकत करते हुए कहा कि डबल इंजन सरकार निवेशकों को पूरा सहयोग देगी। उन्होंने निवेशकों से विनिर्माण इकाइयों की स्थापना के लिए

स्पष्ट लक्ष्य तय करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सेमीकंडक्टर क्षेत्र के विस्तार से बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत सेमीकंडक्टर उत्पादन करने वाले चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है और 76,000 करोड़ रुपये से अधिक के प्रोत्साहन पैकेज के साथ इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन तेजी से आगे बढ़ रहा है। शर्मा ने कहा कि भिवाड़ी में 50 एकड़ में फैला राज्य का पहला सेमीकंडक्टर क्लस्टर शुरू हो चुका है, जिसकी वार्षिक उत्पादन क्षमता करीब छह करोड़ चिप की है। अब तक करीब 20 कंपनियों से 1,200 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले हैं।

मुख्यमंत्री ने राज्य के ट्रिपल-एस लाभ (सिलिका, कौशल और सौर ऊर्जा) का उल्लेख करते हुए कहा कि इस क्षेत्र के लिए विशेष नीति और पूंजी सब्सिडी एवं ब्याज सहायता जैसे वित्तीय प्रोत्साहन दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जोधपुर-पाली-मारवाड़ औद्योगिक क्षेत्र और कांकणी को राजस्थान की सिलिकॉन वैली के रूप में विकसित किया जा रहा है। राजस्थान के उद्योग मंत्री राज्यवर्धन राठौड़ ने इस मौके पर कहा कि डिजिटल युग में सेमीकंडक्टर आर्थिक आत्मनिर्भरता और वैश्विक शक्ति संतुलन की रीढ़ बन चुके हैं और राजस्थान इस मिशन में अहम भूमिका निभाने की स्थिति में है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सेमीकंडक्टर क्षेत्र पर आयोजित संवाद कार्यक्रम में उद्योग जगत के प्रतिनिधियों, निवेशकों और विशेषज्ञों ने शिरकत की।

सीतारमण से मिले सीएम हिमंत बिस्वा सरमा

एजेंसी

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने असम की आर्थिक वृद्धि को तेज करने की रूपरेखा पर चर्चा की।

शर्मा ने पिछले पांच वर्षों में असम को केंद्र सरकार से मिले सहयोग के लिए वित्त मंत्री का आभार जताया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, नयी दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। मैंने पिछले पांच वर्षों में असम को दिए गए निरंतर सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया और आने वाले वर्षों में राज्य की वृद्धि और विकास की रूपरेखा पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच पर एक अलग पोस्ट में कहा कि दोनों नेताओं ने असम सरकार की आर्थिक वृद्धि को गति देने और राज्य को पूर्वोत्तर भारत के प्रमुख विकास केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना पर चर्चा की। भारतीय जनता पार्टी की अगुवाई वाली सरकार हाल ही में विधानसभा चुनावों के बाद असम में लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटी है।

पेज एक का शेष

भारत को

नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली की अपनी यात्राओं के राजनयिक और आर्थिक परिणामों पर विस्तार से बताते हुए, प्रधानमंत्री ने प्रत्येक राष्ट्र के साथ किए गए क्षेत्र-विशिष्ट समझौतों और वार्ता की रूपरेखा प्रस्तुत की। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस यात्रा के दौरान, नीदरलैंड के साथ सेमीकंडक्टर, जल, कृषि और विनिर्माण पर चर्चा हुई, स्वीडन के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और डिजिटल नवाचार पर जबकि नॉर्वे के साथ हरित प्रौद्योगिकी और समुद्री क्षेत्र में सहयोग पर बात हुई। उन्होंने कहा कि संयुक्त अरब अमीरात के साथ ऊर्जा और प्रौद्योगिकी संबंधी रणनीतिक साझेदारियों पर समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए और इटली के साथ रक्षा, महत्वपूर्ण खनिजों और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर समझौते हुए। मोदी ने इस तरह के तालमेल के दीर्घकालिक महत्व पर जोर दिया और कहा कि ये वे क्षेत्र हैं जो उद्योगों को आकार देंगे और अगले 25 वर्षों के लिए वैश्विक विकास को परिभाषित करेंगे। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के विश्वसनीय भागीदार के रूप में भारत के बढ़ते कद के ठोस उदाहरण के रूप में एएसएमएल-टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स समझौते का हवाला देते हुए, मोदी ने बताया कि भारत उन चुनिंदा देशों में से एक है जिनके साथ नीदरलैंड की सेमीकंडक्टर क्षेत्र की दिग्गज कंपनी ने समझौता किया है।

एक जुलाई से

निगरानी प्रणाली और प्रौद्योगिकी-आधारित शासन शामिल हैं। मसौदे के अनुसार, समिति में ग्रामीण विकास विभाग, नीति आयोग, केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों और तकनीकी संस्थानों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इस अधिनियम के तहत क्रियान्वयन, मूल्यांकन, निगरानी और रिपोर्टिंग में सहयोग के लिए केंद्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी परिषद का भी प्रस्ताव किया गया है। मंत्रालय का कहना है कि इन दोनों निकायों का उद्देश्य नीति समन्वय, संस्थागत निगरानी और सहभागी शासन को मजबूत करना है। शिकायत निवारण नियमों के मसौदे में डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे द्वारा समर्थित एक प्रौद्योगिकी-आधारित, बहुस्तरीय और समयबद्ध प्रणाली स्थापित करने का प्रयास है, जिसमें पंजीकरण, निगरानी, शिकायत निवारण और अपील के प्रावधान शामिल हैं। प्रशासनिक व्यय नियमों में केंद्र द्वारा वहन किए जाने वाले, राज्यों के साथ साझा किए जाने वाले या राज्यों द्वारा वहन किए जाने वाले व्यय निर्दिष्ट किए गए हैं, जिनमें कर्मचारी की नियुक्ति, प्रशिक्षण, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी प्रणाली, निगरानी, शिकायत निवारण और सामाजिक लेखापरीक्षा पर होने वाला व्यय शामिल है।

विधानसभा के

आने के बाद सरकार पंचायत चुनाव के तैयारी को तेज करेगी। इसके आधार पर पंचायत चुनाव कराए जाएंगे। ऐसे में माना जा रहा है कि यूपी विधानसभा चुनाव 2027 के बाद ही पंचायत चुनाव हो पाएंगे। इस प्रकार प्रधानों को ही प्रशासक के तौर पर पंचायतों की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है।

बिजली आपूर्ति

राजनीतिक मुद्दा बन गई है। विपक्षी दलों के साथ-साथ भाजपा के विधायकों ने भी अपने क्षेत्रों में चरमराती बिजली व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े किये हैं। विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले ही यह मामला सियासी तूल पकड़ चुका है। विपक्ष के साथ ही अपनी पार्टी के विधायकों का आरोप झेल रहे ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने कहा है कि वे सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के सुझावों का स्वागत करते हैं और जनता की शिकायतों के समाधान के लिए हर संभव कदम उठाये जायेंगे। साथ ही सोशल साइट एक्स पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और ऊर्जा मंत्री एके शर्मा के बीच भी बिजली की समस्या को लेकर बहस हुई, जिस पर अखिलेश पर निशाना साधते हुए ऊर्जा मंत्री ने कहा, अखिलेश जी, जब भी आईना उठाइए तो पहले खुद देखिये, फिर दिखाइए। साथ ही उन्होंने एक्स पर 19 बिन्दुओं पर जवाब भी दिया।

बता दें कि प्रदेश में पिछले कुछ दिनों से आग बरस रही है। तापमान बढ़ने के कारण लोगों का घरों से निकलना दूभर हो गया है। ऐसे में गर्मी से बचने के लिए बिजली ही एक सहारा है, वह भी जनता को पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल पा रही है। बिजली कटौती को लेकर कई जिलों में जनता द्वारा जबरदस्त प्रदर्शन भी हुए हैं। कटौती को लेकर विपक्ष लगातार सरकार पर हमलावर बना हुआ है। साथ ही सत्ता पक्ष के भी कई विधायकों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजे हैं। इसको देखते हुए सीएम योगी ने सख्त रुख अपनाया है।

श्रमिकों का

विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों और प्रस्तावित योजनाओं की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी बच्चा आर्थिक मजबूरी के कारण शिक्षा से वंचित न रहे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बाल श्रम प्रभावित क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर बच्चों को विद्यालयों से जोड़ा जाए और उनके पुनर्वास की प्रक्रिया को प्रभावी बनाया जाए। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र के सहयोग से इन बच्चों के कौशल विकास की कार्ययोजना भी तैयार की जाए। बैठक में बताया गया कि वर्ष 2020 में प्रारंभ की गई इस योजना के तहत 8 से 18 वर्ष आयु वर्ग के कामकाजी बच्चों को विद्यालयों में प्रवेश दिलाकर आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। वर्तमान में योजना 20 जनपदों में संचालित है। मुख्यमंत्री ने इसे नए प्रावधानों के साथ प्रदेश के सभी 75 जनपदों में लागू करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने ॡसेवामित्र व्यवस्थाॠ को रोजगार और जनसुविधा का अभिनव मॉडल बताते हुए कहा कि तकनीक आधारित ऐसी व्यवस्थाएं युवाओं और कुशल कामगारों के लिए नए अवसर तैयार करती हैं। उन्होंने इसे और अधिक प्रभावी तथा जनोपयोगी बनाने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि वर्ष 2021 से संचालित इस व्यवस्था के तहत नागरिक मोबाइल ऐप, वेब पोर्टल अथवा कॉल सेंटर के माध्यम से घरेलू सेवाएं प्राप्त कर सकते हैं। वर्तमान में पोर्टल पर 1097 सेवा प्रदाता, 5049 सेवामित्र और 54,747 कुशल कामगार पंजीकृत हैं। मुख्यमंत्री ने सरकारी विभागों में भी आवश्यकता के अनुसार सेवामित्र व्यवस्था के उपयोग के प्रस्ताव को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इससे पारदर्शिता बढ़ेगी तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

चीन : कोयला

करने के प्रयास तेज करने चाहिए, ताकि हादसों को रोका जा सके। उपप्रधानमंत्री झांग गुओकिंग बचाव अभियान की निगरानी के लिए एक दल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे।

फिर बढ़े

के खुदरा दाम बढ़ा रही हैं। हालांकि इसके पहले लंबे समय पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़े थे। पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में यह वृद्धि वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, रिफाइनिंग मार्जिन में कमी और रुपये के कमजोर होने के कारण हुई है। मूल्यवृद्धि के बाद दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 98.64 रुपये प्रति लीटर से 87 पैसे बढ़कर 99.51 रुपये प्रति लीटर हो गई। इसी तरह, डीजल की कीमत 91.58 रुपये प्रति लीटर से 91 पैसे बढ़कर 92.49 रुपये प्रति लीटर हो गई। इससे पहले 15 मई को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तीन रुपये प्रति लीटर और 19 मई को लगभग 90 पैसे प्रति लीटर की वृद्धि की गई थी।

हथियारों का

बारूद और स्वचालन का केंद्र बनाने के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा। सिंह ने कहा कि ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के शासनकाल के दौरान, पोटैशियम नाइट्रेट का उपयोग बारूद बनाने के लिए कच्चे माल के रूप में किया जाता था, और कंपनी ने अपनी सैन्य क्षमता को मजबूत किया। उन्होंने कहा कि रक्षा उद्योग के मामले में भारत ने काफी लंबा सफर तय किया है। सिंह ने कहा कि हालांकि आयुध कारखाने स्वतंत्रता से पहले भी मौजूद थे और रक्षा उद्योग देश में गहराई से जुड़ा हुआ है, लेकिन स्वतंत्रता के बाद, देश की पुरानी क्षमताओं और आधुनिक आवश्यकताओं के बीच कोई संतुलन नहीं रहा। रक्षा मंत्री ने कहा कि इसके पीछे मुख्य कारण यह था कि निजी क्षेत्र के खिलाड़ियों को अवसर नहीं मिले और यह क्षेत्र रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और आयुध कारखानों तक ही सीमित रहा।

उन्होंने रक्षा क्षेत्र में निजी भागीदारी बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए कदमों को सूचीबद्ध किया, जिसमें नीति संबंधी सुधार और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का उदारीकरण शामिल है। उन्होंने कहा कि सरकार ने रणनीतिक साझेदारी मॉडल लागू किया है और 5,000 वस्तुओं की एक सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची तैयार की है, जिसके तहत सशस्त्र बलों के लिए इन वस्तुओं की खरीद भारत में ही अनिवार्य कर दी गई है। सिंह ने आगे कहा कि युवा नवप्रवर्तकों को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है।

600 विद्यालयों

36 हब एवं 108 स्पोक विद्यालय (कुल 144) तथा तृतीय चरण में 96 हब एवं 288 स्पोक विद्यालय (कुल 384) में ड्रीम लैब्स स्थापित किए जाएंगे। इन ड्रीम लैब्स को आधुनिक नवाचार एवं कौशल विकास केन्द्रों के रूप में विकसित किया जाएगा, जहां कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता), रोबोटिक्स, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), 3डी प्रिंटिंग, उन्नत विनिर्माण, बैटरी चालित विद्युत वाहन, इलेक्ट्रॉनिक्स, कृषि विज्ञान, नवीकरणीय ऊर्जा, ड्रोन प्रौद्योगिकी तथा डिजाइन थिंकिंग जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। यह परियोजना राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढांचा (एनएसक्यूएफ) तथा स्किल इंडिया मिशन के अनुरूप है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में नवाचार, समस्या समाधान क्षमता, तकनीकी दक्षता एवं उद्यमिता कौशल विकसित करना है, ताकि वे भविष्य की वैश्विक अर्थव्यवस्था में प्रतिस्पर्धी बन सकें।

पांच वर्षीय साझेदारी मॉडल के अंतर्गत संचालित इस परियोजना में नेल्को लिमिटेड के नेतृत्व में औद्योगिक समूह द्वारा अत्याधुनिक मशीनरी, डिजिटल प्लेटफॉर्म, सॉफ्टवेयर एवं रखरखाव सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही उद्योग विशेषज्ञों द्वारा विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देने के साथ-साथ शिक्षकों का क्षमता निर्माण भी सुनिश्चित किया जाएगा जिससे मॉडल दीर्घकालिक रूप से आत्मनिर्भर बन सके। कार्यक्रम में यास्कावा, मास्टरकैम, 3डी सिस्टम्स, अज्नालेंस, एसीई माइक्रोमैटिक सहित विभिन्न वैश्विक कंपनियों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता करते हुए इस पहल को शिक्षा और उद्योग के बीच मजबूत सेतु बताया। उन्होंने कहा कि ड्रीम लैब्स विद्यार्थियों को वास्तविक औद्योगिक अनुभव प्रदान कर उन्हें रोजगार एवं उद्यमिता के बेहतर अवसरों से जोड़ेगा। यह परियोजना उत्तर प्रदेश को ॡकुशल, आत्मनिर्भर एवं नवाचार आधारित अर्थव्यवस्थाॠ के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी तथा आने वाले समय में प्रदेश के विद्यालयों से नई पीढ़ी के तकनीकी विशेषज्ञ, नवप्रवर्तक एवं उद्यमी तैयार होंगे। अपर निदेशक (व्यावसायिक शिक्षा) सुरेन्द्र कुमार तिवारी तथा अपर राज्य परियोजना निदेशक विष्णु कान्त पाण्डेय सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

डॉक्टर की

आरोप लगाया कि उपचार के दौरान लगाए गए एक इंजेक्शन से उनकी मां के दाहिने हाथ में गंभीर सूजन और संक्रमण हो गया। बाद में उन्हें पारस अस्पताल में स्थानांतरित किया गया, जहां चिकित्सकों ने कथित तौर पर परिवार को बताया कि संक्रमण व्यापक रूप से फैल चुका है और हाथ काटना ही एकमात्र विकल्प बचा है। इसके बाद 17 मई को उनका हाथ काट दिया गया। आईटीबीपी जवान ने सोमवार को पुलिस आयुक्त को शिकायत देकर अस्पताल प्रशासन के खिलाफ कार्वाई की मांग की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से कई बार शिकायत करने के बावजूद कोई ठोस कार्वाई नहीं की गई।

पंजाब ने लखनऊ को 7 विकेट से हराया

आईपीएल : इंग्लिस का अर्धशतक गया बेकार, चहल-यानसन को 2-2 विकेट

एजेंसी

लखनऊ । पंजाब किंग्स ने लखनऊ सुपर जाएंट्स को सात विकेट से हरा दिया। शनिवार को इकाना स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ ने जोश इंग्लिस की तूफानी अर्धशतकीय पारी की मदद से 20 ओवर में छह विकेट पर 196 रन बनाए। जवाब में पंजाब किंग्स ने श्रेयस अय्यर के नाबाद शतक और प्रभसिमरन सिंह की अर्धशतकीय पारी की मदद से 18 ओवर में तीन विकेट पर 200 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स ने पंजाब किंग्स को 197 रन का टारगेट दिया है। इकाना स्टेडियम में टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए

लखनऊ ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 196 रन बनाए। लखनऊ के लिए जोश इंग्लिस ने सबसे ज्यादा 72 रन की पारी खेली, जबकि आयुष बडोनी ने 18 गेंदों में 43 रन बनाए। आखिर में अब्दुल समद ने नाबाद 37 रन की पारी खेलकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। पंजाब की ओर से मार्को यानसन और युजवेंद्र चहल ने 2-2 विकेट किए, जबकि अजमतुल्लाह ओमरजई और शशांक सिंह को 1-1 सफलता मिली। आखिरी ओवर में अब्दुल समद ने अर्शदीप सिंह के ओवर से 17 रन बनाए। समद ने एक छक्का और दो चौके लगाए, जबकि अर्शदीप ने तीन वाइड गेंदें भी फेंकी। इस फिनिश की बदौलत लखनऊ 196 रन तक पहुंचने में सफल रही। यानसन ने एक और विकेट हासिल करते हुए मुकुल चौधरी को 1 रन पर पवेलियन भेज दिया। मुकुल ने बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन लॉन्ग-ऑन पर सब्स्टीट्यूट फील्डर प्रवीण दुबे ने डाइव लगाकर कैच पकड़ लिया। शशांक सिंह ने इंग्लिस को आउट कर पंजाब को पांचवीं सफलता दिलाई। इंग्लिस ने बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन लॉन्ग-ऑन पर खड़े कप्तान अय्यर ने आसान कैच लपक लिया। इंग्लिस 44 गेंदों में 72 रन बनाकर पवेलियन लौटे। 16 ओवर के बाद लखनऊ का स्कोर 4 विकेट पर 157 रन हो गया है। इंग्लिस 71 रन बनाकर क्रीज पर टिके हुए हैं, जबकि अब्दुल समद ने यानसन के ओवर में एक शानदार छक्का जड़ा। इस ओवर से कुल 10 रन आए। चहल ने पंत को आउट कर पंजाब को एक और बड़ी सफलता दिलाई। पंत ने बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले पर सही तरह नहीं आई और डीप में खड़े यानसन ने आसान कैच पकड़ लिया। पंत 22 गेंदों में 26 रन बनाकर पवेलियन लौटे। पंत और इंग्लिस के बीच चौथे विकेट के लिए 65 रन की साझेदारी हुई। इंग्लिस ने 28 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने अर्शदीप सिंह की गेंद को डीप पॉइंट की ओर खेलकर दो रन लिए। 10 ओवर के बाद लखनऊ का स्कोर 3 विकेट पर 100 रन हो गया है। इंग्लिस और पंत ने पारी को संभालते हुए क्रीज पर हैं। युजवेंद्र चहल ने आयुष बडोनी को स्टंपिंग कराकर पंजाब को बड़ी सफलता दिलाई। ऑफ स्टंप के बाहर तेज गेंद पर बडोनी कट शॉट खेलने से चूक गए और उनका पैर हवा में उठ गया। विकेटकीपर प्रभसिमरन सिंह ने शानदार फुर्ती दिखाते हुए गिल्लियां बिखेर दीं। बडोनी 18 गेंदों में 43 रन बनाकर आउट हुए, जिसमें 5 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। पावरप्ले में लखनऊ ने 2 विकेट खोकर 66 रन बनाए। इंग्लिस ने शुरूआत में अर्शदीप के ओवर में चार चौके लगाकर तेज शुरूआत दिलाई। इसके बाद ओमरजई ने अर्शिन कुलकर्णी को गोल्डन डक पर आउट किया, जबकि यानसन ने निकोलस पूरन को 2 रन पर बोल्ड कर दिया। मार्को यानसन ने निकोलस पूरन को बोल्ड कर पंजाब को बड़ी सफलता दिलाई। शॉर्ट गेंद पर पूरन पुल शॉट खेलने गए, लेकिन गेंद बल्ले से लगकर सीधे स्टंप्स पर जा लगी। पूरन सिर्फ 2 रन बनाकर आउट हुए। अजमतुल्लाह ओमरजई ने दूसरे ओवर की पहली ही गेंद पर अर्शिन कुलकर्णी को गोल्डन डक पर पवेलियन भेज दिया। कुलकर्णी ने ऑफ स्टंप के बाहर जाती गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले का किनारा लेकर विकेटकीपर प्रभसिमरन सिंह के हाथों में चली गई। इंग्लिस ने मैच की शुरूआत तूफानी अंदाज में की। उन्होंने पहले ओवर में अर्शदीप सिंह के खिलाफ 4 चौकों की मदद से 16 रन बटोर लिए। इंग्लिस ने ओवर की आखिरी तीन गेंदों पर लगातार चौके लगाकर लखनऊ को तेज शुरूआत दिलाई। लखनऊ के कप्तान पंत ने कहा कि अगर टॉस उनके पक्ष में जाता, तो वह भी पहले गेंदबाजी ही चुनते, क्योंकि यह विकेट बल्लेबाजी के लिए काफी अच्छी नजर आ रही है। उन्होंने माना कि इस सीजन में उनकी टीम ने जितनी पिचों पर खेला है, उनमें यह सबसे बेहतर विकेटों में से एक है और यहां हाई स्कोरिंग मुकाबला देखने को मिल सकता है। पंत ने बताया कि टीम में दो बदलाव किए गए थे।

केकेआर व दिल्ली को प्लेऑफ की धुंधली उम्मीद बनाये रखने के लिए हर हाल में चाहिए जीत

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और दिल्ली कैपिटल्स रविवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की मौजूदा सत्र के अंतिम लीग मैच में जब आमने-सामने होंगे तो उन्हें प्लेऑफ की अपनी धुंधली उम्मीद बरकरार रखने के लिए हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। मौजूदा स्थिति के अनुसार छठे स्थान पर काबिज केकेआर और आठवें स्थान पर चल रही दिल्ली की टीम अगर मगर के समीकरणों से अभी भी प्लेऑफ का अंतिम स्थान हासिल करने की दौड़ में हैं, लेकिन यह भी हो सकता है कि रविवार को मुकाबला शुरू होने से पहले ही यह मैच महज औपचारिकता बन जाए। प्लेऑफ में जगह बनाने की दौड़ में फिलहाल सबसे आगे चल रही पंजाब किंग्स शनिवार को लखनऊसुपर जायंट्स से भिड़ेगी। अगर पंजाब किंग्स जीत जाती है तो उसके 15 अंक हो जाएंगे। इससे दिल्ली की प्लेऑफ की उम्मीदें पूरी तरह खत्म हो जाएंगी, क्योंकि उसकी टीम अधिकतम 14 अंक ही हासिल कर सकती है। केकेआर के अभी 13 अंक हैं और उसकी टीम दिल्ली पर जीत हासिल करके 15 अंक तक पहुंच सकती है, लेकिन पंजाब के नेट रन-रेट में काफी आगे है।

अगर आंकड़ों की बात करें तो पंजाब अगर लखनऊको केवल एक रन से भी हरा देता है तो फिर केकेआर को दिल्ली को कम से कम 52 रन से हराना होगा। यही नहीं केकेआर को इससे पहले रविवार को दोपहर में होने वाले मैच में मुंबई इंडियंस की राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ जीत के लिए भी प्रार्थना करनी होगी। राजस्थान के अभी 14 अंक हैं और वह इस मैच में जीत हासिल करके 16 अंक के साथ प्लेऑफ में जगह पक्की कर सकता है। दोनों टीम इन समीकरणों पर विचार करने की बजाय अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर ध्यान देगी और उन चीजों पर काम करेंगी जो उनके नियंत्रण में हैं। केकेआर को टूर्नामेंट के शुरू में विभिन्न कारणों से अपने प्रमुख तेज गेंदबाजों का सहयोग नहीं मिल पाया था जिसका असर उसके प्रदर्शन पर भी पड़ा। मुस्तफिजुर रहमान, हर्षित राणा, आकाश दीप और मथीशा पथिराना विभिन्न समस्याओं के कारण मैच नहीं खेल पाए, जबकि चोट से वापसी कर रहे कैमरन ग्रीन शुरुआती चरणों में गेंदबाजी नहीं कर सके। लेकिन केकेआर ने शानदार वापसी करते हुए अपने आखिरी सात मैचों में से छह जीतकर खिताब की दौड़ में बने रहने की उम्मीद जगाई। केकेआर की टीम इस मैच में अपने शीर्ष रन-स्कोरर अंगकृष रघुवंशी के बिना खेलेगी, जिन्होंने इस सत्र में पांच अर्धशतकों के साथ 422 रन बनाए हैं। इसके अलावा केकेआर परिस्थितियों के अनुसार अपने स्टार स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को अंतिम एकादश में रखने का फैसला करेगा। चक्रवर्ती चोटिल होने के बावजूद खेल रहे हैं। दिल्ली कैपिटल्स ने इस सत्र में कुछ महत्वपूर्ण मौके गंवाए जिसका उसे खामियाजा भुगतना पड़ा है। उसकी बल्लेबाजी काफी हद तक केएल राहुल पर निर्भर रही है, जिन्होंने 13 पारियों में 171 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 533 रन बनाए हैं, जिनमें एक शतक और चार अर्धशतक शामिल हैं। डेविड मिलर की वापसी से उसके मध्य क्रम में कुछ स्थिरता आई है, लेकिन दिल्ली की गेंदबाजी में निरंतरता की कमी रही है। उसके कप्तान अक्षर पटेल और साथी स्पिनर कुलदीप यादव कोई खास प्रभाव नहीं डाल पाए हैं। अक्षर ने 32.30 के औसत से 10 विकेट लिए हैं, मैच शुरू होने का समयः शाम 7.30 बजे।

केकेआरः अजिंक्य रहाणे (कप्तान), रिंकू सिंह, मनीष पांडे, रोवमैन पॉवेल, राहुल त्रिपाठी, फिन एलन, तेजस्वी सिंह, टिम सीफर्ट, सुनील नारायण, अनुकूल रॉय, रमनदीप सिंह, कैमरन ग्रीन, सार्थक रंजन, दक्ष कामरा, नवदीप सैनी, वैभव अरोड़ा, उमरान मलिक, मथीशा पथिराना, कार्तिक त्यागी, वरुण चक्रवर्ती और प्रशांत सोलंकी।

दिल्ली कैपिटल्सः अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल, पथुम निसांका, डेविड मिलर, ट्रस्टिन स्टब्स, अभिषेक पोरेल, समीर रिजवी, नितीश राणा, माधव तिवारी, कुलदीप यादव, विपराज निगम, टी नटराजन, मिचेल स्टार्क, लुंगी एनगिडी, काइल जैमीसन, दुशमंथा चमीरा, औकिब नबी, करुण नायर, आशुतोष शर्मा, साहिल परख, पृथ्वी साव, त्रिपुरा विजय, रेहान अहमद और अजय मंडल।

संक्षेप

मुंबई व उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय शारीरिक दिव्यांगता प्रतियोगिता के फाइनल में

बेंगलुरु। मुंबई और उत्तर प्रदेश ने पांचवीं राष्ट्रीय शारीरिक दिव्यांगता क्रिकेट चैंपियनशिप 2026 के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। मुंबई ने शुक्रवार को खेले गये सेमीफाइनल में महाराष्ट्र को 45 रन से हराया। मुबई ने आकाश पाटिल की 18 गेंदों में नाबाद 41 रन की पारी के दम पर 152 रन बनाने के बाद महाराष्ट्र को 18 ओवर में 107 रन पर आउट कर दिया। मुंबई के लिए रोहन भोइर ने पांच जबकि रविंद्र सांटे ने तीन विकेट लिये। उत्तर प्रदेश ने दूसरे सेमीफाइनल में हरियाणा पर चार विकेट से रोमांचक जीत हासिल की। हरियाणा की टीम 16.4 ओवर में 98 रन पर आउट हो गई। सादिक ने तीन विकेट लिए। कुमार राहुल और विंटू यादव को दो-दो सफलता मिली उत्तर प्रदेश ने 17 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। फाइनल रविवार को यहां स्पोर्ट्स गार्डन क्रिकेट ग्राउंड में खेला जाएगा।

तलवार डेनमार्क में शीर्ष 20 खिलाड़ियों में बरकरार

ओडेंसे (डेनमार्क)। भारतीय गोल्फर सप्तक तलवार ने अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखते हुए होटल प्लानर टूर के डेनिश चैलेंज ओपन में 67-70 का स्कोर बनाकर आसानी से कट हासिल कर लिया। घरेलू डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई टूर पर एक प्रतियोगिता जीतने वाले तलवार ने पहले दौर में एक बोगी के मुकाबले छह बर्डी लगाईं थी। उन्होंने दूसरे दौर में फ्रंट नाइन पर एक बोगी के मुकाबले छह बर्डी लगाकर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। तलवार तब शीर्ष पांच में जगह बनाने के करीब थे। लेकिन 16वें होल पर डबल बोगी और 17वें होल पर बोगी के कारण वह संयुक्त 16वें स्थान पर खिसक गए। इस बीच मार्टिन सिमोनसेन, लार्स वैन डेर विघ्ट और एल्गोट क्लीन ने 11 अंडर पार के कुल स्कोर के साथ संयुक्त बढ़त हासिल कर ली है।

सौडल ओपन : संधू ने कट में बनायी जगह

एंटवर्प। भारतीय गोल्फर युवराज संधू (70-68) ने बेल्जियम के एंटवर्प के पास रिंकवेन इंटरनेशनल गोल्फ क्लब में चल रहे सौडाल ओपन में कट हासिल किया लेकिन शुभंकर शर्मा (70-72) चूक गए। डीपी वर्ल्ड टूर पर पहली बार खेल रहे संधू ने पहले दिन तीन बोगी के मुकाबले चार बर्डी लगाईं थी ।

विनेश फोगाट एशियाई खेलों के चयन ट्रायल्स में लेंगी हिस्सा : कोर्ट

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मशहूर पहलवान विनेश फोगाट को एशियाई खेल के लिए होने वाले आगामी ट्रायल्स में हिस्सा लेने की मंजूरी दे दी है। अदालत ने कहा कि भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) की चयन नीति भेदभावपूर्ण है क्योंकि इसमें मातृत्व अवकाश के बाद वापसी करने वाली विनेश जैसी प्रतिष्ठित खिलाड़ी के नाम पर विचार करने का कोई अधिकार नहीं है। मुख्य न्यायाधीश डी के उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस करिया की पीठ ने आदेश दिया कि 30-31 मई को होने वाले चयन ट्रायल्स की डब्ल्यूएफआई द्वारा वीडियोग्राफी की जाएगी और इसमें भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) से एक-एक स्वतंत्र पर्यवेक्षक भी मौजूद रहेगा। अदालत ने 22 मई को पारित और शनिवार को अपनी वेबसाइट पर अपलोड किए गए आदेश में कहा, अपीलकर्ता को एशियाई खेल 2026 के चयन ट्रायल्स में हिस्सा लेने की अनुमति दी जाती है जो 30.05.2026 और 31.05.2026 को होने वाले हैं।

अदालत ने कहा, यह नीति और सर्कुलर साफ तौर पर भेदभावपूर्ण हैं क्योंकि यह प्रतिवादी नंबर एक (डब्ल्यूएफआई) को अपीलकर्ता जैसी दिग्गज खिलाड़ियों के नाम पर विचार करने का कोई अधिकार नहीं देती है विशेषकर तब जब उसने मातृत्व अवकाश के कारण खेल से कुछ समय के लिए दूरी बनाई हो।

प्रज्ञानानंदा ने वाचियर-लाग्रेव ने खेला ड्रॉ

एजेंसी

बुखारेस्ट (रोमानिया)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञाननंदा ने सुपर शतरंज क्लासिक के आठवें दौर में जीत हासिल करने के कुछ अच्छे मौके गंवा दिए और आखिर में उन्हें फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव के साथ ड्रॉ से संतोष करना पड़ा। दिन के अन्य मुकाबलों में अमेरिका के फैबियानो कारुआना और जर्मनी के विंसेंट कीमर के बीच बाजी ड्रॉ रही, जबकि विश्व चैंपियनशिप के दावेदार उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव ने नीदरलैंड के जॉर्डन वैन फोरस्ट पर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। नीदरलैंड के एक अन्य खिलाड़ी अनीश गिरी को रोमानिया के डिएक बोगदान-डेनियल से हार का सामना करना पड़ा। फ्रांस के अलीरेज़ा फ़िरोजा के नाम वापस लेने के बाद अमेरिका के वेस्ली सो को वॉकओवर मिला। अब जबकि आखिरी दौर का खेल बाकी है तब खिताब के लिए पांच खिलाड़ी दावेदारी पेश कर रहे हैं। अभी कीमर और कारुआना दोनों पांच-पांच अंकों के साथ शीर्ष पर हैं। सिंदारोव, वेस्ली और फोरस्ट 4.5 अंकों के साथ संयुक्त तीसरे जबकि प्रज्ञाननंदा, गिरी और वाचियर-लाग्रेव चार-चार अंक लेकर संयुक्त छठे स्थान पर हैं। डिएक बोगदान-डेनियल ने अपना अभियान 3.5 अंकों के साथ समाप्त किया। अंतिम दौर में उन्हें वॉकओवर मिलेगा जिससे उनका स्कोर 4.5 हो जाएगा। सिंदारोव पर दूसरे दौर में जीत के बाद प्रज्ञाननंदा की दूसरी जीत की तलाश वाचियर-लाग्रेव के खिलाफ लगभग पूरी हो गई थी। भारतीय खिलाड़ी सफेद मोहरों से खेलते जीत की अच्छी स्थिति में पहुंच गया था। उनके पास कुछ अच्छे मौके थे लेकिन वह उन्हें नहीं भुना पाए और आखिर में टूर्नामेंट का यह सबसे लंबा मुकाबला 139 चाल में समाप्त हुआ। प्रज्ञाननंदा अपनी अंतिम बाजी में अनीस गिरी का सामना करेंगे।

टी-20 वर्ल्ड कप : इंग्लैंड रवाना हुई भारतीय टीम

एजेंसी

मुंबई। इंग्लैंड के लिए रवाना होने से पहले टीम इंडिया को तिलक लगाता होटल स्टाफ। भारतीय महिला क्रिकेट टीम शनिवार को टी-20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने के लिए मुंबई से इंग्लैंड रवाना हो गई। फैंस ने ढोल-नगाड़ों के बीच प्लेयर्स को तिलक लगाकर खिलाड़ियों को विदाई दी। टीम हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में उतर रही है, जिन्होंने पिछले साल भारत को पहली बार विमेंस वनडे वर्ल्ड कप जिताया था। उस टीम की 11 प्लेयर्स स्क्वॉड का हिस्सा हैं। यह टीम वर्ल्ड कप से पहले इंग्लैंड के खिलाफ 3 मैचों की टी-20 सीरीज खेलेगी। जो लिमिटेड ओवर के कउउ टूर्नामेंट की तैयारियों के लिहाज से अहम है। यह सीरीज 28 मार्च से शुरू हो रही है। भारत का पहला मैच पाकिस्तान से 14 जून को एजबेस्टन में खेला जाएगा। उसके बाद टीम इंडिया नीदरलैंड, साउथ अफ्रीका, बांग्लादेश और ऑस्ट्रेलिया से खेलेगी। टूर्नामेंट में 12 टीमों को 6-6 के दो ग्रुपों में बांटा गया है। हर ग्रुप से 2 टीमों सेमीफाइनल में प्रवेश करेंगी।

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), भारती फुलमाली, श्री चरणी, यस्तिका भाटिया, नंदनी शर्मा, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, रेणुका सिंह ठाकुर, श्रेयांका पाटिल और राधा यादव।

जीत से विदा लेने की कोशिश करेगा मुंबई

एजेंसी

मुंबई। राजस्थान रॉयल्स की टीम मुंबई इंडियंस के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले लीग चरण के अपने अंतिम मैच में जीत हासिल करके इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ेगी। मुंबई इंडियंस पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुका है और वह जीत के साथ विदाई लेने के लिए प्रतिबद्ध होगा लेकिन राजस्थान रॉयल्स

❍ रॉयल्स की नजर प्लेऑफ में जगह बनाने पर

के लिए यह मुकाबला बेहद महत्वपूर्ण है जिसमें जीत पर वह प्लेऑफ में पहुंचने वाली अंतिम टीम बन जाएगी। इस मैच में संभावित रूप से गर्म और उमस भरे रविवार की दोपहर में दोनों टीमों की सहनशक्ति और फिटनेस की परीक्षा होगी। रॉयल्स फिलहाल 14 अंकों के साथ चौथे स्थान पर है। उसे मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत हासिल करनी होगी, जिससे उसके 16 अंक हो जाएंगे। इससे वह प्लेऑफ के अंतिम स्थान के दो अन्य दावेदार पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स दोनों पर कम से कम एक अंक की बढ़त हासिल कर लेगा। लेकिन अगर रॉयल्स की टीम रविवार को हार जाती है, तो उसे प्ले-ऑफ में पहुंचने के लिए यह उम्मीद करनी होगी कि पंजाब और नाइट राइडर्स दोनों को भी अपने अंतिम मैचों में हार का सामना करना पड़े। रॉयल्स ने अपने पिछले पांच मुकाबलों में जीत से ज्यादा हार का सामना किया है लेकिन वे मुंबई के खिलाफ जीत के लिए जीजान लगा देंगे। उसके खिलाड़ी यहां की परिस्थितियों से अच्छी तरह अवगत हैं। मुंबई इंडियंस के लिए वैभव सूर्यवंशी की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी से कहीं ज्यादा बड़ा खतरा यशस्वी जायसवाल हैं। स्थानीय खिलाड़ी जायसवाल ने गुवाहाटी में जसप्रीत बुमराह की अगुवाई वाले गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ जमकर बल्लेबाजी करते हुए 32 गेंदों में 77 रन बनाए थे। जायसवाल उस मैदान पर वापसी कर रहे हैं जहां उन्होंने तीन साल पहले आईपीएल में अपना पहला शतक लगाया था।

सूर्यकुमार के भविष्य पर अंतिम फैसला गंभीर का : बीसीसीआई

नयी दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक वरिष्ठ सूत्र के अनुसार सूर्यकुमार यादव का भारत की टी20 टीम के कप्तान के तौर पर भविष्य मुख्य रूप से मुख्य कोच गौतम गंभीर ही तय कर सकते हैं क्योंकि राष्ट्रीय चयन समिति पूरी तरह से आश्वस्त नहीं है कि वह सिर्फ एक बल्लेबाज के तौर पर टीम में अपनी जगह बना पाएंगे। सूर्यकुमार को गंभीर ने स्काय नाम दिया था। वह पिछले एक साल से अपनी फॉर्म पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बीसीसीआई के भीतर यह माना जा रहा है कि चयन समिति अब सूर्यकुमार से आगे बढ़ने (उन्हें टीम से हटाने) के पक्ष में है।

भांबरी व वीनस, जिनेवा ओपन में उपविजेता

एजेंसी

जिनेवा। भारत के युकी भांबरी और न्यूजीलैंड के उनके जोड़ीदार माइकल वीनस को शनिवार को जिनेवा ओपन के एटीपी 250 युगल फाइनल में कड़े मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। तीसरी वरीयता प्राप्त भारत-न्यूजीलैंड की जोड़ी को मोनाको के रोमैं अरनोडो और ऑस्ट्रेलिया के मार्क पोलमैन्स ने 6-3, 6-7 (7), 10-7 से हराकर खिताब अपने नाम किया। भांबरी और वीनस ने लगभग दो घंटे तक चले इस रोमांचक मुकाबले में पहला सेट अपने नाम किया, लेकिन प्रतिद्वंद्वी जोड़ी ने दूसरा सेट जीतकर मैच को निर्णायक सुपर टाई-ब्रेकर तक पहुंचा दिया। टाई-ब्रेकर में अरनोडो और पोलमैन्स ने शानदार खेल दिखाया। उन्होंने शुरुआत में बढ़त हासिल की और अहम मौकों पर संयम बनाए रखते हुए जीत दर्ज की। भांबरी और वीनस ने इससे पहले सेमीफाइनल में चेक गणराज्य की पेट्र रिक्ल और एडम पावलासेक की जोड़ी को 7-5, 6-3 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया था। भांबरी के लिए हालांकि खिताब से चूकने के बावजूद, जिनेवा ओपन अभियान सकारात्मक रहा। हाल के वर्षों में भारत के शीर्ष युगल खिलाड़ियों में शामिल रहे भांबरी अब अपना ध्यान आगामी फ्रेंच ओपन पर केंद्रित करेंगे।

खिलाड़ियों को परख रहा राष्ट्रीय आर्म बॉक्सिंग शिविर

खेल संवाददाता

लखनऊ। तीन दिन में खिलाड़ी नहीं बदलते, लेकिन दिशा जरूर तय हो जाती है। इसी सोच के साथ लखनऊ के जवाहर लाल नेहरू राष्ट्रीय युवा केंद्र में शुक्रवार से शुरू हुए 'आर्म बॉक्सिंग इंडिया राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर-2026' को महज एक सामान्य ट्रेनिंग कैंप नहीं, बल्कि खिलाड़ियों के ओरिएंटेशन और चयन प्रक्रिया के अहम पड़ाव के रूप में देखा जा रहा है। तीन दिवसीय इस शिविर में देश के अलग-अलग राज्यों से पहुंचे खिलाड़ियों को जहां आधुनिक तकनीकों से परिचित कराया जा रहा है, वहीं उनके प्रदर्शन के आधार पर आगामी एशियन चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम चयन की भी तैयारी शुरू हो गई है। आर्म बाक्सिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया के महासचिव नसीरुद्दीन के निर्देशन में संचालित किए जा रहे शिविर का उद्घाटन उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व खेल मंत्री ओपी सिंह, स्पोर्ट्स नेटवर्क इंडिया (एसएनआई) के निदेशक डॉ. आनंद किशोर पाण्डेय तथा जवाहर लाल नेहरू राष्ट्रीय युवा केंद्र के अध्यक्ष राम पाल शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया। उद्घाटन समारोह में खिलाड़ियों के बीच अनुशासन, जोश और राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन की ललक साफ दिखाई दी। पूर्व खेल मंत्री ओपी सिंह ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि शिविर में मौजूद प्रतिभाओं को देखकर यह उम्मीद मजबूत होती है कि भारत आगामी अंतरराष्ट्रीय और एशियन चैंपियनशिप में बेहतर प्रदर्शन करेगा।

❍ ओरिएंटेशन से चयन तक: सिर्फ ट्रेनिंग नहीं, भारतीय टीम की खुलेगी राह

आईपीएल प्लेऑफ से पहले मध्यक्रम पर रखेंगे नजर : विटोरी

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद के मुख्य कोच डेनियल विटोरी ने इस सत्र में टीम के शानदार प्रदर्शन का श्रेय शीर्ष क्रम के विस्फोटक बल्लेबाजों और अनुशासित गेंदबाजी आक्रमण को देते हुए कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के प्लेऑफ से पहले वह अपने मध्यक्रम पर नजर बनाए रखेंगे जिसको अभी तक खास परखा नहीं गया है। सनराइजर्स ने शुक्रवार को यहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ 55 रन से जीत दर्ज की लेकिन वह नेट रन रेट के कारण शीर्ष दो में जगह नहीं बना पाया और उसने अंक तालिका में तीसरा स्थान हासिल किया।

रूबियो ने पीएम मोदी से मुलाकात की

अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो का नयी दिल्ली में हार्दिक स्वागत है

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत की पहली आधिकारिक यात्रा पर आये अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने शनिवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। इस यात्रा का उद्देश्य द्विपक्षीय संबंधों को सुधारना है, जिनमें पिछले साल के मध्य से ही तनाव बना हुआ है।

रूबियो के नयी दिल्ली में क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने के साथ ही विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ व्यापक वार्ता करना निर्धारित है। रूबियो ने आज सुबह कोलकाता पहुंचने के बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, भारत पहुंच गया हूं। एक शानदार यात्रा की उम्मीद है। रूबियो ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली रवाना होने से पहले कोलकाता में सेंट टेरेसा मिशनरीज ऑफ चैरिटी के मुख्यालय मदर हाउस का दौरा किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर कहा, अमेरिका के विदेश

मंत्री मार्को रूबियो का नयी दिल्ली में हार्दिक स्वागत है। उनकी यात्रा से भारत-अमेरिका की व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूती मिलेगी। अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने विदेश मंत्री रूबियो का स्वागत करते हुए द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से एक दूरदर्शी एजेंडा प्रस्तुत किया। उन्होंने क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की आगामी बैठक और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मजबूत अमेरिका-भारत साझेदारी के रणनीतिक दृष्टिकोण को साकार करने पर वाशिंगटन द्वारा ध्यान केंद्रित करने पर जोर दिया।

रूबियो ने राष्ट्रीय राजधानी पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। रविवार को उनका जयशंकर के साथ द्विपक्षीय वार्ता करने का कार्यक्रम है। अमेरिकी विदेश मंत्री सोमवार को आगरा और जयपुर का दौरा करेंगे और फिर मंगलवार सुबह क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के लिए दिल्ली लौटेंगे। मामले के बारे में जानकारी रखने वालों के अनुसार, जयशंकर और रूबियो के बीच होने वाली वार्ता में ऊर्जा, व्यापार, निवेश, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी और दोनों देशों के लोगों के बीच आदान-प्रदान के क्षेत्रों में भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा होने की संभावना है।

अमेरिकी विदेश मंत्री रुबियो ने कोलकाता में मदर हाउस और निर्मला शिशु भवन का दौरा किया

कोलकाता। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने शनिवार को कोलकाता में सेंट टेरेसा के मिशनरीज ऑफ चैरिटी के मुख्यालय मदर हाउस और निर्मला शिशु भवन का दौरा किया। रुबियो भारत की अपनी पहली चार दिवसीय यात्रा पर आज सुबह कोलकाता पहुंचे। कोलकाता के हवाई अड्डे पर भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने उनका स्वागत किया। उन्होंने मिशनरीज ऑफ चैरिटी के मुख्यालय का दौरा किया और वहां के अधिकारियों से बात की। रुबियो बाद में गोर और अन्य अधिकारियों के साथ मिशनरीज ऑफ चैरिटी द्वारा संचालित बाल गृह निर्मला शिशु भवन भी गए।

ट्रंप ईरान के खिलाफ नये हमले शुरू करने पर गंभीरता से विचार कर रहे : रिपोर्ट

वाशिंगटन। ईरान के साथ शांति समझौते को लेकर अगर अंतिम समय की बातचीत किसी नतीजे पर नहीं पहुंचती है तो अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के खिलाफ नए हमले शुरू करने पर गंभीरता से विचार कर सकते हैं। अमेरिकी मीडिया संस्थान एक्सियोस ने शुक्रवार को खबर में यह जानकारी दी। खबर में कहा गया कि ट्रंप ने ईरान के साथ युद्ध पर चर्चा करने के लिए शुक्रवार सुबह राष्ट्रीय सुरक्षा टीम के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। इस बीच, पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर ईरान की राजधानी तेहरान पहुंचे और कतर के एक प्रतिनिधिमंडल ने अंतिम समय में समझौता कराने के प्रयास में उनका साथ दिया।

एक्सियोस को दो अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने शुक्रवार सुबह ईरान के साथ युद्ध के संबंध में अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक बुलाई। राष्ट्रपति से सीधे बात करने वाले सूत्रों के अनुसार, ट्रंप वार्ता में अंतिम समय में कोई सफलता न मिलने की स्थिति में ईरान के खिलाफ नए हमले शुरू करने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। शनिवार को मुनीर की मुलाकात ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर के कमांडर और ईरानी निर्णय प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले जनरल अहमद वाहिदी से होने की उम्मीद है।

एक्सियोस की खबर में कहा गया कि राजनयिक प्रयासों से अवगत एक अमेरिकी अधिकारी ने वार्ता को बेहद चुनौतीपूर्ण बताया और यह भी कहा कि मसौदा हर दिन इधर-उधर भेजा जा रहा है लेकिन कोई खास प्रगति नहीं हो रही है। शुक्रवार सुबह व्हाइट हाउस (अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) में ट्रंप के साथ हुई बैठक में उपराष्ट्रपति जे डी वेंस, रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ, सीआईए (सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी) के निदेशक जॉन रैटक्लिफ, व्हाइट हाउस की चीफ ऑफ स्टाफ सूसी वाइल्स और अन्य अधिकारी उपस्थित थे। ट्रंप ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा।

संक्षेप

यूक्रेन के ड्रोन हमले से रूस के तेल डिपो में लगी आग

कीव। यूक्रेन द्वारा शुक्रवार रात ड्रोन से किये गए हमले में रूस के एक और तेल टर्मिनल में आग लग गई। रूस के क्रास्नोदार क्षेत्र के स्थानीय अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। नोवोरोस्सियस्क शहर के अधिकारियों ने बताया कि ड्रोन का मलबा गिरने से एक तेल टर्मिनल में आग लग गई, जिसमें दो लोग घायल हो गए। हालांकि अधिकारियों ने उक्त तेल टर्मिनल का नाम नहीं बताया। रूस के समाचार संस्थान एस्ट्रा के मुताबिक यूक्रेन के ड्रोन ने शेस्खारिस तेल टर्मिनल और डिपो पर हमला किया, जो इस क्षेत्र में रूसी की सरकारी पाइपलाइन कंपनी ट्रांसनेफ्ट की मुख्य तेल पाइपलाइन का अंतिम छोर है। एस्ट्रा द्वारा साझा की गई तस्वीरों में तेल टर्मिनल के ऊपर धुआं उठता हुआ दिखाई दे रहा है, लेकिन इनकी पुष्टि नहीं हो सकी। यूक्रेन ने हमले पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की। इस बीच, रूस द्वारा नियुक्त अधिकारियों ने बताया कि यूक्रेन द्वारा रूस-अधिकृत लुहांस्क क्षेत्र के स्टारोबिलस्क शहर में एक कॉलेज के छात्रावास भवन पर शुक्रवार की रात किये गए ड्रोन हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को छात्रावास पर हुए हमले की निंदा करते हुए इसे अपराध बताया।

बिहार में मुठभेड़ और बुलडोजर का राज लेकर आई भाजपा : वामपंथी

पटना। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने शनिवार को बिहार में सत्तारूढ़ भाजपा पर न्याय के साथ विकास के सिद्धांत को त्यागने और मुठभेड़ व बुलडोजर के शासन को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। भट्टाचार्य ने सम्राट चौधरी के बिहार के मुख्यमंत्री बनने के लगभग एक महीने बाद एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्राथमिकताएं कानून के शासन के लिए हानिकारक हैं। उन्होंने कहा, सिर्फ इतना ही नहीं कि नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया गया है। राजनीतिक विमर्श और शासन प्रणाली भी पूरी तरह से बदल गई है। सुशासन और न्याय के साथ विकास अब सरकार का आदर्श वाक्य नहीं रह गया। भाकपा (माले) लबिरेशन ने कुछ मौकों पर जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के साथ गठबंधन किया है। वामपंथी नेता ने आरोप लगाया, भाजपा के शासन में मुठभेड़ और बुलडोजर चर्चा का विषय बन गए हैं।

वायु प्रदूषण को लेकर रेखा गुप्ता गंभीर

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने हाल ही में सरकार की इनोवेशन चैलेंज योजना के तहत शहर के कुछ हिस्सों में वायु प्रदूषण कम करने के उद्देश्य से लगाए गए उपकरणों का शनिवार को निरीक्षण किया। गुप्ता ने पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा के साथ कीर्ति नगर औद्योगिक क्षेत्र के पास लगाए गए पोल-माउंटेड डस्ट कलेक्टर और कीर्ति नगर फायर स्टेशन पर स्थापित सेंट्रल वर्ज एयर प्यूरीफायर का निरीक्षण किया।

❍ उपकरणों का लिया जायजा

पिछले साल अक्टूबर में सिरसा ने प्रदूषण कम करने के लिए इस पहल की शुरुआत की थी, जिसमें व्यक्तियों, स्टार्टअप्स और शोध संस्थानों को पीएम2.5 और पीएम10 जैसे कणों के उत्सर्जन को कम करने के लिए विचार प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया था। निरीक्षण के दौरान सिरसा ने बताया कि उपकरण में लगातार धूल जमा होती रहती है और लगभग 15-20 दिन बाद जब यूनिट भर जाती है तो बैकएंड तकनीक अधिकारियों को सूचित कर देती है। उन्होंने कहा, यह उपकरण 400 वर्ग मीटर के दायरे से धूल एकत्र कर सकता है।

अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 48 करोड़ का मादक पदार्थ जब्त

एजेंसी

नयी दिल्ली। सीमा शुल्क विभाग ने इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 48 करोड़ रुपये का मादक पदार्थ जब्त किया है और इस सिलसिले में दो थाई नागरिकों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। दिल्ली हवाई अड्डे के सीमा शुल्क आयुक्त अरविंद सरन ने कहा कि यह जब्ती हाल के वर्षों में देश के किसी भी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर की गई सबसे बड़ी मादक पदार्थों की बरामदगी में से एक है। सरन ने कहा, इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारी मादक पदार्थों और अन्य प्रतिबंधित वस्तुओं की तस्करी के प्रयासों को रोकने के लिए चौबीसों घंटे कड़ी निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सोने की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए भी समन्वित प्रयास किए जा रहे हैं। आधिकारिक बयान के अनुसार, 22 मई को उतरे दोनों यात्रियों को हवाई अड्डे पर ग्रीन चैनल पार करने के बाद रोक लिया गया।

परमाणु अप्रसार संधि की समीक्षा के लिए आयोजित संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन में नहीं बन सकी सहमति

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र। परमाणु हथियारों के प्रसार को रोकने संबंधी संधि की समीक्षा के लिए आयोजित संयुक्त राष्ट्र का चार सप्ताह का सम्मेलन अंतिम दस्तावेज पर कोई सहमति बने बिना शुक्रवार को समाप्त हो गया।

विशेषज्ञों ने कहा कि सहमति नहीं बनने की वजह ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच विवाद रहा। सम्मेलन की अध्यक्षता करने वाले वियतनाम के संयुक्त राष्ट्र राजदूत डो हुंग विएट ने घोषणा की कि परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) के 191 पक्षकार अंतिम दस्तावेज पर आम सहमति नहीं बना पाए। उन्होंने यह नहीं बताया कि किस देश या किन देशों के कारण सहमति नहीं बन सकी। यह तीसरी बार है जब एनपीटी की समीक्षा के लिए आयोजित सम्मेलन में सहमति नहीं बन सकी।

इस संधि को वैश्विक परमाणु अप्रसार और निरस्त्रीकरण की आधारशिला माना जाता है। अगस्त 2022 में हुई पिछली संधि समीक्षा में रूस के कारण अंतिम दस्तावेज पर सहमति नहीं बन पाई थी।

इसका कारण फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण और यूरोप के सबसे बड़े जापोरिज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर मास्को के कब्जे से जुड़े संदर्भ थे।

ईरान युद्ध 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल के हवाई हमलों के साथ शुरू हुआ था। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि इस युद्ध का उद्देश्य ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकना है।

न्यूयॉर्क में विस्फोट एक की मौत, 36 घायल

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क शहर के एक शिपयार्ड में शुक्रवार को लगी आग और दो विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार इस घटना में घायल हुए 36 लोगों में अधिकतर दमकलकर्मी और अन्य आपातकालीन सेवाकर्मी हैं। एक आम नागरिक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जिस समय दूसरा विस्फोट हुआ दो दमकलकर्मी इमारत के अंदर थे जिससे कि वे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने शुक्रवार शाम को संवाददता सम्मेलन में कहा, हालात बेहद जटिल है और स्थिति लगातार बदल रही है।

छह नगाओं के अपहरण का केस एनआईए को सौंपा

एजेंसी

इंफाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह ने शनिवार को कहा कि छह नगा ग्रामीणों के अपहरण से जुड़े मामले को राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) को सौंपा जाएगा।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, यह घोषणा यूनाइटेड नगा काउंसिल (यूएनसी) के छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल और मुख्यमंत्री के बीच हुई बैठक के दौरान की गई। यूएनसी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उसके अध्यक्ष एनजी लोर्हो ने किया, जबकि सरकार की ओर से उपमुख्यमंत्री लोसी डिखो, गृह मंत्री

गोविंदास कोंथौजम और कई नगा विधायक मौजूद थे। बैठक के दौरान यूएनसी ने सरकार से कांगपोकपी जिले के कोंसाखुल गांव से अगवा किए गए छह ग्रामीणों की तलाश के प्रयास तेज करने का आग्रह किया। बयान में कहा गया है, मुख्यमंत्री ने यूएनसी प्रतिनिधिमंडल को बताया कि अगवा किए गए छह नगा लोगों का मामला एनआईए को सौंपा जाएगा। इसमें कहा गया कि 13 मई को कांगपोकपी जिले में गिरजाघर के तीन पदाधिकारियों की हत्या के मामले को पहले ही जांच के लिए केंद्रीय एजेंसी को सौंपा जा चुका है।

सिंह ने बताया कि लापता ग्रामीणों का पता लगाने के लिए 14 मई से खोज और बचाव अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने यूएनसी से सरकार की मदद करने और 14 कुकी नागरिकों की रिहाई सुनिश्चित कराने की अपील की, जिन्हें सरकार के अनुसार हिंसा शुरू होने के बाद से बंधक बनाकर रखा गया है।

इंटरटेनमेंट...

भोपाल में गूंजेगी एआर रहमान की आवाज

मुंबई। कॉन्सर्ट और फिल्म प्रमोशन के लिए एआर रहमान, दिव्येंदु शर्मा, जाह्नवी कपूर, रवि किशन और राम चरण भोपाल पहुंच चुके हैं। राजधानी भोपाल में संगीत प्रेमियों के लिए आज खास मौका है। मशहूर संगीतकार और गायक एआर रहमान आज शहर में लाइव कॉन्सर्ट करने जा रहे हैं। यह कार्यक्रम भेल दशहरा मैदान में शाम 7 बजे से शुरू होगा, जिसमें सभी के लिए प्रवेश खुला रखा है। कॉन्सर्ट और फिल्म प्रमोशन के लिए दिव्येंदु शर्मा, ज्हान्वी कपूर, और रवि किशन और राम चरण भोपाल पहुंच चुके हैं। इन सितारों की एक झलक पाने के लिए भोपाल एयरपोर्ट पर बड़ी संख्या में शहरवासी जुटे, जिससे वहां उत्साह का माहौल देखने को मिला। फिल्म पेद्दी 4 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। ये एक पैन इंडिया फिल्म है। बुच्ची बाबू के निर्देशन में बनी इस फिल्म को एआर रहमान ने म्यूजिक दिया है। ये जान्हवी कपूर की दूसरी तेलुगु फिल्म है। उन्होंने 2024 में फिल्म देवरा से तेलुगु सिनेमा में डेब्यू किया था। इससे पहले मुंबई के बीकेसी में फिल्म का ट्रेलर लॉन्च इवेंट आयोजित किया गया था, जहां फिल्म की पूरी स्टारकास्ट मौजूद रही। साउथ सुपरस्टार राम चरण और जान्हवी कपूर जल्द ही फिल्म पेद्दी में नजर आने वाले हैं। खास बातचीत में राम चरण ने बताया है कि वो इस फिल्म में कुश्ती करते नजर आने वाले हैं। इस फिल्म के प्रमोशन के लिए वो भारत के दिल मध्यप्रदेश के भोपाल से शुरूआत करेंगे, जहां ए.आर. रहमान लाइव परफॉर्मेंस देंगे। जब राम चरण से पूछा कि फिल्म का प्रमोशन 'भारत के दिल' यानी भोपाल से शुरू करने की क्या वजह रही? तो वो कहते हैं।

❍ फिल्म 'पेद्दी' के प्रमोशन के लिए सितारों का जमावड़ा

फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' में अधूरा प्यार और बिछड़ने का दिखेगा दर्द

मुंबई। 'मैं वापस आऊंगा' में एक बार फिर अधूरे प्यार, बिछड़ने और लौटकर आने की कसक देखने को मिलेगी। रॉकस्टार का सीक्वल नहीं बनाएंगे इम्तियाज अली, लेकिन उनकी आगामी फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' में एक बार फिर अधूरे प्यार, बिछड़ने और लौटकर आने की कसक देखने को मिलेगी। दिलजीत दोसांझ, शरवरी, वेदांग रैना और नसीरुद्दीन शाह स्टारर यह फिल्म सिर्फ लव स्टोरी नहीं, बल्कि यादों, माइग्रेशन और इमोशनल टूटन की कहानी है। खास बातचीत में इम्तियाज अली ने बताया कि वह 'रॉकस्टार' का सीक्वल क्यों नहीं बनाना चाहते। वहीं उन्होंने दिलजीत दोसांझ, ए.आर. रहमान और अपनी फिल्मों में बार-बार दिखने वाले दर्द व बिछड़ने के एहसास पर भी खुलकर बात की। शरवरी और वेदांग ने भी फिल्म से अपने भावनात्मक जुड़ाव और किरदारों की तैयारी के अनुभव साझा किए। इम्तियाज अलीः जब मैं फिल्म बनाता हूं, तब अपने बारे में नहीं सोच रहा होता। शायद मैं कहानियां बनाकर खुद से भागने की कोशिश करता हूं।

❍ रॉकस्टार का सीक्वल नहीं बनाएंगे इम्तियाज अली

लेकिन ये सच है कि जब आप किसी शहर को छोड़ रहे होते हैं, तभी उसकी सबसे ज्यादा याद आती है। वेदांग रैनाः शुरूआत में मेरे लिए सबसे बड़ी बात सिर्फ इम्तियाज सर के साथ काम करना था।

रणवीर सिंह बहुत कमाल व सिक्योर एक्टर हैं : अंजुम

मुंबई। एक्टर अंजुम शर्मा इन दिनों वेब सीरीज 'कप्तान' में अपने किरदार 'मुन्ना' को लेकर चर्चा में हैं। 'मिजार्पुर' के शरद शुक्ला के बाद अंजुम ने इस बार एक बिल्कुल अलग और मस्तमौला किरदार निभाया है। बातचीत में अंजुम शर्मा ने इंडस्ट्री में आउटसाइडर होने के संघर्ष, स्टार्स की इनसिक्योरिटी, ओटीटी के बदलते दौर पर बात की। ओटीटी मेनस्ट्रीम सिनेमा का ही एक्सटेंशन है। वही फिल्ममेकर आए, जिन्होंने फिल्मों का अनुभव लेकर 'मिजार्पुर, 'सेक्रेड गेम्स' जैसी सीरीज बनाई। फर्क सिर्फ इतना था कि यहां लॉन्ग फॉर्मेट मिला, इसलिए कहानियों को ज्यादा गहराई और खुलकर दिखाया जा सका।

कांस 2026 : सफायर ब्लू गाउन में पहुंची ऐश्वर्या राय

मुंबई। कांस फिल्म फेस्टिवल से ऐश्वर्या राय बच्चन के ग्लैमरस लुक लगातार सामने आ रहे हैं। ऐश्वर्या ने कांस रेड कार्पेट पर अमित अग्रवाल का डिजाइनर सफायर गाउन पहना। उनके साथ बेटी आराध्या भी कांस पहुंची हैं, जिन्होंने अनऑफिशियली कांस में ग्लैमरस लुक में डेब्यू किया है। ऐश्वर्या राय ने साल 2002 में कांस में डेब्यू किया था। इसके बाद से ही वो लगातार कांस में मौजूद रहती हैं। बीते साल

❍ बेटी आराध्या का भी हुआ अनऑफिशियल डेब्यू लाल गाउन में मां का हाथ थामकर दिए पोज

ऐश्वर्या ने मनीष मल्होत्रा द्वारा डिजाइन की गई सफेद-गोल्डन साड़ी पहनी थी। रेड डायमंड जूलरी और सिंदूर के साथ ऐश्वर्या बेहद खूबसूरत दिखीं। उनका ट्रेडिशनल लुक काफी चर्चा में रहा था। कांस के दूसरे लुक में ऐश्वर्या राय ने गौरव गुप्ता के कलेक्शन की ब्लैक सिक्वल गाउन के साथ ट्रेल कैरी की थी। खुले बालों और मिनिमल जूलरी में एक्ट्रेस बेहद ग्लैमरस लगी थीं। साल 2002 में कांस में डेब्यू करने के लिए ऐश्वर्या ने पीली साड़ी के साथ गोल्ड जूलरी पहनी थी। यहां देवदास की

स्क्रीनिंग हुई थी। ऐश्वर्या राय ने कांस 2004 में रेड कार्पेट पर फ्लैट फुटवियर पहने थे, हालांकि अब इन पर प्रतिबंध है। पर्पल-ब्लू लिप्स्टिक लगाने पर ऐश्वर्या राय की जमकर आलोचना हुई थी। कांस रेड कार्पेट में इस गाउन के लिए ऐश्वर्या को जमकर ट्रोल किया गया था।

हर साल दुनियाभर के चुनिंदा लोगों को ज्यूरी में शामिल किया जाता है। मृणाल सेन पहले भारतीय थे, जिन्हें 1982 में ज्यूरी में शामिल किया गया था। इसके अलावा ज्यूरी बनने वाली पहली भारतीय महिला डायरेक्टर मीरा नायर थीं। ऐश्वर्या राय पहली इंडियन एक्ट्रेस हैं, जिन्हें कांस में ज्यूरी बनाया गया। हालांकि अब दीपिका पादुकोण, विद्या बालन और शर्मिला टैगोर भी इस लिस्ट में शामिल हैं। आलिया कान्स 2026 में लोरियल पेरिस की ग्लोबल एंबेसडर के तौर पर शामिल हुई हैं। तीसरे लुक में आलिया डिजाइनर तरुण तहिलियानी की आइवरी साड़ी में दिखाई दीं। वे फ्रेंच रिवेरा में भारत पैवेलियन पहुंचीं, जहां उन्होंने फिल्म मेकर आशुतोष गोवारिकर के साथ 57वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया का पोस्टर और क्रिएटिव विजन लॉन्च किया।

Viraj
आर.एन.आई.नं.-यू.पी.-हिन/2006/18901 विराज प्रकाशन प्रा.लि. हेतु मुद्रक एवं प्रकाशक आर.के. अग्रवाल द्वारा एक्सप्रेस हाऊस, 1/5, विशाल खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ से मुद्रित एवं प्रकाशित। **कार्यकारी सम्पादक : मनोज कुमार बाजपेयी**
(पी.आर.बी.एक्ट के तहत समाचारों के चयन हेतु उत्तरदायी) समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन। फोन कार्यालय : 0522-4059441, 4059442, 4059443 : ई-मेल : voiceoflucknow@gmail.com